

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 24 फरवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक-320 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए



यूपी के एक-एक गांव में यह चर्चा हो रही है, ...

02

■ सेंट जेम्स चर्च, क्लॉक टॉवर को फिर मिलेगा पुराना गौरव
■ लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आप को झटका, ...

03

■ पॉंग डैम के वैटलेंड एरिया में खेती करने की अनुमति : सुक्खू
■ हिमालयन प्राकृतिक आपदाओं के लिए लिहाज से खतरनाक: रिजिजू

08

दिलकश अदाओं से मधुबाला ने दर्शकों...

10

सार संक्षेप

पं.बंगाल जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में महिलाओं के कथित उत्पीड़न का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राज्य के विपक्षी दल सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य का दौरा करेंगे और कुछ सार्वजनिक योजनाओं को जनता को समर्पित करेंगे।

फर्जी विंग कमांडर बनकर पालम एयरपोर्ट में घुसा शरुस गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली केंद्र एरिया स्थित पालम एयर फोर्स स्टेशन में खुद को विंग कमांडर बताकर प्रवेश करने वाला व्यक्ति पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस ने बताया कि विनायक चड्ढा को 21 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर रोहित मीणा ने बताया कि पूछताछ में उसने कहा कि वह अपने पिता का आर्मी स्टेशन के डेंटल अस्पताल में इलाज कराना चाहता था। उसने फर्जी एंटी पास बनवाया है। खुद को विंग कमांडर बताकर वो थिम्मया रोड पर मौजूद एयरफोर्स के डेंटल हॉस्पिटल में दाखिल हो गया था। लेकिन उसे तब पकड़ा गया जब वह प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। उसने विंग कमांडर का फर्जी आईडी कार्ड बनवाया हुआ था।

गुजरात के वेरावल पोर्ट से 350 करोड़ की ड्रग्स जब्त

गिर सोमनाथ। गुजरात में वेरावल बंदरगाह से 350 करोड़ रुपए कीमत की हेरोइन जब्त की गई है। करीब 50 किलो हेरोइन का यह जल्था समुद्र के रास्ते मछली पकड़ने वाली नाव से वेरावल लाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों को गुरुवार की आधी रात को ही नाव से हेरोइन लाने की सूचना मिल गई थी। इसके बाद तड़के सुबह तक ऑपरेशन को अंजाम दे दिया गया।

एयरोस्पेस में आत्मनिर्भरता जरूरी : आशुतोष दीक्षित

नई दिल्ली। वायुसेना के उप-प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित का कहना है कि किसी भी देश का औद्योगिक रूप से मजबूत होना और रक्षा मामलों में आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है, खासकर एयरोस्पेस के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित हुए एक सम्मेलन के दौरान वायुसेना उप-प्रमुख ने ये बात कही। सम्मेलन का विषय एनएरजाइजिंग इंडियन एयरोस्पेस इंडस्ट्री आत्मनिर्भर भारत के लिए चुनौती थी। वायुसेना के लिए आत्मनिर्भरता की अहमियत पर अपनी बात रखी व वायुसेना की चुनौतियों का भी जिक्र किया।

ईडी-सीबीआई के जरिए हो रही चंदा वसूली

कांग्रेस का भाजपा पर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर चंदा जुटाने का आरोप

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने चंदा वसूलने के लिए ईडी-सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया है। इसीलिए मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जानी चाहिए। शुक्रवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया से कहा कि 2018-19 और 2022-23 के बीच भाजपा को लगभग 335 करोड़ रुपए का दान देने वाली कम से कम 30 कंपनियों को केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। जयराम रमेश ने बताया कि किसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को चिट्ठी लिखकर पूछा है कि तीन में से दो एजेंसियां वित्त मंत्रालय के अधीन हैं, पूरा देश जानता है कि सरकार जांच एजेंसियों को रिमोट कंट्रोल से चला रही है। 2014 के बाद से राजनेताओं के खिलाफ ईडी के मामलों में चार गुना बढ़ोतरी इस बात का सबूत है। इनमें से 95 प्रतिशत केस विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं। पिछले दिनों भाजपा की ऑडिट रिपोर्ट सामने आई थी, जिससे पता चला था कि भाजपा की कुल इनकम 2022-23 में 2,361 करोड़ हो गई है। जो 2021-22 में 1,917 करोड़ थी। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर चंदा पाने के लिए वसूली भाई की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को



भाजपा को दान देने वाली तीस कंपनियों पर हुई कार्रवाई इनसे 335 करोड़ चंदा मिला : जयराम रमेश

कहा कि एजेंसियों का इस्तेमाल कर कंपनियों को डराया धमकाया जा रहा है और उनसे चंदा वसूलने की जा रही है। गांधी ने कहा कि रिपोर्ट्स में सामने आया है कि वसूली एजेंट बन चुकी एजेंसियों की जांच में फंसी 30 कंपनियों ने भाजपा को जांच के दौरान 335 करोड़ का चंदा दिया। उन्होंने कहा कि चंदा का धंदा इतनी बेशर्मी से चल रहा है कि मप्र की एक डिस्ट्रिक्ट के मालिकों ने बेल मिलते ही भाजपा को चंदा दिया। मित्र की कंपनी को बेईमानी से फायदा और बाकियों के लिए अलग कायदा, मोदी राज में भाजपा को दिया 'अवैध चंदा' और 'इलेक्ट्रोल बॉन्ड' ही कारोबार में आसानी की गारंटी है।

वित्त मंत्री से पूछे गए कांग्रेस के तीन सवाल

क्या सरकार भाजपा के फाइनेंस पर क्लाइंट पेपर लाएगी। इनमें सोर्स के साथ-साथ यह भी बताया जाए कि कैसे कंपनियों

क्या आपको प्रधानमंत्री की 'चंदा दो, बेल और बिजनेस लो' योजना के बारे में पता है। देश में प्रधानमंत्री 'वसूली भाई' की तरह ईडी, आईटी और सीबीआई का दुरुपयोग कर 'चंदा का धंधा' कर रहे हैं। एजेंसियों का इस्तेमाल कर कंपनियों को डराया धमकाया जा रहा है और उनसे चंदा वसूलने की जा रही है। राहुल गांधी

कंपनियों को जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके दान देने के लिए मजबूर किया गया था। अगर आप कुछ छिपा नहीं रहे हैं तो क्या आप यह बता सकते हैं कि किस समय, किन कारणों से भाजपा का खजाना भर गया। क्या आप उन घटनाओं के पॉइंट टू पॉइंट खंडन पेश कर सकते हैं। अगर आप स्पष्टीकरण नहीं दे सकते हैं, तो क्या आप इन संदिग्ध सौदों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए तैयार हैं।

छह कंपनियों ने चंदा देने से इनकार किया तो छाप पड़ा

वहीं कांग्रेस ने वेणुगोपाल ने कहा कि 30 कंपनियों में से 23 कंपनियों जिन्होंने भाजपा को कुल 187.58 करोड़ रुपए दिए थे, उन्हीं कंपनियों ने 2014 से छाप पड़ने के बीच कभी भी कोई राशि दान नहीं की थी। इनमें से कम से कम 4 कंपनियों ने सेंट्रल एजेंसी के दौर के चार महीने के अंदर ही कुल 9.05 करोड़ रुपए का दान दिया। इनमें से 6 कंपनियों, जो पहले से ही भाजपा को डोनेशन देती थीं, उन्हें दान देने से इनकार

करने के बाद जांच का सामना करना पड़ा। तलाशी के बाद के महीनों में इन्हीं कंपनियों ने पार्टी को बड़ी रकम सौंपी। ईडी जांच के बाद कंपनियों चंदा क्यों दे रही, इसकी जांच की। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि हम कहीं भी यह आरोप नहीं लगा रहे हैं कि दजर्ज किए गए मामले या जांच एजेंसियों की कार्रवाई जानी चाहिए कि यह संदिग्ध कंपनियों जिनके खिलाफ ईडी के मामले चल रहे हैं, वे ईडी की जांच के बावजूद सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को दान क्यों दे रही हैं। या फिर यह महज संयोग है कि वे कार्रवाई के बाद भाजपा को चंदा दे रही हैं। गौतमरव है कि गत 16 फरवरी को कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। हालांकि एक घंटे बाद इनकम टैक्स अपीलेंट ट्रिब्यूनल ने कांग्रेस के फ्रीज खातों पर लगी रोक हटा दी थी। गौरतलब है कि वित्त मंत्री सीतारमण को लिखे अपने पत्र में वेणुगोपाल ने कहा था कि मीडिया रिपोर्टों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग (आईटी) के बाद भाजपा और कई कंपनियों के बीच कथित तौर पर लेन-देन का खुलासा किया है। तीन में से दो एजेंसियां वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। पूरा देश जानता है कि आपकी सरकार द्वारा जांच एजेंसियों को रिमोट से कैसे नियंत्रित किया जा रहा है।

जाति के नाम पर भड़काने वालों से रहना होगा सावधान : मोदी

वाराणसी से प्रधानमंत्री ने गठबंधन पर साधा निशाना

वाराणसी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी में दो जनसभाओं में शामिल होकर पूरे गठबंधन को साधा। उन्होंने अपने संबोधन में लोकसभा चुनाव जीतने का दावा भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले ईडी गठबंधन के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का विरोध करते हैं। जाति की भलाई के नाम पर ये लोग अपने परिवार के स्वार्थ की राजनीति करते हैं। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास जन्मस्थली मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद गुरु के 647वें प्रकाशपर्व समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टी अपने



गरीब, वंचित, पिछड़ा व दलित के लिए सरकार की नीयत साफ : मोदी

जमानत भी नहीं बचेगी

गठबंधन पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा माल वही है, पैकिंग नई है। इस बार यूपी की जनता ने मोदी की गारंटी वाली सरकार चुनने का निर्णय ले लिया है। इस बार जमानत भी नहीं बचेगी। पीएम ने कहा कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरी करने वाली गारंटी। पीएम ने कहा यूपी और बिहार को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है।

परिवार के बाहर किसी दलित और आदिवासी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते।

हरियाणा में उग्र हुआ किसान प्रदर्शन

हिसार, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच के बाद लगातार पुलिस और किसानों के बीच टकराव हो रहा है। वहीं पंजाब के किसानों के साथ ही अजमेर के किसानों की चिंगारी अब हरियाणा में भड़क गई है। शुक्रवार को हिसार के खेड़ी चौपटा में पुलिस और किसानों में एक बार तकरार हो गई। पंजाब के किसानों के समर्थन में हिसार से कुछ किसान खनौरी बॉर्डर की तरफ कूच कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।



हिसार में पुलिस ने दामे आंसू गैस के गोले

किसानों के पथराव में थाना नारनौंद के एसएचओ घायल

पुलिस के बार-बार मना करने के बावजूद भी किसान खनौरी बॉर्डर खीन लगे। स्थिति हाथ से निकलती देख पुलिस ने किसानों

पुलिस की कार्रवाई से बढ़ा तनाव

पुलिस की तरफ से भीड़ को तितर-बितर करने का जो तरीका अपनाया गया, उसने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। इसकी वजह से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। तैनाती तेजी से बढ़ी क्योंकि पुलिस ने किसानों की बढ़ती भीड़ को तितर-बितर करने के प्रयास में आंसू गैस छोड़ी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा आंसू गैस के उपयोग को एक कठोर ट्रिप्टिकोण के रूप में देखा गया है। इसकी वजह से किसानों में और अधिक आक्रोश भड़का। इस घटना ने खाप पंचायतों ने किसानों से केहरी चोपता में इकट्ठा होने का आह्वान किया।

इसरो के आदित्य एल-1 मिशन को मिली कामयाबी



- सौर पवन में इलेक्ट्रॉन व आयन की संख्या में दिखा इजाफा
- सेंसर से सौर पवन की दिशा का पता लगाना संभव

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इसरो के सौर मिशन आदित्य एल-1 को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल आदित्य एल-1 पर लगे एक पेलोड के एडवांस्ड सेंसर ने सूर्य की सतह पर होने वाले कोरोनाल मास इजेक्शन के प्रभाव को लेकर अहम खुलासा किया है। सेंसर से कोरोनाल मास इजेक्शन के दौरान भारी संख्या में सौर पवन में इलेक्ट्रॉन और आयन की संख्या में जबरदस्त इजाफा देखा गया। जिस पेलोड के सेंसर ने यह पता लगाया है, वह आत्मनिर्भर भारत के लिए चुनौती थी। वायुसेना के लिए आत्मनिर्भरता की अहमियत पर अपनी बात रखी व वायुसेना की चुनौतियों का भी जिक्र किया।

गया है। इसमें दो सेंसर सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रोब और सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनालाइजर लगे हैं। सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रोब सेंसर 10 ईवी से लेकर 3 ईवी की रेंज के इलेक्ट्रॉन की गणना करता है। वहीं सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनालाइजर 10 ईवी से लेकर 25 ईवी के बीच के इलेक्ट्रॉन की गणना करता है। इन सेंसर की मदद से सौर पवन की दिशा का भी पता लगाया जा सकता है। पेलोड प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर की स्पेस फिजिक्स लेबोरेट्री एंड एवियोनिक्स एनटीटी द्वारा विकसित किया गया है। इसरो ने बताया कि सूर्य की सतह पर कोरोनाल मास इजेक्शन को घटना को पहले 15 दिसंबर 2023 को और फिर 10-11 फरवरी 2024 को पहले 15 दिसंबर 2023 को और फिर 10-11 फरवरी 2024 को पेलोड प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य द्वारा दर्ज की गई। इसरो ने बताया कि सूर्य की सतह पर कोरोनाल मास इजेक्शन की घटना को पहले 15 दिसंबर 2023 को और फिर 10-11 फरवरी 2024 को पेलोड प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य द्वारा दर्ज की गई।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी का निधन



- कार्डियक अरेस्ट के बाद अस्पताल में गत थे
- पिछले साल मई में ब्रेन हुआ था हैमरेज

बदलाव सरोगेसी कानून के नियम में बदलाव

दंपति अब एग-स्पर्म में से कोई एक बाहर से ले पाएंगे

मुखंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी का शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार सुबह करीब तीन बजे मुखंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 86 साल के थे। उन्हें कार्डियक अरेस्ट के बाद यहां भर्ती कराया गया था। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री को बुधवार को पीडी हिंगुजा अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उन्होंने निजी चिकित्सा सुविधा में अंतिम सांस ली। इससे पहले अस्पताल ने गुरुवार को एक बयान में कहा था कि मनोहर जोशी (86) गंभीर रूप से बीमार थे।

प्रधानमंत्री ने बताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मनोहर जोशी के निधन पर दुःख जताया। उन्होंने कहा कि मनोहर जोशी के निधन से दुःख हुआ। वह एक अनुभवी नेता थे, जिन्होंने सार्वजनिक सेवा में वर्षों बिताए और नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं। सभी चार विधानमंडलों में सेवा करने का सम्मान मिला है। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं।

भारत-अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा



नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 11वीं द्विपक्षीय राजनयिक वार्ता की। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इसमें प्रत्यर्पण, छात्रों और पेशेवरों की आवाजगी, सुरक्षा और कानूनी प्रवासन, कमजोर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व अपने-अपने नागरिकों

की यात्रा को सुगम बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एमएई के संयुक्त सचिव केजे श्रीवास्तव ने किया जबकि अमेरिकी की वाणिज्य दूतावास मामलों की सहायक विदेश मंत्री रेना बिटर ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया।

पहले क्या था नियम

पहले सरोगेसी कानून में नियम था कि बच्चे के लिए एग सेल्स या स्पर्म (गेमेट्स) पति-पत्नी का ही होना चाहिए। 14 मार्च 2023 को संशोधन के बाद सुप्रीम कोर्ट में 20 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसम्बर 2023 में इन पर सुनवाई की थी। इसके बाद जनवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि केंद्र सरकार इस पर कोई फैसला क्यों नहीं ले पा रही है। इस नियम के खिलाफ भी मामला विचाराधीन है, जिसमें कहा गया है कि यह नियम भेदभावपूर्ण है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।



वाशिम जिले के कारंजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र पाटनी का निधन हो गया है। वह पश्चिम विदर्भ की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे थे। उनका आग्रह था कि सिंचाई की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए- एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र



तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	26.2	10.8
मुंबई	30.0	21.3
कोलकाता	28.0	22.5
चेन्नई	31.1	24.8

पेपर लीक मामले: प्रियंका गांधी का यूपी सरकार पर वार यूपी के एक-एक गांव में यह चर्चा हो रही है, सरकार सो रही है

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बाबा ने पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर यूपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें पेपर लीक मामले को लेकर युवा विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी के एक-एक गांव में यह चर्चा हो रही है। सरकार सो रही है। वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका गांधी ने लिखा, 'बस एक बार सोच कर देखिए- 50 लाख से अधिक युवाओं ने फॉर्म भरा। ये प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा थी। 400 रु का एक फॉर्म था। 48 लाख एडमिट कार्ड जारी हुए। और, परीक्षा के पहले पेपर लीक हो गया। क्या बीत रही होगी बच्चों पर उनके परिवारों पर ऐसा ही आरओ एजाम में हुआ। पेपर लीक हो गया।' उन्होंने आगे राज्य सरकार पर वार करते हुए लिखा, 'यूपी के एक-एक गांव में यह चर्चा हो रही है। सरकार सो रही है। लड़के-लड़कियां इलाहाबाद, मेरठ से लखनऊ तक चोख-पुकार-प्रदर्शन कर रहे हैं और री-एजाम की मांग कर रहे हैं। सरकार उन्हें अपमानित कर रही है, लाठियों से पिटा कर रही है।' प्रियंका गांधी ने सवालिया अंदाज में कहा, 'कौन करता है ये पेपर लीक, कैसे होता है ये पेपर लीक, चांद-मंगल



न पड़े।' इससे पहले भी प्रियंका गांधी ने पेपर लीक को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था, 'कई वर्षों के इंतजार के बाद संसद में पेपर लीक के खिलाफ कानून पास हुआ और उधर यूपी में समीक्षा अधिकारी की परीक्षा का पर्चा लीक हो गया। 2017 में दारोगा भर्ती से लेकर 2024 में समीक्षा अधिकारी तक - खबरों के अनुसार यूपी में लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का पर्चा लीक हुआ है। सरकार इसे रोकने के लिए क्या करने जा रही है? क्या यूपी में नये कानून के तहत निष्पक्ष कार्यवाही होगी या ये सिर्फ दिखावा साबित होगा? देश का युवा जिस विडंबना का शिकार है, उसकी 'क्रोनोलॉजी' समझिए- वर्षों तक भर्ती नहीं निकलती, निकली तो समय पर परीक्षा नहीं, परीक्षा हुई तो पेपर लीक, इसके बाद भी यदि सारी प्रक्रिया यूपी भी हो जाए तो नियुक्तियों में घोटाला हो जाता है और मामला कोर्ट में अटक जाता है। यूपी में हमने युवाओं के लिए विशेष 'भर्ती विधान' घोषणापत्र जारी किया था, जिसमें इन समस्याओं का समाधान पेश किया था। भाजपा सरकार अगर चाहती तो उन प्रावधानों को लागू करके युवाओं का भविष्य सुरक्षित कर सकती थी। पेपर लीक के खिलाफ कानून पास होने के बाद क्या यूपी के युवा न्याय की उम्मीद करें?'

पर जाने वाला हमारा देश एक फुलप्रूप परीक्षा नहीं करा सकता जहां एक युवा की मेहनत चोरी न हो, उसके भविष्य पर डाका

न पड़े।' इससे पहले भी प्रियंका गांधी ने पेपर लीक को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था, 'कई वर्षों के इंतजार के बाद संसद में पेपर लीक के खिलाफ कानून पास हुआ और उधर यूपी में समीक्षा अधिकारी की परीक्षा का पर्चा लीक हो गया। 2017 में दारोगा भर्ती से लेकर 2024 में समीक्षा अधिकारी तक - खबरों के अनुसार यूपी में लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का पर्चा लीक हुआ है। सरकार इसे रोकने के लिए क्या करने जा रही है? क्या यूपी में नये कानून के तहत निष्पक्ष कार्यवाही होगी या ये सिर्फ दिखावा साबित होगा? देश का युवा जिस विडंबना का शिकार है, उसकी 'क्रोनोलॉजी' समझिए- वर्षों तक भर्ती नहीं निकलती, निकली तो समय पर परीक्षा नहीं, परीक्षा हुई तो पेपर लीक, इसके बाद भी यदि सारी प्रक्रिया यूपी भी हो जाए तो नियुक्तियों में घोटाला हो जाता है और मामला कोर्ट में अटक जाता है। यूपी में हमने युवाओं के लिए विशेष 'भर्ती विधान' घोषणापत्र जारी किया था, जिसमें इन समस्याओं का समाधान पेश किया था। भाजपा सरकार अगर चाहती तो उन प्रावधानों को लागू करके युवाओं का भविष्य सुरक्षित कर सकती थी। पेपर लीक के खिलाफ कानून पास होने के बाद क्या यूपी के युवा न्याय की उम्मीद करें?'

बाहुबली सपा नेता विनय शंकर तिवारी पर कसा ईडी का शिकंजा एक हजार करोड़ से अधिक के बैंक लोन फर्जीवाड़े में ईडी का 3 राज्यों में सर्च ऑपरेशन

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। केन्द्रीय जांच एजेंसी ईडी ने शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए यूपी के बाहुबली और समाजवादी पार्टी नेता विनय शंकर तिवारी के गोरखपुर आवास सहित कई अन्य ठिकानों पर बड़ी छापेमारी की है। सच ऑपरेशन तीन राज्यों उत्तर प्रदेश के लखनऊ, गोरखपुर, हरियाणा के गुरुग्राम, गुजरात के अहमदाबाद में अंजाम दिया गया है। छापेमारी के दौरान तलाशी में महत्वपूर्ण सबूत हाथ लगे हैं। विनय शंकर तिवारी गोरखपुर के चर्चित बाहुबली नेता रहें हरिशंकर तिवारी के बेटे हैं, जिनका पिछले साल निधन हो गया था। बता दें कि विनय शंकर तिवारी पूर्वांचल की राजनीति में ब्राह्मण समाज के चर्चित बाहुबली नेताओं में गिने जाते हैं। समाजवादी पार्टी में आने से पहले वे बसपा में रह चुके हैं। पहले हरिशंकर तिवारी और बाद में विनय शंकर तिवारी गोरखपुर की चिट्ठापर विधानसभा सीट से विधायक रहें हैं, देर शाम तक तिवारी परिवार के हाता आवास समेत अन्य जगहों पर छापेमारी



■ शंकर तिवारी के गोरखपुर आवास सहित कई अन्य ठिकानों पर बड़ी छापेमारी की

■ छापेमारी के दौरान तलाशी में महत्वपूर्ण सबूत हाथ लगे

की कार्रवाई जारी थी। ईडी अफसरों ने बताया कि पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी पर सात बैंकों से करीब 1129 करोड़ के लोन लेने और फिर फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। तिवारी गंगोत्री इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी चलाते हैं, इसी कंपनी के लिए कुछ साल पहले सात बैंकों से करीब 1129 करोड़ रुपये का कर्ज लेने और बाद में उन्ही बैंकों के साथ फर्जीवाड़े करने का आरोप विनय शंकर तिवारी और उनकी कंपनी पर लगा था। इस मामले की गंभीरता को जालसाजी के मामले में 2020 में पहले सीबीआई की एंटी हुई बाद में यानी 2021 में ईडी ने बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से 750 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी समेत अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। उसी के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

जांच एजेंसी के सूत्र बताते हैं कि पिछले साल इसी मामले में ईडी की लखनऊ जोन टीम ने करीब 72 करोड़ से ज्यादा की 27 चल-अचल संपत्तियों को अटैच किया गया था। अटैच की गई संपत्ति लखनऊ, महाराजगंज और गोरखपुर में है। इनमें कृषि के लोन लेने और फिर फर्जीवाड़ा करने का है आरोप है। तिवारी गंगोत्री इंटरप्राइजेज नाम की

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगी प्रियंका



कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बाबा शनिवार को पहली बार पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, श्रीमती बाबा कल 24 फरवरी को श्री गांधी के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में शामिल होंगी और फिर अमरौहा, संभल, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, आगरा होते हुए फतेहपुर सीकरी तक उनके साथ रहेंगी। गौरतलब है श्री गांधी ने 14 जनवरी को मणिपुर से अपनी पूरब से पश्चिम की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की थी। उनकी यह यात्रा 15 राज्यों से होते हुए 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। यात्रा करीब 6500 किलोमीटर की होगी जो बस से पूरी की जाएगी। श्री गांधी ने इससे पहले सात सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी, जो जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर तक करीब 4000 किलोमीटर पैदल तय की गई थी।

सार संक्षेप

नरेंद्र नारायण यादव बिहार विधानसभा के निर्विरोध उपाध्यक्ष

पटना। जदयू के विधायक नरेंद्र नारायण यादव को शुक्रवार को बिहार विधानसभा का निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उपाध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य प्रत्याशी के नामांकन दर्ज नहीं किए जाने के कारण सर्वसम्मति से यादव को उपाध्यक्ष चुना गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन में इसकी घोषणा की। यादव के निर्वाचित होने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित विभिन्न दलों के विधायकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। नरेंद्र नारायण ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा अन्य सदस्यों का आभार प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि महेश्वर हजारी के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद यह पद खाली हो गया था। इस पद के लिए नरेंद्र नारायण ने गुज्वार को नामांकन दाखिल किया था।

महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक राजेंद्र पाटनी के निधन पर पीएम मोदी ने व्यक्त किया शोक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक राजेंद्र पाटनी का निधन हो गया, वह कारंजा (वाशिम) से पार्टी के विधायक थे। उनके निधन की खबर से महाराष्ट्र भाजपा के नेता शोक में नजर आ रहे हैं। राजेंद्र पाटनी के निधन पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस और सीएम एकनाथ शिंदे ने शोक जताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने भी पाटनी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने राजेंद्र पाटनी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक राजेंद्र पाटनी के निधन की खबर से दुख हुआ। वह कई सामुदायिक सेवा के कार्यों में सबसे आगे रहते थे और लोगों के लिए एक सशक्त आगज थे।

सड़क दुर्घटना में युवा विधायक की मौत पर केसीआर व केटीआर ने जताया दुख

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने पार्टी की युवा विधायक जी.लक्ष्मा नंदिता की सड़क दुर्घटना में मौत पर दुख व्यक्त किया है। सिकंदराबाद छावनी निर्वाचन क्षेत्र की 33 वर्षीय विधायक की उस समय मृत्यु हो गई, जब उनकी कार शुक्रवार सुबह हैदराबाद के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर रेलिंग से टकरा गई। केसीआर ने कहा कि वह कम उम्र में विधायक बने लक्ष्मा की दुखद मौत से स्वस्थ हैं।

13 मार्च के बाद हो सकता है लोकसभा चुनाव का ऐलान, 7 से 8 चरणों में होगा चुनाव

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चुनाव का ऐलान 13 मार्च के बाद किया जाएगा। इस बार 7 से 8 चरणों में चुनाव कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आयोग चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए देश भर के सभी राज्यों का दौरा कर रहा है। एक बार यह प्रक्रिया पूरी होते ही चुनाव तिथियों की घोषणा हो जाएगी। फिलहाल चुनाव आयोग की टीम तमिलनाडु दौरे पर है। इसके बाद वह उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगी। मिली जानकारी के मुताबिक आयोग की टीम 12-13 मार्च को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेगी। हालांकि पिछले कई महीनों से तैयारियों का आकलन करने के लिए सभी राज्यों के निर्वाचन अधिकारियों के साथ चुनाव आयोग लगातार बैठकें कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि



सीईओ ने समस्या वाले क्षेत्रों, ईवीएम की आवाजाही, सुरक्षा बलों की उनकी आवश्यकता, सीमाओं पर कड़ी निगरानी आदि को सूचीबद्ध किया है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने मई से पहले होने वाले लोकसभा चुनावों के स्वतंत्र व निष्पक्ष संचालन के लिए आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस तकनीक को तैनात करने का फैसला किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गलत सूचनाओं को चिन्हित करने और हटाने के लिए चुनाव आयोग के भीतर आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के लिए एक समर्पित प्रभाग बनाया गया है।

पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले मांडवी, 'धरती पर अमीर-गरीब दो ही जाति'

पटना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हिन्दुस्तानी आवाज मोर्चा (हम) के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांडवी ने शुक्रवार को कहा कि धरती पर सिर्फ दो ही जाति हैं, अमीर और गरीब। हम पार्टी गरीबों की बात करती है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों को प्रति महीना पांच हजार रुपए भता और गरीबों को 5 डिंसमिल जमीन देने का काम उनकी पार्टी की प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने संभावना जताते हुए कहा कि नयी सरकार आयी है और यह गरीबों के हित में काम करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ को मजबूत करने के लिए हम पार्टी तैयार हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश को अर्थव्यवस्था सुधरी है। एनडीए को मजबूत करने और नीतीश कुमार का साथ देने के लिए



अगले लोकसभा चुनाव में 40 और विधानसभा चुनाव 2025 में 200 सीट जीतने के लिए कार्यकर्ता सकल्प लें। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए बिहार के मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के संरक्षक पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांडवी के संदेश को समझें और गांव-गांव जाकर एनडीए के पक्ष में 40 सीट पर जीत दर्ज करने के लिए कसरत करें। डॉ. सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज गरीबों की आवाज बने हैं, ऐसे में हम पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता का नैतिक कर्तव्य बनता है कि पार्टी की नीति और सिद्धांत से लोगों को जागरूक करें और तीसरी बार केंद्र में एनडीए को सरकार बनाएं।

नीतीश कुमार, राबड़ी देवी समेत एमएलसी की 11 सीटों पर होगा चुनाव, आयोग ने जारी किया नोटिफिकेशन

पटना, 23 फरवरी (देशबन्धु)। बिहार विधान परिषद में निर्वाचित 11 सदस्यों का कार्यकाल मई के पहले सप्ताह में पूरा हो रहा है। विधान परिषद की रिक्त होनेवाली इन सीटों पर चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विधान परिषद के जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होनेवाला है उसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, भाजपा नेता संयद शाहनवाज हुसैन, जदयू नेता व पूर्व मंत्री संजय कुमार झा, कांग्रेस नेता प्रेमचंद्र मिश्रा, हम नेता संतोष कुमार सुमन, भाजपा नेता मंगल पांडेय, राजद नेता रामचंद्र पूर्ण, जदयू नेता खालिद अनवर व रामेश्वर महतो और भाजपा नेता संजय पासवान शामिल हैं।



यानी 12 मार्च नामांकन की जांच होगी। इसके दो दिन बाद 14 मार्च को नामांकन वापिस लिए जाएंगे और 21 मार्च को इसके लिए चुनाव की तारीख तय की गई है। इसी दिन देर शाम तक चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। मालूम हो कि, बिहार की राजनीति के नये समीकरण में विधानसभा की संख्या बल के आधार पर एनडीए के पांच उम्मीदवार का जीतना तय माना जा रहा है। छोटे सदस्य की जीत के लिए अतिरिक्त मत जुटाने होंगे। जानकारों के मुताबिक एक उम्मीदवार की जीत के लिए 22 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में एनडीए के पास भाजपा के 78, जदयू के 45 और हम के चार एवं एक निर्दलीय विधायक के वोट हैं। इनमें तीन सीटें भाजपा आसानी से जीत लेगी और जदयू की दो सीटें निकल आयेंगी। इनमें एक सीट पर मुख्यमंत्री का निर्वाचन होगा। दूसरी सीट पर जदयू के ही किसी दिग्गज को भेजा जायेगा।

'कांग्रेस के चार जनरेशन ने देश को लूटा'... सूद समेत चुकाना पड़ेगा': सम्राट चौधरी

पटना, 23 फरवरी (देशबन्धु)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पिछले दिनों राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की यात्रा पर हमला बोलते हुए कहा था कि देश में दो लुटेरे घूम रहे हैं। एक लुटेरे ने देश को लूटा और दूसरे ने बिहार को लुटेरे का काम किया। अब सम्राट चौधरी ने देश में भ्रष्टाचार के 2G, 3G और 4G मॉडल को बताया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि इस देश में दो जेनेरेशन वाले नेता और श्रीजी का मतलब है तीन जेनेरेशन वाले पॉलिटिशियन और फोरजी जो चार जेनेरेशन से देश को लुटते का काम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के युवराज चौधे जेनेरेशन हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और आज राहुल गांधी। चारों ने इस देश को लुटेने का काम किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि तीन जेनेरेशन से करुणानिधि के परिवार के लोग जो लगातार सनातन के खिलाफ बोलते आ रहे हैं। चाहे वे करुणानिधि हों, एमके स्टालिन हों या उनके पुत्र हों सनातन को गाली दे रहे हैं। इसके बाद बिहार, यूपी और बंगाल में जो दो जेनेरेशन के राजनेता हैं। बिहार में लालू ने लूटा उसके बाद तेजस्वी ने लूटा। बंगाल को ममता बनर्जी ने लूटा और अब उनका भतीजा भी लूट रहा है। उसी तरह से यूपी में मुलायम सिंह और अखिलेश यादव, ये सारे लोग देश में दो जेनेरेशन को बदनमा करने का काम कर रहे हैं।

फेमा मामला

दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी के खिलाफ महुआ मोइत्रा की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत उनके खिलाफ चल रही जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के तरीके को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की याचिका खारिज कर दी। वितीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद को बताया था कि उसने मीडिया में कोई जानकारी लीक नहीं की है, और उसे मीडिया के घरानों द्वारा प्रकाशित समाचार लेखों के स्रोतों के बारे में जानकारी नहीं है, और एजेंसी ने कोई प्रेस विज्ञापन जारी नहीं किया है। न्यायमूर्ति प्रसाद, जिन्होंने गुरुवार को अपना आदेश सुरक्षित रखा था, ने शुक्रवार को एक संक्षिप्त सुनवाई के बाद मोइत्रा की याचिका खारिज कर दी।

विस्तृत आदेश की प्रति की प्रतीक्षा है। ईडी ने 14 और 20 फरवरी को फेमा के तहत मोइत्रा को समन जारी किया था। पिछली सुनवाई के दौरान, मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील बवेका जॉन ने कहा था कि तृणमूल नेता को 'पहली बार 14 फरवरी 2024 को समन जारी कर बुलाया गया था। यह कलकत्ता के घर पर प्राप्त हुआ था, जो खाली है।' मोइत्रा याचिका में ईडी को मामले से संबंधित किसी भी 'गोपनीय या असत्यापित जानकारी' को मीडिया में प्रसारित करने से रोकने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई थी। उन्होंने 19 मीडिया संगठनों का नाम लेते हुए अदालत से उन्हें चल रही जांच के संबंध में किसी भी 'असत्यापित, अप्रुव, झूठी, अपमानजनक सामग्री' को प्रसारित या प्रकाशित करने से रोकने का आग्रह किया था।



संकट यह बर्फीली सुनामी भी हो सकती है: मौसम विभाग बर्फबारी से कहीं आफत और परेशानी, कहीं मौजां और खुशी

■ जम्मू, 23 फरवरी (देशबन्धु)। कश्मीर के बारामुल्ला का राशिद बर्फबारी के लिए हाथ उठा कर खुदा का शुक्रिया अदा करने से नहीं चूकता था। साथ ही वह यह भी दुआ कर रहा था कि भयानक बर्फबारी न हो और न ही हिम सुनामी तथा एवलांच हो क्योंकि प्रदेशभर में बर्फबारी से अगर कहीं मौजां और खुशी का माहौल था तो कहीं पर यह अब आफत और परेशानी का सबब भी बनने लगी थी।



उसकी चिंता अब 27 फरवरी से शुरू हो रहे बर्फबारी का दौर है जिसके प्रति मौसम विभाग कहता था कि यह बर्फीली सुनामी भी हो सकती है। कई सालों का रिकार्ड तोड़ने वाली सूखी और भयंकर सर्दी के दौर से गुजर रहे जम्मू कश्मीर के निवासियों के लिए बर्फबारी खुशी भी लाई है। खुशी का कारण सफेद चाहर से लिपटी वादी की ओर बढ़ते सैलानियों के कदम थे तो बर्फ के कारण इन गर्मियों में पानी और बिजली के संकट से नहीं जूझना पड़ेगा, यह

भोज को देख उसे यह आस जगने लगी थी कि यह आंकड़ा इस बार भी कोई नया रिकार्ड बना डालेगा। प्रदेश में बर्फबारी के कारण पहाड़ों पर हुई बर्फबारी इन गर्मियों के खुशहाल होने का संकेत भी देती थी। गर्मियों में पानी तथा कृषि के लिए पानी की कमी के साथ-साथ बिजली संकट से सामना नहीं होगा, बर्फबारी ने इसे सुनिश्चित जरूर कर दिया है। दरअसल प्रदेश की सभी पनबिजली परियोजनाएं बर्फबारी पर ही इसलिफ निर्भर हैं

वर्षोंके प्रदेश के दरियाओं में पानी बर्फ के पिघलने से ही आता है। पर यह बर्फबारी आफत और परेशानी का सबब भी बन चुकी थी। वर्ष 2018 में गुलमर्ग में हिमखलन के दौरान बीसियों सैनिकों की मौत की घटना के अतिरिक्त वर्ष 2005 तथा वर्ष 2008 में राज्य के कई हिस्सों में आए हिम सुनामी को याद से ही आम कश्मीरी सिंहर उठता है। हिम सुनामी की चेतावनी अभी भी दी जा रही है। वैसे दुर्गम स्थानों में रहने वालों के लिए यह किसी सुनामी से कम नहीं है कि

कैपिटल ज़ोन

सेंट जेम्स चर्च, क्लॉक टॉवर को फिर मिलेगा पुराना गौरव

एलजी ने शुक्रवार को किया अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा, दिया तत्काल पुनरुद्धार का आदेश

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। सेंट जेम्स चर्च के सामने कश्मीरी गेट पर ऐतिहासिक औपनिवेशिक युग के बाजार, अजमेरी गेट पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने प्रतिष्ठित कमला मार्केट और मध्यकालीन सदर बाजार, नया बाजार आदि के उद्वेगपूर्ण विकास के साथ ही नए क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को इन स्थलों का स्थानीय मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) के परामर्श से जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण, और नवीनीकरण करने का निर्देश दिया।



रहा है। उन्होंने दुकानों और पार्किंग के रास्ते पर रहे अतिक्रमण के मुद्दे को भी उठाया। साथ ही जर्जर होते-होते की तुरंत मरम्मत और उसके जीर्णोद्धार करने का आदेश दिया। साथ ही योजना बनाकर पार्किंग समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया।

बलेगो स्वरूप

कमला मार्केट का डिजाइन गोल मार्केट और कनाट प्लेस की तर्ज पर किया गया था। इसका उद्घाटन देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। मौजूदा समय में यहां गंदगी, झुलते बिजली के तार, टूटी दीवारें, अनाधिकृत रूप से मार्केट की छत पर बनाए स्टोरेज, खुले में पेशाब करने सहित अन्य है। मार्केट के ऊपर बना क्लॉक टावर धूल और गंदगी से पटा हुआ था और काम नहीं कर रहा था। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा, इसके उद्घाटन की स्मृति में लगी संगमरमर की पट्टिका भी टूटी हुई थी। उपराज्यपाल ने तत्काल यहां सफाई और इसके जीर्णोद्धार के निर्देश दिए। श्रद्धांजलि मार्ग, जो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक और फिर आगे तीस हजारी की ओर जाता है और जिसके बीच में खारी बावली, सदर बाजार और नया बाजार सहित अन्य वाणिज्यिक केंद्र आते हैं।

उपराज्यपाल ने बजट सत्र में सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने अगस्त 2023 से वित्त मंत्री आतिशी के पास लिखित भारत के निर्यंत्रक एवं महालेखापरीक्षक सीएजी की पांच रिपोर्ट के संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। सक्सेना ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे वित्त मंत्री को राज्य के वित्तीय लेखे-जोखे से संबंधित महत्वपूर्ण रिपोर्ट को शीघ्रता से निपटाने की सलाह दें ताकि उन्हें दिल्ली विधानसभा के जारी बजट सत्र में पेश किया जा सके। उपराज्यपाल ने पत्र में लिखा कि सीएजी रिपोर्ट सरकार के प्रदर्शन का संवैधानिक रूप से अनिवार्य स्वतंत्र और निष्पक्ष मूल्यांकन है तथा कई मामलों में यह सरकार के वित्तीय प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक मार्गदर्शन दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का यह दायित्व है कि वह सदन के माध्यम से अपने प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ विवरण लोगों के साथ साझा करे, जिससे राजस्व और खर्च का लेखा-जोखा पता चलता है। पत्र में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 48 और संविधान के अनुच्छेद 151 का हवाला दिया गया। इस अधिनियम में रिपोर्ट को उपराज्यपाल के माध्यम से विधानसभा के समक्ष पेश करने का प्रावधान है। पत्र में कहा गया है कि चूंकि विधानसभा का बजट सत्र जारी है, इसलिए मुख्यमंत्री वित्त मंत्री को इन महत्वपूर्ण रिपोर्टों को शीघ्रता से निपटाने करने की सलाह दें ताकि इसे सदन के समक्ष रखा जा सके।

इसकी खस्ता हालत को देखते हुए से गुजरते हुए, उपराज्यपाल ने गंदगी, सड़कों को खराब हालत, फुटपाथों का अतिक्रमण और यातायात कुप्रबंधन को भी देखा। एलजी ने संबंधित एजेंसियों से इलाके की तुरंत सफाई-सफाई शुरू करने और यहां के दुकानदारों से परामर्श कर, पूरे हिस्से में भीड़ कम करने और नया स्वरूप देने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आप को झटका, कई नेता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली में आगामी लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधुड़ी की उपस्थिति में शुक्रवार को शाहदरा विधानसभा से आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हो गए। जानकारी के अनुसार, जिन नेताओं ने बीजेपी का दामन थामा है उनमें आदमी पार्टी के सतीश लूथरा, अभिषेक बिसारिया, दीपक लूथरा, ताविस अरोड़ा, योगेश दुआ, आचार्य विनय जोशी, नासीर खान एवं सलीम अली खान सहित सैकड़ों नेता व कार्यकर्ता शामिल हैं। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने पटका पहनाकर सभी लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। सचदेवा ने कहा कि आज दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उजगर होते भ्रष्टाचार से आप के कार्यकर्ता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। जिन वायदों और ईमानदार राजनीतिक के कारण वे केजरीवाल के साथ आए, आज उन सबको केजरीवाल ने धोखा दिया। सचदेवा ने कहा कि



भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

शामिल हो रहे हैं। आगे सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचार में डूबी आम आदमी पार्टी का सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेंकेगा। वहीं, बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधुड़ी ने कहा कि आज केजरीवाल की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन घट रही है, क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकर्ता में लगातार घोटाले किए हैं। आज हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से भी उनके मंत्री एवं सांसद को जमानत नहीं मिल रही है। खुद केजरीवाल के ऊपर इस वक्त 12 भ्रष्टाचार के आरोप हैं। बिधुड़ी ने कहा कि दिल्ली में आज भी लोग बड़े हुए पानी के बिल से परेशान हैं। केजरीवाल सरकार ने विधानसभा के अंदर खुद इस बात को स्वीकार किया है।

सार संक्षेप

सेंचुरी मेट्रोसेस ने क्यू-जेल मेट्रोस की नई रेंज लॉन्च की

नई दिल्ली। भारत के स्लीप स्पेशलिस्ट सेंचुरी मेट्रोसेस ने क्यू-जेल मेट्रोस रेंज को पेश किया है। यह रेंज कंपनी के पोर्टफोलियो में एक कूलस्टेड संकलन है। क्यू-जेल मेट्रोस में अभिनव क्यूसेंस टेक्नोलॉजी दी गई है जोकि सोने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करेगी। यूजर्स के आराम को एक नए लेवल पर पहुंचाने के लिए लगातार विकसित हो रही मेट्रोस कंपनी ने क्यूसेंस की नई तकनीक का फायदा उठाया है। यह गढ़े विस्कोस फेब्रिक कवर और यूरो टॉप फिनिश के साथ काफी बारीकी से तैयार किए गए हैं, जो लोगों को शानदार अनुभव और ज्यादा आराम देते हैं। क्यू-जेल कोपर क्रिस्टल मेमोरी फोम और क्यूसेंस टेक्नोलॉजी से बने गए यह गढ़े यूजर्स को शानदार नींद देने के लिए गर्मी का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करते हैं। एगो सॉफ्ट ट्रांजिशन फोम और सैट्रिक प्रो रेस्पॉन्सिव कॉन्टूर फोम के साथ डिजाइन किए ये गढ़े शरीर को असाधारण सपोर्ट देते हैं। इन गढ़ों पर सोने से यूजर्स के शरीर में हवा का नियमित प्रवाह सुनिश्चित होता है।

रमजान-उल-मुबारक इन्तेजागिया कमेटी की मांग रमजान के पवित्र महीने में जन सुविधाओं के किए जाएं विशेष प्रबन्ध

नई दिल्ली। दिल्ली की रमजान-उल-मुबारक इन्तेजागिया कमेटी ने रमजान मुबारक के पवित्र महीने के दौरान दिल्ली में जन सुविधाओं का विशेष प्रबन्ध कराने की मांग की है। रमजान-उल-मुबारक इन्तेजागिया कमेटी के अध्यक्ष शमीम अहमद खान ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं मुख्य सचिव नरेश कुमार को अलग अलग पत्र लिखकर 11 मार्च 2024 से शुरू हो रहे पवित्र रमजान मुबारक के महीने में दिल्ली में विशेषकर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में बिजली पानी तथा सफाई का विशेष प्रबन्ध कराने की मांग की है। शमीम अहमद खान के द्वारा उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं मुख्य सचिव नरेश कुमार को भेजे गए पत्रों में रमजान मुबारक के पवित्र महीने में रोजेदारों के लिए ताजे फल सब्जियां दूध व अन्य खाद्य सामग्री उचित मूल्य पर सरकारी गाड़ियों के द्वारा उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया गया है ताकि रोजेदारों को रमजान मुबारक के दिनों में किसी भी प्रकार की कोई भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

आईआईटी दिल्ली में आत्महत्या से चिंतित छात्र, निदेशक से की मुलाकात

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसिया)। आईआईटी दिल्ली में आत्महत्याओं की घटनाओं पर छात्र समुदाय ने चिंता जताई है। यहां हो रही आत्महत्याओं की घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से छात्रों ने आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी से मुलाकात की। शुरूआत को हुई मुलाकात के दौरान छात्रों को मानसिक रूप से सशक्त बनाने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देने की मांग की गई।

अभाविक के प्रतिनिधिमंडल ने छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए आईआईटी से कुछ सुझावों पर काम करने की मांग की है। आईआईटी से मांग की गई है कि नियमित ऐसी संगोष्ठी का आयोजन हो, जिसमें छात्रों के साथ शैक्षिक और गैर-शैक्षिक मुद्दों पर परस्पर बातचीत हो पाए। शिक्षक अपने प्रत्येक छात्र के पाठ्यक्रम और उसकी व्यक्तिगत समस्याओं की पहचान कर उसके निवारण की दिशा में कार्य करें। मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियों या व्यक्तिगत समस्याओं से जूझ रहे छात्रों के लिए संस्थान ऐसे साधन उपलब्ध कराए

जो उनकी स्थिति को ठीक करने में सहायक हो। अभाविक की शिवांगी खरवाल ने कहा कि 15 फरवरी को हुई बरद संजय नेरकर की आत्महत्या ने पूरे छात्र समुदाय को गहरे शोक और दुख में डाल दिया है। इस प्रकार की चिंताजनक घटनाओं का लगातार होना माता-पिता और छात्रों के विश्वास को कमजोर कर रहा है, हमारे प्रमुख संस्थान की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। छात्रों का मानना है कि ऐसी आत्महत्या की घटनाएं पूरे देश के छात्र समुदाय को एक नकारात्मक संदेश दे रही है। इन गंभीर परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए, संस्थान शीघ्र ही निर्णयकारी कदम उठाएँ और आगे ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं न हो, इस दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

अभाविक दिल्ली प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान में इस प्रकार की बढ़ती हुई घटनाएं दुःख एवं चिंताजनक हैं। हमें परिसर में नानामुक्त और आनंदमय वातावरण बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है।

दिल्ली विधानसभा परिसर में आप विधायकों ने जलाई पानी के बिल की प्रति, कहा- एलजी को क्या परेशानी है?

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्लीवासियों के बड़े हुए पानी के बिलों को लेकर विधानसभा में हंगामा जारी है। शुक्रवार को तीसरी बार आम आदमी पार्टी के विधायकों ने बजट सत्र के दौरान पानी के बिलों को लेकर हंगामा किया और सदन की कार्यवाही बाधित की। हंगामे के चलते शुक्रवार को भी उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अधिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

विधानसभा में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू के एक घंटे सामान्य रूप से चली। इसके बाद आम आदमी पार्टी के विधायक महेंद्र गोयल ने पानी के बिल को लेकर अपने क्षेत्र की समस्याएं बताईं। गोयल ने कहा,

‘आज वह सदन देरी से आए, क्योंकि अपने क्षेत्र में वह लोगों से हालांकि, विधायक विधानसभा परिसर में आए और महात्मा गांधी

■ उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अधिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी

फिरे हुए थे। तबकीवन डेढ़ सी लोग उनके दफ्तर आए और बकाया बिल माफ करने की मांग कर रहे थे। उन्होंने लोगों को समझाने की भी कोशिश की, जिस पर लोगों ने बिल को फाड़कर आग लगा दिया। आम लोग पानी के बकाया बिल को लेकर काफी परेशान हैं।’

इसके बाद सदन में मौजूद अन्य अन्य विधायक भी उनके समर्थन में खड़े हो गए और उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली सरकार की वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को हरी झंडी देने की मांग करने लगे। हंगामा इतना बढ़ गया कि विधानसभा अध्यक्ष ने सदन को कार्यवाही स्थगित कर दी।

विधायक अजय दत्त ने कहा कि उनके क्षेत्र में भी योजना सैकड़ों लोग इस समस्या को लेकर के आ रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री समाधान निकालने को तैयार हैं तो एलजी को क्या परेशानी है। उसके बाद विधायक विधानसभा परिसर में आए और महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे खड़े होकर वहां प्रदर्शन करने लगे। अपने साथ लाए हुए लोगों के पानी के बिल की प्रति को उन्होंने आग लगा दी और उपराज्यपाल से मांग करने लगे कि वह सरकार को इस स्कीम को तुरंत लागू करने का अधिकारियों को निर्देश दें। बता दें कि पानी के बड़े बिलों के मुद्दे को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने निवास पर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसमें कांग्रेस के नेता शामिल हुए थे, जबकि भाजपा ने इसका बहिष्कार किया था।

भाजपा केजरीवाल को गिरफ्तार करा ले, तो भी कांग्रेस के साथ होगा गठबंधन : आप

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी भले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करा ले लेकिन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन होकर रहेगा। आप के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. संदीप पाठक, वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि भले ही भाजपा केजरीवाल को गिरफ्तार कर ले लेकिन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन होकर रहेगा। श्री पाठक ने कहा कि भाजपा को शुरू से ही यह विश्वास था कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होने वाला है और ये लोग इस बात से बहुत खुश थे कि इनका गठबंधन नहीं होने जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में गठबंधन को लेकर चर्चा बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ी है और



आम आदमी पार्टी

लगभग गठबंधन अपने अंतिम प्रारूप में पहुंच गई है। यह सुनते ही भाजपा को सदमा लग गया है, उनकी सारी खिशियां काफूर हो गई हैं। पिछले दो साल से श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने तैयारी चल रही थी। इस नई राजनीतिक परिस्थिति में अब केंद्रीय जांच ब्यूरो के माध्यम से श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं।

श्री पाठक ने कहा कि ये लोग जिस दिन केजरीवाल को गिरफ्तार करेंगे, पूरे देश में सुनामी आ जाएगी। सारे अच्छे लोग सड़क पर आ जाएंगे और इनके सारे राजनीतिक आंकलन उल्टे पड़ने वाले हैं। जब हम आज तक नहीं डरे तो

आगे भी डरने वाले नहीं हैं। हम देश के लिए गठबंधन में जा रहे हैं। हम गठबंधन में अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं जा रहे हैं। इस दौरान श्री भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच यह सहमति बन गई है कि कौन सी पार्टी किस राज्य में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, हालांकि इसकी उम्मीद मीडिया नहीं लगा रहा था। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय अमित शाह अपने एक साक्षात्कार में कह चुके थे कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब प्रश्न उठ रहा है कि ऐसा क्या हुआ है, जो केंद्र सरकार के अंदर इतनी जल्दबाजी दिखाई जा रही है कि अब प्रवर्तन निदेशाय एंडी को छोड़ो। इंडी का मामला तो कोर्ट में फंस गया है इसलिए अब सीबीआई से श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

वकीलों के दाव-पेंच से केजरीवाल कुछ महीने सजा टाल सकते हैं पर दिल्ली की जनता वोटिंग के दिन उन्हें कड़ी सजा देगी: वीरेंद्र

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि केंद्र सरकार गठबंधन के बाद हमें डराने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इंडिया एलायंस से घबरा गई है। वहीं दिल्ली बीजेपी ने इन आरोपों पर पलटवार किया है। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी के नेताओं सौरभ भारद्वाज, आतिशी एवं संदीप पाठक के चेहरे पर राजनीतिक निराशा, हताशा और भ्रष्टाचार की सजा का भय साफ नजर आ रहा था।

उन्होंने कहा, आप नेताओं का कहना है कि वे कांग्रेस से गठबंधन कर रहे हैं इसलिए



भाजपा सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करवाना चाहती है। पर वह यह भूल रहे हैं कि जिस कांग्रेस से आज वे गठबंधन करने जा रहे हैं उसी कांग्रेस के नेता अजय माकन ने उपराज्यपाल को शराब घोटाले पर सबसे पहली लिखित शिकायत साँपी थी। आप नेता जान रहे हैं कि लोगों ने 2014 लोकसभा में दिल्ली की 7 सीटों पर पीएम मोदी के नाम पर

भाजपा को 51 प्रतिशत वोट दिया तो 2019 में 59 प्रतिशत वोट देकर उन्हें दोबारा प्रधान मंत्री बनाया। 2024 के लिए भी दिल्ली वाले मोदी जी को 70 प्रतिशत से अधिक वोट देने का मन बना चुके हैं। अब कांग्रेस एवं 'आप' एक साथ लड़ें या अलग-अलग जनता ने सिर से नकारेगी।

अरविंद केजरीवाल जानते हैं कि गठबंधन पिटा हुआ है। वह कल शाम से अपने लिए सहानुभूति का वातावरण बनाने के लिए अपनी गिरफ्तारी की सम्भावनाओं को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल को अपने भ्रष्टाचार की सजा जरूर मिलेगी।

उत्तर रेलवे		75
खुली ई-निविदा सूचना		आयुक्त, उत्तर रेलवे
मुख्य इंजीनियर/टीएमसी, उत्तर रेलवे, बडौदा हाउस, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से द्वारा मुहूर्तवद निम्नलिखित कार्य हेतु दो पैकेट खुली ई निविदा आमंत्रित की जाती है।		
1	कार्य का विवरण और स्थान: सेवा प्रदाता की अपनी मशीनों के द्वारा (अपने स्वयं के स्पेयर, उपभोग सामग्री, स्वयं के कर्मचारियों से संचालन व रख-रखाव के साथ) उत्तर रेलवे के सभी बिजली मांगों पर सभी प्रकार के मुख्य लाईन ट्रेक नवीनीकरण की सेवा प्रदान करना।	
2	निविदा संख्या	NRHQ-01A/TRT-OUTS-24 DUE ON 10.04.2024
3	कार्य समाप्ति की अवधि	180 महीने (12 महीने x 15 वर्ष)
4	अनुमानित लागत	रुपये - 4582898929.96
5	धरोहर राशि (ऑनलाईन जमा)	रुपये - 10000000.00
6	निविदा पत्र का मूल्य	शून्य
7	निविदा जमा करने व खुलने की तिथि एवं समय	निविदा प्रपत्र दिनांक 27.02.2024 से दिनांक 10.04.2024 सायंकाल 15:00 बजे तक रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकार अपनी निविदा को 27.03.2024 से 10.04.2024 समय: 14.59 बजे तक रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदा 10.04.2024 को अपरान्ह 15:00 बजे के बाद खुलेंगी।
8	निविदा सूचना व निविदा पत्र का पूर्ण विवरण	इस निविदा की सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र निविदा के लिए IREPS (www.ireps.gov.in) पर दिनांक 27.03.2024 से दिनांक 10.04.2024 अपरान्ह 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। निविदा से संबंधित सभी नियम व शर्त निविदा प्रपत्र में दी गयी है। निविदा सूचना का विवरण इस कार्यालय के सूचना पटल पर भी देख सकते हैं।
पत्र संख्या-219/एस/1(टीएमसी)/निविदा-सूचना/02/2023-24 दिनांक: 23.02.2024 601/2024		
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ		

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण							
प्रथम तल, कॉम्प्लेक्स कॉम्प्लेक्स, ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नोएडा							
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com							
पत्रांक: वाई.ई.ए./ग्लेख/651/2024 दिनांक: 23.02.2024							
सार्वजनिक सूचना							
निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपनी सहमति के आधार पर काश्टकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है:-							
ग्राम चकजलालाबाद के सैक्टर 22ई के 120 मीटर चौड़ी सड़क के अन्तर्गत							
क्रम सं०	सैक्टर/ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	खसरे का कुल क्षेत्रफल (हे० म०)	खातेदार का नाम व पता	तहसील से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर काश्टकार का हिस्सा	काश्टकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे० म०)
1.	22ई चकजलालाबाद	77	19	0.3420	मनोज पुत्र लेखराज, नि० ग्राम सौनीजा तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	में से	0.0270
2.	22ई चकजलालाबाद	66	33	1.6150	रामजीलाल पुत्र रामफल नि० ग्राम चकजलालाबाद तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	में से	0.2011
3.	22ई चकजलालाबाद	66	33	1.6150	बबली पुत्र पूरन सिंह नि० ग्राम चकजलालाबाद तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	में से	0.1849
4.	22ई चकजलालाबाद	66	33	1.6150	गौरव पुत्र पूरन सिंह नि० ग्राम चकजलालाबाद तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	में से	0.1848
5.	22ई चकजलालाबाद	66	33	1.6150	नागेन्द्र सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी 167, शास्तिनगर शूड बुलन्दशहर।	में से	0.1686
6.	22ई चकजलालाबाद	56	84म	0.5060	मेहराज व मेवा सिंह पुत्रग्राम बलवन्त निवासी ग्राम चकजलालाबाद तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.5060
7.	22ई चकजलालाबाद	82	79म	0.6320	श्रीमती सीमा पत्नी लोकेश कुमार निवासी मौहल्ला कुशरान कब्जा तहसील सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	सम्पूर्ण	0.6320
8.	22ई चकजलालाबाद	58	37	1.0670	भारत पाल पुत्र जसवन्त व सौरभ कुमार पुत्र राजकुमार व कु० बोबी ना०बा० आयु 16 वर्ष व कु० विशाखा ना०बा० आयु 13 वर्ष पुत्रीग्राम राजकुमार सं० मुनीदेवी व मुनीदेवी पत्नी राजकुमार नि० ग्राम सौनीजा तहसील जेवर, गौतमबुद्धनगर।	1/3 भाग	0.3557

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण।

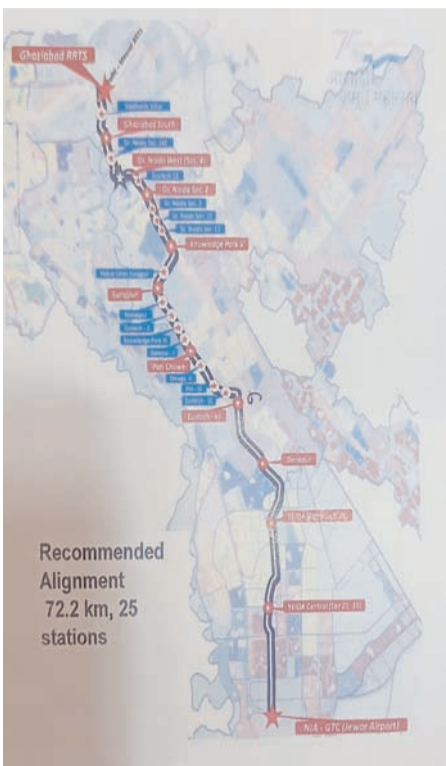


भारत की 7.9 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी और वित्त वर्ष 2024 में 2.12 लाख को रिकॉर्ड प्रति व्यक्ति आय के आलोक में देश बड़े पैमाने पर पर्यटन सेक्टर के विस्तार के लिए तैयार है। पिछले साल आने वाले पर्यटकों की संख्या 9 मिलियन तक पहुंचने और इस साल 12 मिलियन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ पर्यटन क्षेत्र को बेहतर परिणाम मिलने का अनुमान है।
योगेश मुद्रास, इन्फार्मा मार्केट्स-इंडिया प्रबंध निदेशक

कैपिटल जोन

नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट तक 45 मिनट में तय होगा सफर

ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली इंदिरा गांधी एयरपोर्ट तक का सफर रैपिड रेल से 45 मिनट में तय होगा। नोएडा एयरपोर्ट को गाजियाबाद रैपिड रेल (नमी भारत) से जोड़ा जाएगा। गाजियाबाद सिद्धार्थ विहार रैपिड रेल स्टेशन से नोएडा एयरपोर्ट तक 72.2 किमी एलिवेटेड ट्रेक का निर्माण किया जाएगा। इस ट्रेक पर रैपिड रेल और मेट्रो दोनों चलेगी। इस रूट को प्रदेश सरकार की तरफ से अंतिम रूप दिया जा चुका है। एनसीआरटीसी रैपिड रेल का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रही है। 72.2 किमी लंबे ट्रेक पर कुल 25 स्टेशन होंगे। जिसमें 12 स्टेशन रैपिड रेल के लिए होंगे। रैपिड रेल 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी। एनसीआरटीसी के साथ यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में बैठक हुई। जिसमें एनसीआरटीसी की तरफ से रैपिड रेल के विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को लेकर प्रजेंटेशन दिया। एनसीआरटीसी 4 अप्रैल को डीपीआर प्राधिकरण को सौंप देगा।



पिछले दिनों लखनऊ में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी दिल्ली समेत अन्य शहरों से बेहतर करने के लिए बैठक हुई थी। सरकार ने गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक रैपिड रेल रूट फाइनल किया था। इस रूट की फिजबिलिटी रिपोर्ट एनसीआरटीसी पहले ही बना चुका है। रैपिड रेल का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट एनसीआरटीसी तैयार कर रहा है। रिपोर्ट तैयार करने पर करीब 6 करोड़ रूपए हो रहा, जिसका भुगतान यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण कर चुका है। चार अप्रैल को एनसीआर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तक प्रदेश सरकार को सौंप देगा। नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट से सीधे जोड़ने के लिए इस ट्रेक पर रैपिड रेल के साथ मेट्रो भी चलाया जाएगा। मेट्रो और रैपिड रेल का गेज भी एक होगा। एक ही ट्रेक पर रैपिड रेल और मेट्रो चलने से ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे शहर के सभी सेक्टर भी जुड़ जाएंगे। 72.2 किमी ट्रेक पर कुल 25 स्टेशन होंगे। जिसमें 12 स्टेशन रैपिड रेल के लिए

रैपिड रेल के प्रस्तावित स्टेशन

- >> सिद्धार्थ विहार
- >> गाजियाबाद
- >> ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सेक्टर-6
- >> ग्रेटर नोएडा वेस्ट चार मूर्ति चौक
- >> इकोटेक-दो
- >> ग्रेटर नोएडा सेक्टर-दो
- >> ग्रेटर नोएडा सेक्टर-तीन
- >> ग्रेटर नोएडा सेक्टर-10
- >> ग्रेटर नोएडा सेक्टर-12
- >> नॉलेज पार्क पांच ग्रेटर नोएडा
- >> पुलिस लाइन सूरजपुर
- >> सूरजपुर
- >> मलकपुर
- >> इकोटेक-दो
- >> नॉलेज पार्क-एक
- >> सेक्टर गामा-एक
- >> परी चौक
- >> ओमगा-दो
- >> सेक्टर पाई-दो
- >> इकोटेक-आईई
- >> इकोटेक-छह
- >> दनकोर
- >> यमुना शहर सेक्टर-18
- >> यमुना शहर सेक्टर 21 व 35
- >> नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट।

- नोएडा एयरपोर्ट से गाजियाबाद सिद्धार्थ विहार तक एक ही ट्रेक पर चलेगी रैपिड रेल और मेट्रो
- एक ही चरण में होगा गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक रैपिड रेल ट्रेक का निर्माण

एयरपोर्ट से ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट होकर गाजियाबाद तक ट्रेक का निर्माण किया जाएगा।

ट्रेक निर्माण का मिट्टी की जांच पूरी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर को रैपिड रेल से जोड़ने के लिए सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के साथ मिट्टी की जांच गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक 38 स्थानों पर मिट्टी की जांच पूरी हो चुकी है। स्टेशनों का लेआउट, ट्रेक के निर्माण का काम चल रहा है। इसके ट्रेक पर रैपिड रेल और मेट्रो चलाई जा सकेगी। 28 फरवरी को एनसीआरटीसी और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी प्रस्तावित स्टेशनों का सर्वे करेंगे। गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन से ग्रेटर

नोएडा वेस्ट और परी चौक के माध्यम से नोएडा एयरपोर्ट तक रैपिड रेलमार्ग को मंजूरी दे दी गई है। परी चौक पर एक्वा लाइन के साथ रैपिड रेल आकर मिलेगी।

एक चरण में होगा गाजियाबाद से नोएडा तक रैपिड रेल का निर्माण

गाजियाबाद से नोएडा तक रैपिड रेल और मेट्रो ट्रेक का निर्माण एक ही चरण में किया जाएगा। 2030 तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बुधवार को यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के समक्ष अब तक हुए कार्यों का प्रजेंटेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि डीपीआर बनाने के लिए सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा मिट्टी की जांच पूरी हो चुकी है। मिट्टी जांच रिपोर्ट के आधार पर स्टेशन, पिपर आदि के स्थान तय किए जा सकेंगे। इसी आधार पर स्टेशन के लेआउट तय किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रेक का निर्धारण किया जा रहा है। इसके ट्रेक पर मेट्रो चलाई जा सकेगी।

एसएटीटीई में दूसरे दिन दिखी खरीदारों और प्रदर्शकों की अच्छी भागीदारी



ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। इन्फार्मा मार्केट्स इन इंडिया (आईएमआई) द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया का प्रमुख ट्रेवल शो साटे, इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहा है। दूसरे दिन एसएटीटीई अवाइर्स का आयोजन किया गया जो राष्ट्रीय और राज्य पर्यटन बोर्डों के साथ-साथ यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के स्टेक होल्डरों को मान्यता देने के लिए एक अनूठी पहल है। पुरस्कारों के एक भाग में 'शक्ति-ऑनरिंग वीमेन अचोवर्स' शामिल था जो इस सेक्टर में महिला उद्यमियों, कारोबारियों और कॉर्पोरेट पेशेवरों के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अपने सभी कार्यों के जरिए इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम मंच प्रदान करता है। इन्फार्मा मार्केट्स-इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने कहा कि भारत की 7.9 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी और वित्त वर्ष 2024 में 2.12 लाख को रिकॉर्ड प्रति व्यक्ति आय के आलोक में देश बड़े पैमाने पर पर्यटन सेक्टर के विस्तार के लिए तैयार है। पिछले साल आने वाले पर्यटकों की संख्या 9 मिलियन तक पहुंचने और इस साल 12 मिलियन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ पर्यटन क्षेत्र को बेहतर परिणाम मिलने का अनुमान है।

देश धार्मिक पर्यटन में बढ़त के साथ इस सेक्टर की सालाना ग्रोथ 16 फीसदी से ज्यादा रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि 2028 तक इस सेक्टर का रेवेन्यू 59 बिलियन हो सकता है। साथ 2030 तक इस सेक्टर में 140 मिलियन अस्थायी और स्थायी नौकरियां पैदा होने संभावना है। उन्होंने कहा कि 2028 तक, अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन 30.5 बिलियन तक पहुंचने और 59 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। महामारी के बाद धरेलू पर्यटकों से विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर 2023 में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) 8,11,411 था।

कारोबारियों के विशेष योगदान के लिए अवार्ड देकर किया गया सम्मानित

आवंटी ने बिल्डर के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। बिस्वर कोतवाली क्षेत्र में विकसित किए जा रहे एक प्रोजेक्ट में आवंटी को बुकिंग करने के नौ साल बाद भी फ्लैट नहीं मिला है। बिल्डर ने आवंटित की गई यूनिट को किसी और को दे दिया। न फ्लैट और न पैसा वापस मिलने पर पीड़ित ने बिल्डर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नोएडा के सेक्टर-63 में रहने वाले राजीव सिंह ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि सन 2015 में दिल्ली के रहने वाले

बिल्डर ने आवंटी का फ्लैट दूसरे के नाम कर दिया था आवंटित

इकबाल के माध्यम से उनकी मुलाकात नोएडा के सेक्टर-18 स्थित होटल रेडिसन में डीपीएल बिल्डर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कमल दत्ता से कराई थी। कमल दत्ता ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में डीपीएल फ्लोर प्रोजेक्ट के लिए जिम्मेदार किया। इसके बाद 1292 स्क्वायर फीट के फ्लैट के लिए उन्होंने 25 लाख रूपए का भुगतान किया। यह फ्लैट बिल्डर को सन् 2018 में बना कर देना था। इस बीच कमल दत्ता ने पूरे प्रोजेक्ट को एक दूसरे डेवलपर्स को बेच दिया। जब उन्होंने अपने बुक कराए फ्लैट के संबंध में कमल दत्ता से चिंता जाहिर की तो कहा गया कि वह चिंता न करें, उन्हें उनका फ्लैट मिल जाएगा। सन् 2019 से 2020 के बीच लगातार चक्कर काटने पर उन्हें फ्लैट नहीं मिला, बल्कि पता चला कि उनका फ्लैट किसी और को आवंटित कर दिया गया है। कमल दत्ता ने कोविड का हवाला देते हुए कुछ दिन इंतजार करने को कहा। इस बीच वक्त निकलता गया। अब सभी ने इस मामले में फ्ल्ला झाड़ रहे हैं। ठीक से बात भी नहीं करते और धमकाते हैं। राजीव सिंह की तहरीर पर पुलिस ने डीपीएल बिल्डर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कमल दत्ता, कारन दत्ता और अध्यक्ष दीक्षा नरला के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया है।

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाया जाएगा अभियान : जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाने एवं युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक करने को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नार्का कोर्डिनेशन मैनजमेंट के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन सामान्य एवं छात्रों को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराए जाने के लिए समस्त विभागों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और जिले को नशे के अवैध कारोबार से पूर्णतः मुक्त करने के लिए अधिकारीगण वृहद स्तर पर अभियान चलाकर प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक बनाया जा सके और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि पिछली



नार्का कोर्डिनेशन मैनजमेंट के तहत गठित जिला स्तरीय समिति के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

बार हुई बैठक के बाद क्या कार्यवाही हुई और उसके आधार पर सूचना तंत्र को और विकसित कर निरंतर परिवर्तन कार्यवाही एक अभियान चलाकर की जाए। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चन्द, जिला औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर, डीसीआईओ राजीव सिंह, डिप्टी सीएसओ डॉ. चंदन सोनी, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से डॉक्टर श्वेता सिंह, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्पिक मैके कार्यक्रम में मोहिनी अट्टम नृत्य से दर्शकों को किया मुग्ध

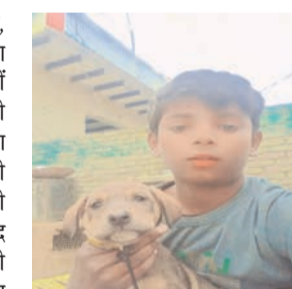
ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए एक मनमोहक स्पिक मैके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध मोहिनीअट्टम डॉ. रेखा राजू, प्रतिभाशाली संगीतकारों जी.आर नवीन, प्रवीण और डॉ. विनोथ ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की शुरुआत स्वागत भाषण के बाद दीप प्रज्वलन करके डॉ. रेखा राजू के प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे यह एक शानदार सांस्कृतिक शाम बन गई। इस दौरान कलाकारों ने अपने कौशल को सर्वश्रेष्ठ रूप से प्रस्तुत किया और भारतीय पारंपरिक और शास्त्रीय कला रूपों को व्यापक तरीके से पेश किया। स्कूल की प्रधानाचार्या का



कहना है कि मनमोहक प्रदर्शनों ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया बल्कि हमारे छात्रों को हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में भी शिक्षित किया। हमारे स्कूल में स्पिक मैके का आयोजन समग्र शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण था, जो हमारे छात्रों को भारत की कलात्मक परंपराओं की सुंदरता और गहराई से अवगत कराकर उनके जीवन को समृद्ध बनाता है।

दो दिन पहले लापता हुआ 12 वर्षीय किशोर जयपुर में मिला

जेवर, 23 फरवरी (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव चौरौली से दो दिन पूर्व संधिघ परिस्थितियों में लापता बारह वर्षीय किशोर शुकवार को जयपुर में मिला है। जिसको लेने के लिए कोतवाली पुलिस जयपुर रवाना हो गई है। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह चौहान ने बताया कि चौरौली गांव के रीतेश का बारह वर्षीय पुत्र शिवम कक्षा 6 का छात्र है, जो बुधवार को अचानक लापता हो गया। शाम तक भी घर नहीं लौटने पर स्वजनों ने उसकी तलाश शुरू की तथा कोई सुराग नहीं मिलने पर कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी से अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस टीम बनाकर बच्चे की तलाश शुरू की गई चाइल्ड हेल्प लाइन व पुलिस टीम ने मिलकर



अन्य जनपदों व राज्यों में सूचना

देकर मदद मांगी गई। उन्होंने बताया कि शुकवार को राजस्थान पुलिस द्वारा जयपुर में बच्चे के मिलने की सूचना कोतवाली पुलिस व चाइल्ड हेल्प लाइन को दी गई। जिसके बाद बच्चे को लेने के लिये पुलिस रवाना हो गई है। उन्होंने बताया कि बच्चा जयपुर के बसेरा पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

पत्र नहीं पिया
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए सम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

पत्र नहीं पिया
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के सम्पर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gt. Noida

एनसीटीई की टीम ने किया जीबीयू का शैक्षिक भ्रमण

ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। केशांग वाई शेरपा, आईआरएस, मेंबर सेक्रेट्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की टीम ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रारंभ किए गए एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की गुणवत्ता का निरीक्षण करना था। भ्रमण के दौरान टीम ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं, कार्यक्रम की पाठ्यचर्या एवं प्रयोगशालाओं आदि का अवलोकन किया। भ्रमण के उपरांत एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के विद्यार्थियों के साथ टीम के हैंड होल्डिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केशांग वाई शेरपा के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत छात्राओं ने मनमोहक सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा द्वारा मुख्य अतिथियों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। संकाय की डीन प्रो. वंदना पांडे



एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम के निर्माण की यात्रा का वर्णन करते हुए विभिन्न पक्षों पर डाला प्रकाश

ने संकाय की ओर से मुख्य अतिथि एवं उनकी टीम का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गौतम बुद्ध के सिद्धांत 'अप्य दीपो भव' का पालन करते हुए हमें आत्म चेतन शिक्षकों का निर्माण करना है। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शानवाल ने विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की शानदार यात्रा का वर्णन करते हुए इसकी उपलब्धियों को प्रस्तुत किया एवं एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की स्वीकृति के लिए मुख्य अतिथि को धन्यवाद प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि केशांग वाई शेरपा ने विश्वविद्यालय की बहुविषयक प्रणाली की प्रशंसा की। उन्होंने एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम के निर्माण की यात्रा का वर्णन करते हुए इसके विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ही किसी देश के विकास का आधार होती है। कुलपति प्रोफेसर रविंद्र कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय की ओर से एनसीटीई की टीम का स्वागत किया एवं आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का शॉर्टकट नहीं होता।

स्कैब माफिया रवि काना की चार करोड़ इक्तीस लाख की सम्पत्ति हुई कुर्क

ग्रेटर नोएडा, 23 फरवरी (देशबन्धु)। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने रवि काना की संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया। 19 वाहनों के साथ ही दो बैंक खातों को भी कुर्क करने का आदेश दिया है। कुर्क की जाने वाली संपत्तियों की कीमत 4,31,59,891 रूपए है। गैंग के कुछ अन्य बदमाशों के संपत्तियों की जानकारी भी पुलिस को मिली है। उन्हें भी कुर्क किया जाएगा।

गैंग के बदमाशों की अब तक 125 करोड़ रूपए से अधिक की संपत्ति कुर्क हो चुकी है। रवि काना गैंग के बदमाशों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। पुलिस को जैसे-जैसे बदमाशों की संपत्तियों की जानकारी मिल रही है उन्हें कुर्क करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस को रवि की कंपनी जेएसआर रोड लाईंस के बैंक खातों व वाहनों की जानकारी मिली थी। जिन्हें कुर्क करने का आदेश दिया गया है। 19 कामिश्नरल वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया गया है। जिनकी अनुमानित कीमत 4,31,00,000 रूपए है। साथ जेएसआर रोड लाईंस के नाम से एचडीएफसी व इंडसैंड बैंक में खातों की जानकारी मिली थी। दोनों बैंक खातों में 59,891 रुपये थे। उन्हें भी कुर्क करने का आदेश दिया गया है। जात ही कि रवि सहित उसके गैंग के 16 बदमाशों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। सभी पर गैंगस्टर एक्ट में भी कार्यवाही की गई है। दस बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं। रवि, काजल सहित अन्य बदमाश फरार हैं। पुलिस की टीम उनकी तलाश कर रही है।

उत्तर रेलवे
पहला सुधि-पत्र
डेंबर नं.: 30-ELECT-49-T-2023-24-E3
कार्य का नाम:- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार रेल भवन, एनआरएम और मोती बाग में स्थापित मौजूदा डीजी सेटों में ईंधन तंत्र प्रणाली के रूपांतरण के संबंध में विद्युत कार्य।
डेंबर नं.: 30-ELECT-49-T-2023-24-E3
कार्य का नाम:- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार रेल भवन, एनआरएम और मोती बाग में स्थापित मौजूदा डीजी सेटों में ईंधन तंत्र प्रणाली के रूपांतरण के संबंध में विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत: ₹. 107.54 लाख
कार्यवाही का पता: बिल्डिंग मंडल विद्युत अभियंता/सी.स्टेट एंटी रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि: ₹. 2,03,800.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय: 28.02.2024, 12:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय: 28.02.2024, 12:00 बजे
उपर्युक्त निविदा के निविदा दस्तावेज को संचोपित किया गया है, कृपया www.reps.gov.in पर उपलब्ध संचोपित दस्तावेजों को देखें और तदनुसार अपना प्रस्ताव संचोपित करें।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉन्सिल्टिंग कॉम्प्लेक्स, पी-2, सेक्टर-ओमगा-1, ग्रेटर नोएडा, जमनपुर गौतमबुद्ध मार्ग-20130 (3000)
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यमुना एक्सप्रेसवे उपजिलाधिकारी जेवर गौतमबुद्धनगर से प्राप्त पारिस्थितिक सर्वेक्षण प्रमाण पत्र संख्या 144 /एचडीए-एचडीए/2023 दिनांक 30-11-2023 मुद्रक रूबो श्री लाला खान पुत्र मजीद चौं निं 100 मैना गावड़न सन्तानावां नगर रघुपुर तहसील जेवर परगना जेवर जिला अलीमगढ़नगर की मूख्य दिनांक 29.05.2015 के स्थान पर उनके वारिसाणों को नाना निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।
ग्राम का नाम | खसरा संख्या | मृतक काशकारक का नाम व पता | मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम | मृतक से संबंधित आर्यु लार्गमों | विशेष विवाहित |
रघुपुरा | 1531म | रूबो श्री लाला खान पुत्र मजीद चौं निं 100 मैना गावड़न सन्तानावां नगर रघुपुर तहसील जेवर जिला अलीमगढ़नगर | अमरगढ़ | पुत्री | 61 वर्ष | विवाहित |
अमरगढ़ | पुत्री | 58 वर्ष | विवाहित |
रियासत | पुत्री | 54 वर्ष | विवाहित |
शराफत | पुत्री | 52 वर्ष | विवाहित |
मार्फत | पुत्री | 49 वर्ष | विवाहित |
नसरतीन बानो | पुत्री | 43 वर्ष | विवाहित |
उपरोक्त वारिसाणों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई अपरिचित हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसाणों का नाम 07 प्रतिशत आयवर्दी मुखबुद्ध व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्राधिकरण संशुकी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जाएगा। यदि उक्त सर्वेक्षण जांच के अन्त में प्रस्तावत भूगण पर किसी न्यायालय या अदालत द्वारा कृषक का स्वत्व सम्पत्त होता है अथवा क्षेत्रकत मृतक किया जाता है तो कम हूए क्षेत्रकत अर्थात् सम्पूर्ण क्षेत्रकत के साथ इस वारिसाणों को स्वतः निरस्त समझा जाय।
लक्ष्मीनर, वृन्त एकासेने रिक्त कालिका

अभिमत

भारत सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के अनुसार काम करता है जिसके तहत किया गया व्यय और जुटाए गए कर दोनों ही राज्यों और केंद्र के बीच साझा की गई जिम्मेदारियां हैं। आदर्श रूप से इन जिम्मेदारियों को केंद्र और राज्यों के बीच एक अच्छे संतुलन में बांटा जाना चाहिए। वास्तव में केंद्र के पास राजस्व का बड़ा हिस्सा है जबकि राज्यों के पास जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा है जिसमें सामाजिक सेवा, आर्थिक व कल्याणकारी योजनाएं तथा परियोजनाएं शामिल हैं। भारत में, राज्य कुल सामान्य सरकारी व्यय का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं। इसे 'उर्ध्वाधर असंतुलन' (वर्टिकल इम्बैलेन्स) कहा जाता है जिसे केंद्र द्वारा राज्यों को धन के हस्तांतरण के माध्यम से ठीक किया जाता है।



चिंताजनक है संघ-राज्य संबंधों में तनाव

नाव और मतभेदों का एक सिलसिला देश के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। कुछ तनाव और मतभेद सड़कों पर विरोध प्रदर्शन के रूप में सामने आते हैं, जैसे किसानों का पहले और अब चल रहा आंदोलन। फिर भी इसके पहले कभी भी राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों ने अपनी बात रखने के लिए सड़क पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता नहीं अपनाया। इस प्रकार की चरम कार्रवाइयों देश को बनाने वाले आंतरिक ताने-बाने के कमजोर होने की ओर इशारा करती हैं जो विश्व मंच पर एक पुनरुत्थानशील भारत की कहानी के विपरीत हैं। आखिर आंतरिक असंतुलन बाहरी लचीलापन कैसे पैदा कर सकता है? इस प्रश्न में, केंद्र सरकार तथा विपक्ष शासित राज्य सरकारों के बीच तनाव को विशेष महत्व दिया गया है।

किसानों के अलावा फरवरी में दो राज्यों-केरल और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों ने अपने मंत्रिमंडल और सांसदों के साथ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि वे संघीय धन के वितरण में भेदभाव के रूप में क्या देखते हैं। केरल ने धन आबंटन की अपनी मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'केंद्र द्वारा वित्तीय अन्याय व देश के संघीय ढांचे में गिरावट' के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने एलडीएफ के 8 फरवरी के विरोध दिवस को भारत के इतिहास में एक 'रेडलेट' दिन बताया। उसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल धन जारी करने के केरल सरकार के अंतरिम आवेदन पर केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा। केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के 'वित्तीय कुप्रबंधन' के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन

किया था। कर्नाटक का कहना है कि जीएसटी संग्रह में वह दूसरे स्थान पर है लेकिन जीएसटी कार्यान्वयन के कारण उसे लगभग 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उसे कर बंटवारे में 63,000 करोड़ रुपये से थोड़ा कम नुकसान हुआ है। कर्नाटक और केरल ने कहा है कि उनका विरोध सभी राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और उनके बकाये को सुरक्षित करने के लिए भी है। कर्नाटक तथा केरल की बातों से तमिलनाडु सहमत है।

इस प्रकार केंद्र-राज्य संबंधों और कर हस्तांतरण के जटिल मुद्दे ने राज्य व देश की बेहतरी के एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय एक बदसूरत रस्साकशी में बदल दिया है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बहस की स्थिति चाहे जो भी हो, राज्यों की आर्थिक स्थिति को इस हद तक कमजोर किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि उनके निर्वाचित प्रमुखों को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने पड़े। ये ऐसे हालात हैं जो टूटने के करीब हैं और यह कोई अच्छी बात नहीं है।

केरल के मामले पर विचार करें तो उसे भारतीय रिजर्व बैंक ने शीघ्र पंच वित्तीय तनावग्रस्त राज्यों में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के राजकोषीय मानदंडों के अध्ययन में उच्च ऋण स्तरों और राजकोषीय घाटे के स्तरों के कारण बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान की पहचान अत्यधिक दबाव वाले राज्यों के रूप में की गई है। उच्च ऋण का अर्थ है कि राज्य अपने राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऋण और ब्याज चुकाने में खर्च करता है। उदाहरण के लिए कई राज्य राजस्व प्राप्ति का लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक ब्याज भुगतान पर खर्च करते हैं। पश्चिम बंगाल तथा पंजाब ब्याज भुगतान पर 20 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं। ऐसा क्यों है और इसे मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में कैसे संबोधित किया जा सकता है, यह बहस एवं संवाद का विषय है लेकिन इसे आपसी वाद-विवाद में बदला नहीं जाना चाहिए।

उदाहरण के लिए केरल ने आईओयू (कर्ज के भुगतान की स्वीकारावृत्ति) का पहाड़ खड़ा कर दिया है। एलडीएफ ने इस स्थिति के लिए केंद्र को दोषी ठहराते हुए

आरोप लगाया है कि उनकी सरकार को राज्य के इतिहास में सबसे खराब वित्तीय संकट में धकेला जा रहा है। 2021-22 के पूर्वव्यापी प्रभाव से केरल की उधार सीमा को कम करने जैसे केंद्र सरकार के कदमों का जिक्र करते हुए एलडीएफ सरकार ने कहा है कि राज्य को 2016 और 2023 के बीच की अवधि के लिए 107513.09 करोड़ रुपये का संचयी नुकसान हुआ है। उदाहरण के लिए, आबंटनों की तुलना करते हुए बताया गया है कि 10वें वित्त आयोग के समय केरल को 'विभाज्य' पूल का 3.8 प्रतिशत मिल रहा था जिसे अब घटाकर 1.9 फीसदी कर दिया गया है। कुछ राजस्व घाटा अनुदान भी रोके दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में राज्य का बजट पेश करते हुए केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने मौजूदा वित्तीय संकट के लिए केंद्र के 'श्रुतपूर्व रुख' को जिम्मेदार ठहराया था।

भारत सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के अनुसार काम करता है जिसके तहत किया गया व्यय और जुटाए गए कर दोनों ही राज्यों और केंद्र के बीच साझा की गई जिम्मेदारियां हैं। आदर्श रूप से इन जिम्मेदारियों को केंद्र और राज्यों के बीच एक अच्छे संतुलन में बांटा जाना चाहिए। वास्तव में केंद्र के पास राजस्व का बड़ा हिस्सा है जबकि राज्यों के पास जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा है जिसमें सामाजिक सेवा, आर्थिक व कल्याणकारी योजनाएं तथा परियोजनाएं शामिल हैं। भारत में, राज्य कुल सामान्य सरकारी व्यय का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं। इसे 'उर्ध्वाधर असंतुलन' (वर्टिकल इम्बैलेन्स) कहा जाता है जिसे केंद्र द्वारा राज्यों को धन के हस्तांतरण के माध्यम से ठीक किया जाता है। धन के हस्तांतरण व वितरण का यही वह मुद्दा है जिसके बारे में राज्य, विशेष रूप से गैर भाजपाई दलों द्वारा शासित दक्षिणी राज्य नाराज हैं जिसे वे असमान वितरण मानते हैं।

केरल के पूर्व वित्त मंत्री डॉ. थॉमस इसाक ने कोविड महामारी के समय कहा था कि यदि महामारी को निर्यात करना है तो केंद्र का राज्यों और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के साथ तालमेल आवश्यक तथा अपरिहार्य है। उन्होंने कहा- 'हालांकि केंद्र और राज्यों

के बीच राजकोषीय संबंध कभी इतने तनावपूर्ण नहीं रहे जितने आज हैं। सहकारी संघवाद की बयानबाजी को बलपूर्वक संघवाद में बदला जा रहा है जो कोविड-19 के प्रति राष्ट्रीय प्रतिक्रिया में बाधा डाल रहा है।' उन्होंने अन्य उदाहरणों को अलावा महामारी की आड़ में केंद्रीय प्रोत्साहन पैकेज के हिस्से के रूप में राज्यों को अतिरिक्त उधार पर शर्तों को लागू करने का उल्लेख किया जो राज्यों को राजकोषीय स्वायत्तता को कमजोर कर रहा था। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि धंधे के दौर में राज्यों के विकास व्यय में किसी तरह की कमी का (जो संयुक्त सरकारी व्यय का 60 प्रतिशत है), सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर विनाशकारी प्रभाव डेगा।

भाजपा के सहयोगी रहे तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी ने केंद्र सरकार पर ठीक यही आरोप लगाया था। उन्होंने 2020 में प्रधानमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में कहा था कि 'केंद्र एक ऐसे सुधार एजेंडे को, जिस पर अभी तक आम सहमति विकसित नहीं हुई है, आक्रामक रूप से आगे बढ़ाना सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप नहीं है। खास तौर पर ऐसे समय में जब राज्यों ने केवल हाताशा से अतिरिक्त उधार लेने के लिए केंद्र से संपर्क किया है।' बजट और आवंटन, राजकोषीय विवेक, ऋण प्रबंधन और राजस्व व्यय के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और बहस की जानी चाहिए तथा इस पर पूर्व-सहमत फ्रेमवर्क के तहत काम किया जाना चाहिए। भारत ने अब तक इसी तरह से काम किया है। इस मित्रतापूर्ण एवं उदार दृष्टिकोण के तहत राज्यों को अपने वित्त प्रबंधन को अधिक संतुलित तथा टिकाऊ तरीके से चलाने के लिए प्रेरित करने में मदद कर सकता है। केरल और इसके बेहतर विकास संकेतकों तथा वास्तव में सभी दक्षिणी राज्यों से केंद्र बहुत कुछ सीख सकता है। इसी तरह राज्यों के घाटे को कम करने के संदर्भ में बहुत कुछ ठीक करने के लिए केंद्रीय मदद की आवश्यकता है। अंत में, बजट को संतुलित करना महत्वपूर्ण है लेकिन इसके लिए समग्र राष्ट्रीय विकास के लिए संघीय संबंधों की एक पूर्व शर्त का प्रबंधन जरूरी है। (लेखिका द बिलियन प्रेस की प्रबंध संपादक हैं।सिडकेट: द बिलियन प्रेस)

बीता सप्ताह

- 17 फरवरी**
 - दिल्ली को एक पेंट फैक्ट्री में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई।
 - आईटी इन्डियन ने कांसिपे के प्रोजेक्टों पर से रोक हटाई।
 - 2023-24 में राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड से 16 हजार करोड़ का चुनावी चंचा मिला। सबसे अधिक 6565 करोड़ भाजपा पार्टी को मिला।
 - रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवल्नी की आर्कटिक जेल कालोनी के जेल के अंदर ही मौत हो गई।
- 18 फरवरी**
 - रामप्रदाचार्य को संस्कृत और प्रसिद्ध निर्माता निदेशक गुलजार उर्फ साहित्य के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।
 - सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से मौसम उपग्रह इनसैट 3 डी एस का सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया गया।
 - श्रीलंका सरकार ने 11 बौद्ध मंदिरों को पवित्र स्थल घोषित किया।
 - नासा के नेतृत्व में अमेरिकी शोधकर्ता चंद्रमा की अत्यधिक आवेशित धूल का करेगो अध्ययन।
- 19 फरवरी**
 - इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने राजकोट में टेस्ट मैच 434 से जीता।
 - पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिलिडेलिया में स्नोकर कॉन में ट्रम्प स्नोकर्स (तूते) लॉन्च किया।
 - पूर्व थाई प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावत्ता को पेरोल पर रिहा किया गया।
 - पाकिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों में नौ आतंकी मारे गए।
- 20 फरवरी**
 - सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चंडीगढ़ महापौर चुनाव के पीठासीन अधिकारी पर छेड़छाड़ पर अविश्वास निशान लगाकर छेड़छाड़ करने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा।
 - वर्ष 2023 का फणस्याम दस बिड़ला वैज्ञानिक शोध पुरस्कार हरीशचंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज की प्रोफेसर अदिति सेन को दिया जाएगा।
 - तुर्की सरकार ने निजी स्कूलों में पश्चिमी देशों की छुट्टियां मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।
 - ब्रिटेन सरकार ने प्रत्येक स्कूलों में मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।
 - 21 फरवरी**
 - सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में 'आय' उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित किया।
 - सोनिया गांधी पहली बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुईं। उन्होंने राजसभा से पचास हाई।
 - छत्तीसगढ़ से भाजपा उम्मीदवार देवेन्द्र सिंह राजसभा के लिए निर्वाचित हुए।
 - मंगोलिया में 49 साल बाद भारी हिमपात हुआ।
 - 22 फरवरी**
 - रेडियो उद्योगिक बिनाका गीतमाला की दुनिया के जादूगर अमीन सयानी का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
 - फिलीपींस नेग्रोस ओरिएंटल प्रांत में एक ट्रक के अंदर खाली में गिरे से उसमें सवार 14 लोगों की मौत हो गई।
 - ब्रिटीश नौसेना का बेलैस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण असफल हो गया।
 - आस्ट्रेलियाई ने तू तू च वाली अंतरराष्ट्रीय शोधार्थियों को मधुमेह के पुराने बच्चों के उपचार में मिली सफलता।
 - 23 फरवरी**
 - चंडीगढ़ में संयुक्त किसान मोर्चा ने मनाया काला दिवस।
 - छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा 33 हजार शिक्षकों की जापती भर्ती।
 - छग के भिलाई कुम्हारी मार्ग में गंभीर सड़क हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई।
 - मैक्सिको में गिरोहों के बीच संघर्ष में 12 लोगों की मौत हो गई।

गजा में नरसंहार खत्म होने की सारी उम्मीदें खत्म

गजा पट्टी में इजरायली रक्षा बलों के युद्ध अपराधों को लगातार समर्थन देने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका को अंततः अपने समर्थक देशों से बड़े अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। बाइडेन सरकार को मंगलवार रात अंतरराष्ट्रीय निंदा का सामना करना पड़ा जब उसके प्रतिनिधि ने गजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को वीटो कर दिया।

प्रस्तावपूर्ण बात यह थी कि गजा युद्ध में इजरायल का समर्थन करने वाले वर्तमान अमेरिका के करीबी सहयोगी ब्रिटेन ने भी मतदान में भाग नहीं लिया, लेकिन सुरक्षा परिषद के शेष 13 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जो आसपास के देशों के मजबूत समर्थन का दर्शाता है। युद्ध समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों में नाटो का एक प्रमुख सदस्य फ्रांस भी शामिल था।

हमास आतंकवादियों और इजरायल के बीच युद्ध पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुआ था जब हमास ने इजरायली टिकानों पर अचानक हमला कर दिया था और अनेक इजरायली सैनिकों को मार डाला था और बंधक बना लिया था। इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। उस समय कई देशों ने हमास की कार्रवाई की निंदा की, लेकिन इजरायल ने गजा पट्टी में नागरिकों की बर्बर हत्या जारी रखी और घोषणा की कि जब तक हमास का एक भी आतंकवादी जीवित रहेगा, वे युद्ध नहीं रोकेंगे। इसका पूरा उद्देश्य फिलिस्तीनियों को गजा पट्टी से खदेड़कर जातीय सफाया करना है।

गजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 अक्टूबर के बाद से, पिछले साढ़े चार महीनों में, इजरायल के सैन्य हमले में 29,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। अब तक 1300 से अधिक इजरायली सैनिक मारे गये हैं। अंतर यह है कि जहां हमास के आतंकवादियों ने ज्यादातर इजरायली सैनिकों को मार डाला, वहीं इजरायलियों ने महिलाओं और बच्चों सहित फिलिस्तीनी नागरिकों को निशाना बनाया। इससे पहले भी अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर वीटो किया था लेकिन इस बार संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में व्यापक समर्थन मिला।

चीन के संयुक्त राष्ट्र दूत झांग जून ने वाशिंगटन के वीटो पर 'गंभीर निराशा और असंतोष' व्यक्त किया। दूत ने कहा कि अमेरिकी वीटो से गजा में स्थिति और खतरनाक होने का गलत संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा युद्धविराम पर आपत्ति कुछ और नहीं बल्कि इजरायल को नरसंहार जारी रखने की हरी झंडी है।

क्यूबा के राष्ट्रपति मियागुएल डियाज-कैनैलबर्मुडेज ने भी अमेरिका पर हमला बोले हुए कहा कि युद्धविराम के आह्वान को रोककर, अमेरिकी अधिकारियों ने खुद को 'फिलिस्तीन के खिलाफ इजरायल के इस नरसंहार में भागीदार' बना दिया। फ्रांस, नॉर्वे, रूस, कतर, सऊदी अरब और फिलिस्तीनी प्राधिकरण सहित अन्य लोगों ने अमेरिकी वीटो की आलोचना की। यह गजा में युद्धविराम की मांग करने वाले सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को अमेरिका द्वारा खारिज करने की तीसरी घटना

थी। अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने हालांकि दावा किया कि अल्जीरिया द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव, बंधक समझौते पर संवेदनशील वार्ता पर 'नकारात्मक प्रभाव' डालेगा और लड़ाई में कम से कम छह सप्ताह के लिए रुकावट डालेगा।

पुरे गजा में, इजरायल द्वारा हत्याओं का दौर जारी है, पिछले दो दिनों में कम से कम 67 फिलिस्तीनियों लोगों की जानें चली गई हैं। सहायता समूह डॉकर्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा कि इजरायली ऑपरेशन के दौरान गजा पट्टी में उसके कर्मचारियों के आवास पर हमला होने से दो लोग मारे गये थे। वह एक ऐसा क्षेत्र है जहां फिलिस्तीनियों को आश्रय लेने के लिए कहा गया है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने मंगलवार को उत्तरी गजा में भोजन और सहायता वितरण को रोकने की घोषणा की, क्योंकि उसके ड्राइवर्स को लॉरिंग में इकट्ठा होने वाले हताश निवासियों की गोलीबारी और हिंसा का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि दो साल से कम

उम्र के छह बच्चों में से एक गंभीर रूप से कुपोषित है और लोग भूख से संबंधित कारणों से मर रहे हैं। डब्ल्यूएफपी ने कहा, 'इन पिछले दो दिनों में, हमारी टीमों ने अभूतपूर्व स्तर का हताशा

देखा।' जबकि एक प्रमुख ब्रिक राष्ट्र दक्षिण अफ्रीका युद्ध अपराधों के लिए इजरायल को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया है, जिसने इजरायली हत्याओं की कड़ी निंदा की है और इसे रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो 'लूला' दासिलवा ने अपने देश के राजदूत को वापस बुला लिया है। इसके बाद इजरायल ने कहा कि लूला का उनके देश में तब तक स्वागत नहीं किया जायेगा जब तक कि वह सप्ताहांत में की गई अपनी उस टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांग लेते, जिसमें गजा में फिलिस्तीनियों पर इजरायल के हमले की तुलना नरसंहार से की गई थी। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल कार्ज़ ने लूला की टिप्पणियों को 'बहुत गंभीर यहूदी-विरोधी हमला' बताया।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने रविवार को इथियोपिया के अदीसअबाबा में अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में कहा कि 'गजा पट्टी और फिलिस्तीनी लोगों के साथ जो हो रहा है वह इतिहास में किसी अन्य क्षण में नहीं देखा गया।'

अजीब बात है कि जबकि अधिकांश प्रमुख ब्रिक देश गजा पट्टी में नरसंहार के लिए इजरायल पर हमला कर रहे हैं, भारत अभी भी इजरायल के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया अपना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायली पीएम बेजाजिम नेतन्याहू के साथ मित्रता है जिसका वह दिखावा भी करते हैं। फिलहाल इजरायल अपनी संबंधित गतिविधियों में भर्ती के लिए भारतीय बेरोजगार युवाओं की भर्ती कर रहा है। इजरायल में युद्ध संबंधी इन नौकरियों के लिए कई हजारों लोगों ने आवेदन किया है। भारत सरकार इजरायली युद्ध मशीन की मदद के लिए भारतीय युवाओं को नौकरी करने की अनुमति दे रही है।

सामाजिक न्याय की राजनीति के नए प्रतीक बने राहुल

1994 में रिलीज़ हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्रांतिवीर' में नाना पाटेकर का एक डायलॉग बड़ा मशहूर हुआ था। पत्रकार का किरदार निभाने वाली डिम्पल कपाड़िया की तरफ इशारा करते हुए नाना पाटेकर भीड़ की संबोधित करते हैं। 'ये कलम वाली बाईं क्रांति करने चली थी। क्रांति कैसे होगी? यहां सब बुजुर्ग हैं, मुझे हैं।' भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राहुल गांधी यूपी पहुंचकर नाना पाटेकर के क्रांतिवीर की भाषा में संवाद कर रहे हैं। बनारस से इलाहाबाद होते हुए सामंतवाद के एक प्रतापगढ़ पहुंचे राहुल गांधी दलित-ओबीसी मुद्दों पर आधा घंटा बरसे। संभवतया पिछले बार राहुल गांधी ने दलितों और पिछड़ों को अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए ललकारा। भारत जोड़ो यात्रा से लेकर न्याय यात्रा में बिहार झारखंड तक राहुल गांधी भाजपा और आरएसएस की नफरत और हिंसा पर आधारित विभाजनकारी राजनीति को कठघरे में खड़ा करके दलित, आदिवासी और पिछड़ों के सवालियों को संयमित भाषा में उठाते रहे हैं। एक राजनीतिक व्यक्तित्व से बढ़कर राहुल गांधी एक शिक्षक की तरह आंकड़ों के जरिए वंचित समुदायों को समझाते रहे कि नरेंद्र मोदी किस तरह दलितों पिछड़ों और आदिवासियों के संसाधनों को छिनकर अपने पूंजीपति मित्रों की तिजोरियां भर रहे हैं। राहुल गांधी पूछते रहे कि देश की संपदा और संसाधनों में इन तबकों की हिस्सेदारी कितनी है? लेकिन जब राहुल गांधी यूपी पहुंचे तो उन्होंने दलित ओबीसी

और आदिवासियों को ललकारते हुए कहा कि तुम सोये हुए हो। तुममें दम नहीं है। दरअसल, ये अम्बेडकर और काशीराम की भाषा है। उनका कहना था कि अधिकार मांगने से नहीं मिलते, छीने पड़ते हैं। बुजुर्गों और कायरा से अधिकार नहीं मिलेंगे। इसके लिए मजबूती के साथ खड़ा होना होगा। लड़ना होगा। संघर्ष करना होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि यूपी आकर राहुल गांधी एंग्री यंगमैन क्यों बन गए? राहुल गांधी में ये बदलाव कैसे आया?

14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए राहुल गांधी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अन्याय के खिलाफ लोगों से अनवरत संवाद कर रहे हैं। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हुई भयानक जातीय हिंसा से उपजे विभाजन को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई सार्थक प्रयास नहीं किया। जबकि राहुल गांधी हिंसा के दरम्यान मणिपुर पहुंचे थे। मणिपुर के लोगों को सौहार्द और न्याय का संदेश देने के लिए राहुल गांधी ने वहीं से अपनी न्याय यात्रा शुरू की। दलितों और आदिवासियों पर होने वाली अन्याय और प्रताड़ना की घटनाओं में पिछले दशक में बेतहाशा बढ़ी हुई है। आदिवासियों के जंगल और जमीने के अधिकारों को छीना जा रहा है। राहुल गांधी इस अन्याय के खिलाफ लगातार खड़े हैं। वे राष्ट्रीय संसाधनों में वंचित तबकों की समान हिस्सेदारी की बात कर रहे हैं। इसके समानांतर भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी को अपमानित करने और न्याय यात्रा को बाधित करने के प्रयास भी निरंतर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर से निकलकर गोदालिया में राहुल गांधी ने जहां भाषण दिया था, उस स्थान को भाजपाइयों ने 51 लीटर गंगाजल से धोया। दरअसल, वे वर्णवादी और मंत्रालयी मानसिकता है, जिसके शोकास सदियों से दलित और पिछड़े रहे हैं। राहुल गांधी के साथ इस तरह का व्यवहार करना, एक नई परंपरा की शुरुआत है। नरेंद्र मोदी और भाजपा के हिंदुत्व से जो असहमत हैं उसके खिलाफ अपमान और घृणा का



प्रो. रविकांत

व्यवहार, भारत की वर्चस्वशाली परंपरा का नया हथियार है। जाहिर तौर पर राहुल गांधी ने अब इस दर्द को ज्यादा अंतरतम से महसूस किया होगा। राहुल गांधी सिर्फ राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं बल्कि किसी भी तरह की शोषणकारी सत्ता को बदलने के लिए बेताब दिखते हैं।

सामाजिक न्याय के विमर्श को काशीराम ने उत्तर प्रदेश की जमीन पर साकार करके दिखाया। बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों के जरिए काशीराम ने वंचितों को संविधान और वोट की ताकत का अहसास कराया। दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके उन्होंने बहुजन राजनीति को मजबूत किया। दलितों वंचितों में सम्मान और स्वाभिमान की चेतना पैदा करके काशीराम ने सत्ता और संसाधनों पर समाज को दावेदारी मजबूत की। परिणामस्वरूप यूपी में चंद्र बार बीएसपी की सरकार बनी। लेकिन इसी के समानांतर राम मंदिर आंदोलन के जरिए हिंदुत्व की राजनीति अपना प्रभाव जमा रही थी। बहुजन राजनीति इस खतरे को भांपने में असफल हुई। इसका नतीजा यह हुआ कि 2014 और 2019 के लोकसभा तथा 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में बड़ी सफलता मिली। जिस जमीन को

अंबेडकर के विचारों के जरिए काशीराम ने सामाजिक राजनीतिक बदलाव के लिए उर्वर बनाया था, उस पर हिंदुत्व के जरिए सामंतवाद और ब्राह्मणवाद और पुनरुत्थान की परत जमने लगी। राहुल गांधी ने सामंतवाद के विचारों के जरिए काशीराम ने सामाजिक राजनीतिक बदलाव के लिए उर्वर बनाया था, उस पर हिंदुत्व के जरिए सामंतवाद और ब्राह्मणवाद और पुनरुत्थान की परत जमने लगी। राहुल गांधी ने सामंतवाद

के गढ़ प्रतापगढ़ में दलितों पिछड़ों को याद दिलाया कि विश्वविद्यालयों से लेकर मॉडिया तक और बड़े पूंजीवादी कंपनियों से लेकर उच्च न्यायालयों में उनकी भागीदारी नगण्य है। ओबीसी दलित और आदिवासियों की अनुमानित आबादी 73 फीसदी है लेकिन देश को चलाने वाले 90 सबसे स्तर के अधिकारियों में केवल 7 इन तबकों से आते हैं। इनको भी सबसे कमजोरी मंत्रालयों में जगह दी गई है। राहुल गांधी ने इन समुदायों को ललकारते हुए कहा, कि तुम सोए हुए हो। तुममें दम नहीं है। तुम बच्चे हो। अपनी ताकत को पहचानो। अन्याय से मुक्ति और अधिकारों की शक्ति हासिल करने के लिए तुम्हें खुद इस बर्बर सत्ता का मुकाबला करना होगा। आजादी के आंदोलन के दरम्यान लगभग गुलामी का जीवन जी रहे दलितों का आह्वान करते हुए डॉ अंबेडकर ने कहा था, शिकार बकरी का होता है, शेर का नहीं। राहुल गांधी दलितों वंचितों को जगाने के लिए डॉ अंबेडकर वाले तेवर में संवाद कर रहे हैं।

यूपी देश का सबसे बड़ा सूबा है। 80 लोकसभा सीटें दिल्ली के लिए निर्णायक हैं। योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार में दलितों पर 150 फीसदी हमले बड़े हैं। सरकारी शिक्षा व्यवस्था खत्म की जा रही है। नौकरी के अवसर छीने जा रहे हैं। समृद्धि और सशक्तिकरण की आकांक्षाएं ध्वस्त की जा रही हैं। सरकारी संरक्षण में सामंती शक्तियां मजबूत हो रही हैं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के नाम पर अवसरवादी मुखौटों को लाकर भाजपा सामाजिक न्याय की हत्या कर रही है। इसके बरक्स यूपी में दलितों पिछड़ों में एक नई लहर करचट ले रही है। इन दिनों संविधान और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। हिंदुत्व के सामने अंबेडकरवाद सीना ताने खड़ा है। दलित वंचित समाज के भीतर की इस आंदोलनधर्मी धारा को राहुल गांधी पहचान रहे हैं। इसीलिए उन्होंने उत्तर प्रदेश में बदलाव और संघर्ष की इस चेतना को धार देने के लिए दलितों, पिछड़ों और नौजवानों को ललकारा है। राहुल गांधी सामाजिक न्याय की राजनीति के नए आइकन बनकर उभर रहे हैं।

हौथियों ने अदन की खाड़ी में ब्रिटिश मालवाहक जहाज पर हमले की ली

सना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। यमन के सशस्त्र हौथी समूह ने अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। सेंटैलाइट टीवी चैनल अल-मसीरा के अनुसार हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने गुरुवार को समूह द्वारा प्रसारित एक टेलीविजन बयान में कहा, 'यमनी (हौथी) सशस्त्र बलों की नौसेना ने अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश जहाज (आइसलैंड) पर मिसाइलों से हमला किया।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सरिया के हवाले से कहा, मिसाइलें सीधे जहाज पर गिरीं, इससे उसमें आग लग गई।

देश विदेश

रूस में फंसे भारतीय नागरिकों की गुहार के बाद हरकत में विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारतीय नागरिकों को लड़ने के लिए मजबूर करने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह इस मामले से अवगत है और वहां के समुदाय से उचित सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने बयान में कहा, 'हम इस बात से अवगत हैं कि कुछ भारतीय नागरिकों ने रूसी सेना में एक नौकरी के तौर पर लड़ने का फैसला किया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सावधानी बरतें और युद्ध से दूर ही रहे। भारतीय दूतावास ने रूसी अधिकारियों के साथ भी इस मुद्दे को विस्तार से उठाया।' विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया ऐसे वक्त में आई है, जब बीते दिनों कांग्रेस नेता प्रियांका खडगे ने रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती का मुद्दा



'हम इस बात से अवगत हैं कि कुछ भारतीय नागरिकों ने रूसी सेना में एक नौकरी के तौर पर लड़ने का फैसला किया है। हमने भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सावधानी बरतें और युद्ध से दूर ही रहे:-रणधीर जायसवाल, विदेश मंत्रालय'

उठाया था और केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की भी मांग की थी। इसके बाद चार भारतीय नागरिकों को छुड़ाया गया, जो कि रूस की प्राइवेट आर्मी के चंगुल में फँस गए थे।

मंत्री ने बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, 'कर्नाटक और तेलंगाना के कई युवा वहां फँस गए थे। धोखे से इन युवाओं को वहां युद्ध में लड़ने के लिए भेजा गया था। लिहाजा भारत सरकार को इस मुद्दे

को गंभीरता से लेना चाहिए। केंद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप कर भारतीय युवाओं की रिहाई की दिशा में अतिशय प्रयास करना चाहिए।' कर्नाटक के तीन युवाओं को धोखे से रूस की निजी सेना में भर्ती किया गया था।

सैयद इलियास हुसैन को बीते दिनों रूस की सेना में धोखे से भर्ती कर लिया गया था, जिसके बाद उनके पिता नवाज़ कलगी ने केंद्र सरकार से मांगते हुए हस्तक्षेप की

मांग कर उनकी रिहाई का मार्ग प्रशस्त करने को कहा था। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा 18 दिसंबर 2023 को रूस गया था। उससे कहा गया था कि उसे वहां पर सिविलियन हेल्पर की नौकरी दी जाएगी, लेकिन अब उससे युद्ध में हिस्सा लेने के लिए कहा जा रहा है। इससे पहले मेरा बेटा दुबई में था, जिसके बाद उसने रूस जाने का फैसला किया।' यह मामला उस वक्त प्रकाश में आया था, जब कुछ युवाओं ने वीडियो बनाकर अपना दर्द बयां किया और भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई। इस वीडियो में एक शख्स यह कह रहा था, 'प्लीज हमारी मदद कीजिए। हम एक बड़े फ्राईड का शिकार हो गए।' गौरलाल है कि एक एजेंट ने धोखे से इन युवाओं को यह कहकर रूस भेज दिया कि इन्हें वहां पर सिविलियन गाई की नौकरी दी जाएगी। लेकिन उन्हें जबरन रूसी सेना में भर्ती करवाया गया।

फिलीपींस में सैन्य और एनपीए विद्रोहियों के बीच संघर्ष में छह की मौत

मनीला, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सेना ने बताया कि फिलीपींस में बोहोल प्रांत में हुई झड़प में छह लोग मारे गए,



जिसमें एक पुलिस अधिकारी और पांच एनपीए विद्रोही शामिल हैं। बता दें कि सुबह आठ बजे से पहले ही यह झड़प संयुक्त बल, पुलिस अधिकारी और न्यू पीपल आर्मी के बीच हुई थी। जहां से झड़प हुई, वहां से सेना ने भारी मात्रा में राइफल और पिस्तौल बरामद की। एनपीए विद्रोही सरकारी सेना से साल 1969 से ही झगड़ रहे हैं। वे अपने हमले ग्रामीण इलाकों पर केंद्रित करते हैं और सेना के साथ उनकी झड़पें होती हैं। सेना के आंकड़ों के मुताबिक, एनपीए रूफ में करीब दो हजार से भी अधिक सैनिक शामिल हैं, जो कि 1980 के दशक में इसकी चरम शक्ति से काफी कम है।

सुडोकू		6476	
	4	1	8
	5	7	9
4		8	
	9	1	2
	6	7	
2	3	6	
1		8	3

: नियम :

- कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली		6476	
१	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६
१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४

बायें से बायें-

१. जिस परिवर्जन पाना कठिन हो, परसेस्वर
४. बंटावरा
६. माथा, ललाट
७. अनार
८. कोई चीज पाने के लिए हाथ बढ़ाना, झटपट चल पड़ना, किसी पर झपटना
१०. धमकाना, डराना, डांटना, क्रोध
११. शिकन आना, फर्केपड़ना (मुहावरा)
१३. गोलमाल, गड़बड़
१४. लोहे-बांस आदि की तीलियों आदि का बना एक तरह का टेकरा जैसी आकृति जिसमें पालतु पशु-पक्षी रखे जाते हैं
१५. कानूनी
१७. विफल (उर्दू)
१९. दूर में स्थित
२१. पाप रहित
२२. हवा में इधर-उधर होना
२४. कामना, अभिलाषा

ऊपर से नीचे:-

१. पीड़दायक
२. गजप्रासाद
३. यमलोक की पीढ़
४. किसी के खते में खर्च की ओर कोई रुकावट
५. जन्म देने वाला
९. कटोर, जो कोमल न हो (उर्दू)
११. अधिक्तर
१२. उर, खोका, दरहश
१४. ललाई लिए हुए पीले रंग का, पीला
१५. पारंपरिक लोकर कार्य करने वाला
१६. बेजोड़, बेमिसाल
१८. मिश्र की गुजधानी
१९. कठिन परिश्रम
२०. दूर और सूखी जमीन, स्थान
२३. अनेक, कई

वर्ग पहेली-6475	
१	२
३	४
५	६
७	८
९	१०
११	१२
१३	१४
१५	१६
१७	१८
१९	२०
२१	२२
२३	२४

यूसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

अमेरिका ने 50 से अधिक वर्षों के बाद पहली बार की चंद्रमा पर लैंडिंग

लॉस एंजिल्स, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी कंपनी इंटरएक्टिव मशीन्स का पहला चंद्र लैंडर चंद्रमा पर उतर गया है। यह 50 से अधिक वर्षों में चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला अमेरिकी अंतरिक्ष यान है। नासा के अनुसार ओडीसिस नाम का बिना चालक दल वाला लैंडर गुरुवार शाम 6:23 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा। अंतरिक्ष यान को पिछले सप्ताह गुरुवार को फ्लोरिडा में नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से लॉन्च किया गया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार इंटरएक्टिव मशीन्स की चंद्रमा की सतह पर पहली रोबोटिक उड़ान है। मिशन के वैज्ञानिक उद्देश्यों में चंद्रमा की सतह के साथ प्लम-सतह इंटरैक्शन, रेडियो खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष मौसम इंटरैक्शन का अध्ययन शामिल है। नासा के अनुसार, यह सटीक लैंडिंग प्रौद्योगिकियों और संचार और नेविगेशन नोड क्षमताओं का भी प्रदर्शन करेगा। नासा वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा पहल के माध्यम से चंद्रमा की सतह पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी पहुंचाने के लिए कई अमेरिकी कंपनियों के साथ काम कर रहा है।

दैनिक पंचांग
 24 hour astrology service
बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 24 फरवरी, 2024 माघ शुक्ल पक्ष 15

राशिफल

मेघ -आपको उा स्वभाव पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। आज आप मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। अधिक परिश्रम की तुलना में कम फल की प्राप्ति होगी। संतान के विषय में आपको चिंता हो सकती है।

वृषभ -आज आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ करेंगे। उसमें सफलता भी प्राप्ति करोगे। पिता की ओर से आपको लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

मिथुन -नई योजना का आरंभ करने के लिए आज अनुकूल दिन है। सरकारी काम में लाभ होगा। अधिकारियों से काम का उचित फल भी मिल सकता है। भाई-बंधुओं के साथ कोई झगड़ा दूर होगा। विचार लगातार परिवर्तन होते रहेंगे।

कर्क -नेगेटिव विचारों से मन परेशान रह सकता है। मानसिक रूप से स्वस्थता का अनुभव नहीं करेंगे। निराशा और असंतोष की भावना से काम में मन नहीं लगेगा। कटुब्रजों के साथ किसी विषय पर वाद-विवाद हो सकता है।

सिंह -आप में आज आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा रहेगा। किसी भी काम को करने के लिए आप जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं। पिता तथा बड़ों की ओर से लाभ होगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

कन्या -आज इगो के कारण किसी से बातचीत में मनमुटाव हो सकता है। शारीरिक थकान और मानसिक तनाव अधिक रहेगा। मित्रों के साथ किसी बात विवाद हो सकता है। स्वभाव में आशंसा और क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी।

तुला -आपका आज का दिन शुभफलदायी है। कई क्षेत्रों से आपको लाभ होगा। इनकम में भी वृद्धि हो सकती है। मित्रों से लाभ होगा और उनके पीछे धन खर्च भी हो सकता है। पर्यटन स्थल की सैर आपको रोमांचित करेगी।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए अच्छा होगा। व्यापार स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। उच्च अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। आप का हर काम आज सफलता से पूरा होगा। आपको मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु -आज आपका स्वास्थ्य नरम-नरम रह सकता है। शारीरिक रूप से आलस्य और अशांति का अनुभव करेंगे। मन में चिंता रह सकती है। व्यापार में बाधाएं उपस्थित होंगी। गलत कामों से दूरी बनाए रखें।

मकर -आज अचानक धन खर्च होने का योग है। यह खर्च स्वास्थ्य के कारण भी हो सकता है। व्यावहारिक या सामाजिक काम के लिए बाहर जाना हो सकता है। खान-पान में ध्यान रखें। क्रोध तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहें।

कुंभ -रोमांस के लिए आज अनुकूल दिन है। आज का हर कार्य आप दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से पूरा करेंगे। प्रवास-पर्यटन की संभावनाएं हैं। अच्छे भोजन और नए वस्त्र मिलने का अवसर मिल सकता है। भागीदारी से लाभ होगा।

मीन -आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। आज आपके मनोबल और आत्मविश्वास में दृढ़ता का अनुभव होगा। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। स्वभाव और वाणी में उतारा रह सकती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारुवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व जेल अधिकारी को शिवतख्तरी के आरोप में सजा

सिंगापुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर में एक 57 वर्षीय भारतीय मूल के पूर्व जेल अधिकारी को एक कैदी को स्थानांतरित करने के बदले में कुल 1,33,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर की रिश्वत मांगने के प्रयास के लिए शुरुवार को तीन साल से अधिक जेल की सजा सुनाई गई। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेवानिवृत्त वरिष्ठ मुख्य वार्डर कोबी कृष्णा अय्यार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आठ आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, उन्हें अप्रैल 2017 में अपने सहयोगियों को जेल प्रणाली तक पहुंच कर कैदी की जानकारी लेने के लिए उकसाने का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि कोबी ने सितंबर 2015 और मार्च 2016 के बीच आठ अलग-अलग मौकों पर चोंग केंग चाई नाम के एक कैदी से उसकी कार त्रय की किरातों, घर के नवीनीकरण, जन्मदिन समारोह और क्रेडिट कार्ड बिलों का भुगतान करने के लिए रिश्वत मांगी। चोंग को 2005 में अपनी प्रेमिका के सात वर्षीय बेटे की हत्या के लिए 20 साल की निवारक हिरासत की सजा सुनाई गई थी। अदालत को बताया गया कि कोबी ने 3,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर और 42,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर के बीच प्राप्त करने की कोशिश की, लेकिन उसे कोई पैसा नहीं मिला क्योंकि चोंग जानता था कि कोबी के पास उसकी मदद करने की क्षमता या अधिकार नहीं है।

चीन के साथ संबंधों को और घनिष्ठ करना चाहते हैं: आइसलैंड प्रधानमंत्री

बीजिंग, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरिन जैकब्स्डॉटर ने कहा कि वह आइसलैंड-चीन संबंधों के विकास से संतुष्ट हैं और दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने की इच्छुक हैं। जैकब्स्डॉटर ने चीनी लोगों को नए साल की शुभकामनाएं देने के लिए आइसलैंड में चीनी दूतावास का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वह लैंगिक समानता और भू-तापीय, जलवायु परिवर्तन आदि हरित विकास क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सक्रिय रूप से आदान-प्रदान और सहयोग को गहरा करना चाहती हैं ताकि वैश्विक चुनौतियों का बेहतर जवाब दे सकें। उन्होंने चीनी चंद्र पंचांग के लूंग वर्ष (ड्रैगन वर्ष) में आइसलैंड-चीन संबंधों के और अधिक विकास की कामना की। इस दौरान, आइसलैंड में चीनी राजदूत हे रूलूंग ने कहा कि 53 साल पहले चीन और आइसलैंड के बीच राजनयिक संबंधों को स्थापना के बाद से, द्विपक्षीय संबंधों ने



लगातार विकास बनाए रखा है और व्यावहारिक सहयोग लगातार आगे बढ़ा है। चीन-आइसलैंड संबंधों को विभिन्न आकारों और विभिन्न सामाजिक प्रणालियों के देशों के बीच सहयोग का एक मॉडल माना जा सकता है। राजदूत ने यह भी कहा कि चीन दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर आदान-प्रदान को तेज करने, हरित विकास सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने, मानविकी आदान-प्रदान को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए आइसलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहता है।

खान यूनिस के नासिर अस्पताल में फिर से प्रवेश कर गई इजराइली सेना

गाजा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गाजा स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि इजराइली सेना ने अपने सैनिकों को कुछ देर के लिए वापस बुलाने के तुरंत फिर से नासिर अस्पताल में सशस्त्र सैनिकों के साथ घर बखरबंद वाहनों भेजे। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने गुरुवार को शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजराइली सेना ने परिसर को सैन्य बैरक में बदल दिया है। इजराइल के चैनल 13 समाचार की एक पूर्व रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अस्पताल में अपना ऑपरेशन समायोजन कर दिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने समाचार एजेंसी को बताया कि अस्पताल में 120 से अधिक घायल लोगों और मरीजों के साथ-साथ चिकित्सा टीम भी हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के दूसरे सबसे बड़े अस्पताल में बिजली, पानी, भोजन, ऑक्सीजन और गंभीर मामलों के लिए उचित चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अस्पतालों के सैन्यीकरण को समाप्त करने और सभी मानवीय और चिकित्सा जरूरतों को प्रदान करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने का आग्रह किया।

दो दिन पहले, इजराइली सार्वजनिक रेडियो ने बताया कि नासिर अस्पताल क्षेत्र में लड़ रहे सैन्य बलों को वहां अपने पूर्ण नियंत्रण के लिए कुछ और दिनों की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि अस्पताल बड़ी संख्या में हमास लड़ाकों की शरणस्थली बन गया था, जो उत्तरी गाजा पट्टी से भाग गए थे। इनमें से दर्जनों मारे गए हैं।



खुलासा रावलपिंडी के पूर्व कमिश्नर ने किया दावा पीटीआई ने चुनाव में धांधली करवाने के लिए 'लाभदायक पद' की पेशकश की थी

इस्लामाबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रावलपिंडी के पूर्व कमिश्नर लियाकत अली चट्टा ने पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए आम चुनावों में धांधली से संबंधित अपने सभी आरोपों को वापस लेते हुए कहा कि यह इसके लिए 'बेहद शर्मिंदा है' और दावा किया कि उन्होंने यह कदम पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक नेता के साथ तालमेल कर उठाया था। यह बात एक मीडिया रिपोर्ट में कही गई।



जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चट्टा ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) को दिए एक बयान में कहा, 'मैं अपने किए काम की पूरी जिम्मेदारी लेता हूँ और किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करता हूँ।' चट्टा ने पिछले शनिवार को एक नाटकीय घटनाक्रम में इस्तीफा दे दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके 'मिनेक' उन्हें दोषी माना, क्योंकि उन्होंने शहर में हुए चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली करवाई। चट्टा के इस खुलासे से देश में राजनीतिक पारा और बढ़ गया। कमिश्नर ने दुर्लभ प्रेस कॉन्फ्रेंस में रावलपिंडी डिवीजन में हुई 'धांधली' की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, 'हमने हारे हुए लोगों को 50,000 वोटों के अंतर से विजयताओं में बदल दिया।' उनके आरोपों के जवाब में पीटीआई, जमात-ए-इस्लामी (जेआई), और

'मैं अपने किए काम की पूरी जिम्मेदारी लेता हूँ और किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करता हूँ:- लियाकत अली चट्टा, पूर्व कमिश्नर'

अन्य राजनीतिक दल - जिन्होंने से अधिकारियों ने पहले ही चुनाव परिणामों को खारिज कर दिया था - ने मामले को जांच की मांग की। उसी प्रेसवार्ता में चट्टा ने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा

पर भी धांधली को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उनके आरोपों का जवाब देते हुए सीजेपी ईसा ने पूर्व कमिश्नर से उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के समर्थन में सबूत दिखाने की मांग की। हालांकि, चट्टा ने अपने आरोपों को वापस लेते हुए खुलासा किया कि यह सब इमरान खान द्वारा स्थापित पीटीआई के साथ तालमेल के तहत किया था, क्योंकि इससे बदले 'भविष्य में मेरे लिए आकर्षक पदों' की पेशकश की गई थी।

प्रादेशिकी

बनभूलपुरा हिंसा के 16 दिन बाद अता की गई जुम्मे की जमाज

हल्द्वानी। बनभूलपुरा हिंसा के शुरुआत को 16 दिन हो गए हैं। इसके बाद अब जनजीवन पटरी पर लौट रहा है। जिसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुम्मे का नमाज अता की। जुम्मे की नमाज के दौरान जिला प्रशासन के साथ-साथ पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही। इस दौरान बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गयी थी। सिटी हल्द्वानी ऋषा सिंह ने बताया सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामात किये गये हैं। उन्होंने कहा कर्फ्यू हटने के बाद शुरुआत को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुम्मे का नमाज अता की। इस दौरान उन्होंने लोगों को शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया बनभूलपुरा क्षेत्र के हालात सामान्य हो चुके हैं। दुकानें अब धीरे-धीरे खुलनी शुरू हो गई हैं। जगह-जगह पैरामिलिट्री फोर्स तैनात हैं।

पाँग डैम के वैटलैंड एरिया में खेती करने की अनुमति : सुक्खू

- अभी इको सेंसिटिव जोन की नहीं हुई है अधिसूचना जारी
- बोटिंग के लाइसेंस जारी करने को पर्यटन विभाग को दिए निर्देश

शिमला, 23 फरवरी (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के विश्व प्रसिद्ध पाँग डैम एरिया वैटलैंड में अब खेती-बाड़ी भी हो सकेगी। सरकार ने इस साल से इसकी इजाजत दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुरुआत को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक होशियार सिंह के मूल और भवानी सिंह पठानिया व बिक्रम सिंह के प्रतिपूरक के सवाल के जवाब में यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाँग डैम एरिया को अभी तक इको सेंसिटिव जोन घोषित नहीं किया गया है और न ही इसकी कोई अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसे अधिसूचित किया जाएगा, उससे पहले संबंधित विधानसभा हलकों के विधायकों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अभी वाइल्ड लाइफ सेंसिटिव एरिया से कुछ हिस्से को हटाने के प्रयास कर रही है, लेकिन इसके नियम काफी कड़े हैं। उन्होंने कहा कि पहले वाइल्ड लाइफ सेंसिटिव एरिया की अधिसूचना जारी होगी और उसके बाद इको सेंसिटिव जोन बनाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला काफी गंभीर है और विधायक काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि



सरकार उनकी चिंता से वाकिफ है और जल्द ही सभी से विचार-विमर्श किया जाएगा और वे पीसीसीएफ को भी लिखकर दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। इसका कारण प्राकृतिक आपदा और बोटिंग के लाइसेंस पिछले लंबे समय से जारी न होना है। उन्होंने कहा कि पाँग डैम में वित्त वर्ष 2021-22 में 881680 रुपए और वर्ष 2022-23 में 216810 और वर्ष 2023-24 में इस साल 15 जनवरी तक 236150 रुपए की आय टिकट बिक्री, बोटिंग और रेस्ट हाउस से हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-22 में 4956, वर्ष

जल जीवन मिशन के तहत केंद्र से मांगा दो हजार करोड़, 138 स्कीमों का कार्य अभी भी अधूरा: हर्षवर्धन चौहान

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अभी भी 138 स्कीमों का कार्य अधूरा है। इस कार्य को पूरा करने और बचे हुए पेयजल कनेक्शन जारी करने के लिए केंद्र सरकार से दो हजार करोड़ रुपए की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 15 जनवरी 2024 तक 1163 योजनाएं स्वीकृत हुईं व इन योजनाओं की 2470.21 करोड़ रुपए की प्रशासनिक अनुमोदन व व्यय स्वीकृति हुई। वे विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक बिपिन सिंह परमार, दलीप ठाकुर और सुखराम चौधरी के संयुक्त सवाल का जवाब दे रहे थे। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के सभी घरों में पानी का कनेक्शन लग गया है और इसे आधार से लिंक किया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिवार के सदस्य अलग-अलग जगहों पर रहते हैं और घर के मुखिया को ही पेयजल कनेक्शन मिले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सभी घरों को चिह्नित करेगी और वहां पर पेयजल कनेक्शन जारी करेगी। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी 2024 तक 2257.50 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय हुई तथा इन योजनाओं से 6,75,892 घरों/परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2020-21 से 15 जनवरी 2024 तक जल जीवन मिशन के तहत सभी को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान कर दिए गए हैं। जल जीवन मिशन जल शक्ति मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार प्रदेश में कोई भी कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन शेष नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि कई स्थानों पर पेयजल कनेक्शन लगने बाकी हैं।

2022-23 में 2198 और वर्ष 2023-24 में अब तक 1728 सैलानी यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-22 में 110 प्रजाति के 110309 पक्षी, वर्ष 2022-23 में 108 प्रजाति के 117022 और वर्ष 2023-23 में अब तक 86 प्रजाति के 83555 पक्षी यहां पर आए हैं।

इस बीच, कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने कहा कि इको सेंसिटिव जोन की अब अधिसूचना जारी की,

उस समय किसी से भी आपत्तियां नहीं मंगवाई गईं, जबकि ऐसा होना चाहिए था कि पहले आपत्तियां मंगवाते। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय वैटलैंड है और यहां कई तरह के नियम यहां लागू होते हैं। उन्होंने कहा कि इको सेंसिटिव जोन बनने के बाद वहां किसी भी तरह के निर्माण के लिए पहले अनुमति अनिवार्य हो जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि यह अधिसूचना वापस होनी चाहिए।

सैनिक कल्याण मंत्री ने की चमोली में सैनिक स्कूल खोलने की मांग



देहरादून, 23 फरवरी (देशबन्धु)।

उत्तराखण्ड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सैनिक स्कूल के निर्माण का अनुरोध किया है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह करते हुए कहा कि राज्य का जनपद चमोली एक सीमांत होने के साथ-साथ सैनिक बाहुल्य जनपद है। उन्होंने कहा कि सैनिक के रूप में राष्ट्र सेवा का जन्मा यहां के लोगों में कूट-कूट कर भरा है। यही कारण है कि यहां सैनिक एवं पूर्व सैनिक अपने बच्चों को सैनिक परिवेश के स्कूलों में प्रवेश के लिए हमेशा ही उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा सीमांत जनपद चमोली एवं निकटतम क्षेत्र में कोई भी सैनिक स्कूल/धार्मिक पब्लिक स्कूल संचालित नहीं है। यहां के पूर्व सैनिकों द्वारा कई वर्षों से मांग की जाती आ रही है कि जनपद चमोली में भी जनपद पिथौरागढ़ स्थित जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल की भांति ही एक आर्मी पब्लिक स्कूल की स्वीकृति स्थापित करने का अनुरोध किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात

पब्लिक स्कूल संचालित ध्वंसीकृत हो सके, जो देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से संचालित हो। ताकि इस पहाड़ी क्षेत्र से सैनिकों ध्वंसीकृत एवं उनके परिवारों का अन्य क्षेत्रों में उत्तराखंड की मुख्य समस्याओं का जनपद चमोली एक सीमांत होने के साथ-साथ सैनिक बाहुल्य जनपद है। उन्होंने कहा कि सैनिक के रूप में राष्ट्र सेवा का जन्मा यहां के लोगों में कूट-कूट कर भरा है। यही कारण है कि यहां सैनिक एवं पूर्व सैनिक अपने बच्चों को सैनिक परिवेश के स्कूलों में प्रवेश के लिए हमेशा ही उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा सीमांत जनपद चमोली एवं निकटतम क्षेत्र में कोई भी सैनिक स्कूल/धार्मिक पब्लिक स्कूल संचालित नहीं है। यहां के पूर्व सैनिकों द्वारा कई वर्षों से मांग की जाती आ रही है कि जनपद चमोली में भी जनपद पिथौरागढ़ स्थित जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल की स्वीकृति स्थापित करने का अनुरोध किया गया।

सार संक्षेप

नशे की लत में पड़कर लक्ष्य से भटक रहा युवा : भावर्न

देहरादून। कर्नल राजीव भावर्न ने कहा कि आज का युवा नशे की लत में पड़कर अपने लक्ष्य से भटक रहा है। आज कर्नल राजीव भावर्न ने परेड जाउंड स्थित एक क्लब में सेंट जोसेफ स्कूल, छुटमलपुर (सहारनपुर) के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। उन्होंने बताया कि आज का युवा अपने लक्ष्य से भटकता जा रहा है। आज की युवा शक्ति नशे की गिरफ्त में फंसी जाती रही है। इस बुरे चलन को रोकना जा सकता है अगर हम समय रहते उनमें अच्छे संस्कार व देश भक्ति का जज्बा पैदा कर दें। ये काम एक स्कूल से बेहतर और कोई नहीं कर सकता है इसलिए हम इस सत्र से अपनी अकेडमी को सेंट जोसेफ स्कूल, छुटमलपुर (सहारनपुर) से जोड़ रहे हैं। अकेडमी में बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। जिसमें एन.डी.ए. एस. एस. बी और आर्मी व अन्य पुलिस फोर्स की तैयारी कराई जायेगी। बच्चों के अंदर ऐसे संस्कार डाले जायेंगे कि वो अपने परिवार व अपने देश का नाम रोशन कर सकें। सेंट जोसेफ स्कूल, छुटमलपुर एक ऐसे क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाए हुए है जो कि शिक्षा के मामले में पिछड़ा हुआ है। स्कूल चेंबरमैन शिशिर राणा उस क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के प्रति सजग है। चेंबरमैन ने माइकल डिसूजा को प्रधानाचार्य के रूप चुना है जो कि शिक्षा के प्रति अपनी समर्पित, जुनून और कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं।

सीएम ने चयनित अभ्यर्थियों को बाटे नियुक्ति पत्र

देहरादून। उत्तराखंड सरकार लोकसभा चुनावों से पहले कई विभागों में लगातार नियुक्ति पत्र बांट रही है। आचार संहिता लागू से पहले सरकार ऐसा करके काफी हद तक माहौल अपने पक्ष में भी कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लोक सेवा आयोग के माध्यम से कृषि विभाग के अंतर्गत सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस समारोह पर सीएम धामी ने कहा कि जो भी कार्य करें, उसे पूर्ण ईमानदारी और लगन से करें तथा पूरी कोशिश करें, पूरी कोशिश करें कि जो काम आज होना है, उसे आज ही सम्पन्न करें। मुख्यमंत्री धामी ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब वे उत्तराखंड शासन, प्रशासन का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सभी लगन और मेहनत से अपने कार्य को निपुणता से करेंगे, इसकी उन्होंने अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हों, हमारा यह प्रयास धीरे-धीरे धरातल पर उतरने लगा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में अधिक से अधिक युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के और अधिक अवसर मिल पाएंगे।

सुडोकू 6475 का हल

3	1	2	7	8	9	6	5	4
6	5	8	1	2	4	9	7	3
4	9	7	6	5	3	1	8	2
2	7	5	3	4	6	8	1	9
1	3	9	2	7	8	4	6	5
8	4	6	5	9	1	3	2	7
7	8	3	9	1	2	5	4	6
5	6	1	4	3	7	2	9	8
9	2	4	8	6	5	7	3	1

गैरसैंण पर कांग्रेस कर रही है राजनीतिक ढोंग: अग्रवाल

देहरादून, 23 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति का सिलसिला शुरू हो गया है। कांग्रेस और भाजपा एक दुसरे पर आरोप लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। जिससे प्रदेश में राजनीतिक माहौल गर्माने लगा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कर्नल माहारा द्वारा 27 फरवरी को गैरसैंण में प्रतीकात्मक विधानसभा सत्र आयोजित करने की घोषणा पर संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि गैरसैंण को लेकर कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक झुमा करती रही है।

प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि काल्पनिक विधानसभा सत्र आयोजित करने वालों को चाहिए कि वह अपना एक काल्पनिक मुख्यमंत्री भी चुन लें इससे क्या फर्क पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस यथार्थ में तो कहीं दिखती नहीं है कल्पनाओं में रहकर ही अगर कांग्रेस खुश है अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रारंभिक दौर से लेकर आज तक गैरसैंण को



कांग्रेसियों ने बताया सत्ता के अहंकार से प्रेरित बयान

लेकर कभी गंभीर नहीं रही है, अगर वह गंभीर रही होती तो वह खुद भी गैरसैंण को राज्य की स्थायी राजधानी घोषित कर सकती थी। लेकिन जब भाजपा ने गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर दिया तो वह स्थायी राजधानी की बात करके लोगों को भड़काने में लगी हुई है।

उन्के इस बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इस तरह की बातें वह सत्ता के अहंकार में कर रहे हैं उन्होंने तो भाजपा का वह वक्त भी देखा है जब उसके दो

सांसद होते थे। सत्ता सदैव किसकी रही है आज उनके पास सत्ता है तो वह हमेशा नहीं रहेगी। गैरसैंण में बजट सत्र आयोजित न कराये जाने पर इससे पूर्व हरीश रावत ने भी कहा था कि जिन्हें पहाड़ की सर्दी से डर लगता है उन्हें पहाड़ की राजनीति छोड़ कर चले जाना चाहिए। उधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि कांग्रेस गैरसैंण को लेकर नाटक कर रही है। यही नहीं कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कहकर अनिच्छा जताने पर कांग्रेस व भाजपा के नेता वायकूप्रतिवार करते रहे हैं। महेंद्र भट्ट का कहना है कि जब हार सुनिश्चित दिख रही हो तो हारने के लिए कौन चुनाव लड़ेगा। हार से डर के कारण ही बड़े नेता चुनाव लड़ने से बच रहे हैं। भट्ट के इस बयान पर प्रीतम सिंह का कहना है कि वह खुद कितनी बार चुनाव हारे हैं उन्हें यह भी याद रखना चाहिए। हार जीत तो चुनाव का हिस्सा है क्या उन्होंने हारने के बाद राजनीति छोड़ दी।

क्षेत्र में घूमता गुलदार सीसीटीवी कैमरे में कैद

श्रीनगर, 23 फरवरी (देशबन्धु)। कीर्तिनगर विकासखंड में बीते रोज गुलदार ने पांच महिलाओं पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिनका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उसके बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं घटना के बाद गुलदार



घर से बाहर निकलने में कतरा रहे लोग

ने हिम्मत नहीं हारी, उन्होंने शोर और पत्थर बरसाकर गुलदार को भागने पर विवश कर दिया। लेकिन जाते-जाते गुलदार ने एक और महिला पर हमला कर दिया, लेकिन महिला के शोर करने के बाद गुलदार झाड़ियों में भाग गया। गुलदार के हमले में मेघना 30 साल, सुमित्रा 32 साल, सम्पदा देवी 70 साल, बसंत गिरी 90 या, प्रकाशी देवी 60 साल घायल हो गए। घटना के बाद शिक्षा विभाग ने विकासखंड के सारे सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

कोटद्वार, 23 फरवरी (देशबन्धु)। भारत सरकार के केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजजू आज कोटद्वार पहुंचे। किरन रिजजू के कोटद्वार पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। कोटद्वार पहुंचने के बाद किरन रिजजू ने बताया लैंसडाउन कैंट बोर्ड में डॉक्टर रंजित का शुभारंभ किया जाना है। उन्होंने कहा उत्तराखंड हिमालयन राज्य होने से प्राकृतिक दैवीय आपदाओं के लिए लिहाज से खतरनाक जोन है। लैंसडाउन में डॉक्टर रंजित लगे से प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं की सटीक जानकारी मौसम विभाग को मिल सकेगी। लैंसडाउन में डॉक्टर रंजित लगे से प्राकृतिक आपदाओं की सटीक जानकारी मिलने से लगे से प्राकृतिक आपदाओं से निजात मिल सकेगी। लैंसडाउन में सैन्य छावनी होने से

गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में दिन-रात अलर्ट मोड में रहे वन विभाग: धामी

देहरादून, 23 फरवरी (देशबन्धु)। राज्य में लगातार हो रहे गुलदार और बाघों के हमलों को देखते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को वन विभाग के अधिकारियों को दिन-रात अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को इस तरह की घटनाएं रोकने को लेकर प्रभावी कार्ययोजना बनाने को कहा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर गंभीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने गुलदार और बाघों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए वन सचिव एवं वन्यजीव प्रिंटेपल को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में विभाग को चैबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा जाए और प्रशिक्षित वनकर्मीयों की क्लिक रिस्पॉंस टीम गठित कर उसे तत्काल मौके पर भेजा जाए। जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए गांव और जंगल की सीमा पर सोलर फेंसिंग (तार बाड़) लगाई जाए।

कहा कि लंबे समय से यह देखने में



- घटनाएं रोकने को लेकर प्रभावी कार्ययोजना बने
- गांव और जंगल की सीमा पर सोलर फेंसिंग लगेगी
- वनकर्मीयों की क्लिक रिस्पॉंस टीम गठित करने के लिए निर्देश

आ रहा है कि राज्य के अलग अलग हिस्सों में वन्य जीवों के हमलों को रोकने में वन विभाग बेबस हो रहा है। इसे दृष्टिगत रखते हुए इन घटनाओं को रोकने के लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जाए। प्रशिक्षित पशु चिकित्सक मानव वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से इलाकों में चैबीस घंटे तैनात रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वन्यजीव रैस्क्यू सेंटर गुलदार और बाघों से भरे

पड़े हैं। अब वहां अन्य पकड़े गए वन्य जीवों को रखने की जगह नहीं है, लिहाजा इसके लिए भी तुरंत कार्ययोजना बनाई जाए।

बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बीते माह वन्य जीव प्रिंटेपल को निर्देश दिए थे कि राज्य के रैस्क्यू सेंटर के गुलदार और बाघों को दूसरे राज्यों के चिडियाघर/वन्यजीव रैस्क्यू सेंटर में शिफ्ट करने के लिए वहां के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करें, ताकि यह समस्या हल हो सके। इस दिशा में अभी तक कोई अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर मुख्यमंत्री धामी ने आज पुनः इस सम्बंध में तत्काल कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वन्यजीव संघर्ष की घटना की स्थिति में स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की है। इस मामले में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जंगलों से सटे गांवों में शत प्रतिशत शौचालय और गैस कनेक्शन दिए जाने की योजना बनाई जाए ताकि लोग जंगलों का रुख न करें।

हिमाचल प्रदेश की छह फीसदी आबादी मानसिक तनाव में

हिमाचल प्रदेश की छह फीसदी आबादी मानसिक तनाव में है। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने राज्य में मेंटल हेल्थ पॉलिसी को कड़ाई से लागू करने का फैसला लिया है। यह बात स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने शुक्रवार को विधानसभा में कांग्रेस विधायक भवानी सिंह पठानिया द्वारा राज्य में मेंटल हेल्थ को लेकर गैर सरकारी संकल्प दिवस पर लाए गए निजी संकल्प पर हुई चर्चा के जवाब में कही। बाद में मंत्री के जवाब से संसुट विधायक भवानी सिंह पठानिया ने अपना संकल्प वापस ले लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस मौके पर घोषणा की कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी 69 आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में मनोचिकित्सक और काउंसलर की तैनाती करेगी। उन्होंने टांडा मेडिकल कालेज में स्थित मेंटल हेल्थ अस्पताल को मजबूत करने और यहां सुविधाएं जुटाने की भी बात कही। उन्होंने

आधुनिक लाइफ स्टाइल को मानसिक तनाव और नशे की बढ़ती समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में नशे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के मौके पर राज्य में आदर्श नशा निवारण केंद्र खोलने की घोषणा को अंजाम देने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके लिए हाल ही में सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग को सचिव की अध्यक्षता में सभी उपायुक्तों की बैठक हुई। इसमें उपायुक्तों को अपने-अपने जिले में आधुनिक नशा निवारण केंद्र खोलने के लिए 30 से 40 बीघा उपयुक्त जमीन तलाशने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन आदर्श नशा निवारण केंद्रों में 200 से 300 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। ये आदर्श नशा निवारण संस्थान केंद्र सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत हर जिले में खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी मानसिक रोगों में



बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण है और प्रदेश सरकार इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। इसके लिए मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और बुनियादी ढांचे की विभिन्न विभागों व केंद्र सरकार के साथ मिलकर मजबूत किया जा रहा है।

आज हर कोई व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान- भवानी

निजी संकल्प पर चर्चा शुरू करते

हुए विधायक भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में मानसिक रूप से परेशान लोगों की सुविधा के लिए आधारभूत ढांचा बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखें तो हिमाचल प्रदेश में 15 लाख से ज्यादा लोग मानसिक रूप से पीड़ित होंगे। उन्होंने कहा कि हर कोई व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान है और यही कारण है कि सुसाइड भी बढ़ रहे हैं। छात्रों में भी सुसाइड बढ़ रहा है।

प्रदेश सरकार का राज्य में मेंटल हेल्थ पॉलिसी को कड़ाई से लागू करने का फैसला

आज प्रतिस्पर्धा के दौर में युवा वर्ग इस बीमारी से ज्यादा पीड़ित है क्योंकि उन पर खासा दबाव है। उनका कहना था कि समाज में एक सोशल स्टिग्मा है कि मानसिक रोग के बारे में बात नहीं करते। डॉक्टर भी पास भी व्यक्ति को नहीं ले जाते कि कहीं समाज में पता चल जाएगा। इसलिए लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रदेश में मनोचिकित्सकों की आवश्यकता पर बल देते कहा कि उनके साथ काउंसलर और सोशल वर्कर्स की जरूरत है जो समाज में जागरूकता लाएं। उन्होंने हरेक सविल अस्पताल में मनोचिकित्सक की नियुक्ति की मांग उठाई। भवानी पठानिया ने यहां तक कहा कि हम विधायकों में से भी 20 फीसदी लोग मानसिक रूप से परेशान होंगे, क्योंकि सभी पर खासा दबाव रहता है।

मानसिक बीमारों का हो सर्व : डा. हंसराज भाजपा विधायक डॉ. हंसराज ने कहा कि सभी लोगों को मेंटल हेल्थ ठीक नहीं है क्योंकि इच्छाएं खत्म नहीं होतीं और सभी लोग उनके पीछे भागते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज स्थिति ऐसी हो गई है कि घर में किसी को एक दूसरे से बात करने का समय नहीं है। माता-पिता दोनों वर्कर्स हैं तो और भी ज्यादा दिक्कत है। ऐसे में जच्चों में भी बेहद ज्यादा दबाव है। उन्होंने विधायकों का उदाहरण देते कहा कि वह खुद तनाव में रहते हैं। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के एक स्कूल में लगे एक अंध्याकर का उदाहरण देते कहा कि वह विधायकों को खुलेआम अंध भाषा का प्रयोग हैं। उन्होंने मानसिक तनाव के दौर में परिवारों को मजबूत करने की बात कही। उन्होंने एक महिला अधिकारी का भी जिक्र करते हुए कहा कि वह हमेशा सेल्फी लेते ही दिखती हैं। उनके बारे में भी आला अधिकारियों को देखना चाहिए कि उनके अफसर क्या कर रहे हैं।

प्रादेशिकी

मुफ्त में उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों के चेहरे रिले

फर्रुखाबाद, 23 फरवरी (देशबन्धु)। एस.एन.साध ट्रस्ट के सौजन्य एवं डॉ.रजनी सरीन के संयोजन में आयोजित दिव्यांग शिविर का उद्घाटन मेधा ब्रह्मापुकार हैदराबाद (राष्ट्र सेवा समिति की प्रधान सचिव) ने किया। इस अवसर पर हड्डि रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध वर्मा, डॉ. एके गुप्ता भी उपस्थित रहे। शिविर में जयपुर फुट नामक भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति के 6 विशेषज्ञ अपनी सेवा दे रहे हैं। इंग्रटी के स्पेशलिस्ट डॉ. शिखर सक्सेना तथा उनकी टीम परीक्षण कर मरीजों को ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क दवाएं तथा कान की मशीनें दे रहे हैं। दिव्यांग सेवा शिविर में एस. एन. साध ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी राकेश साध तथा चमकेश साध अपनी विशेष सेवा दे रहे हैं। डॉ. कार्तिकेय सिंह और डॉ. के जी बाथम अपनी विशेष सेवाएं दे रहे हैं।

केंद्र की दूरदर्शी नीतियों के कारण अब वामपंथी उग्रवाद खो चुका अपना आधार : अमित शाह

लखनऊ, 23 फरवरी (देशबन्धु)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने के लिए एक आक्रामक रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों के कारण आज वामपंथी उग्रवाद अपना आधार खो चुका है। मोदी सरकार के कड़े प्रहार से आज देश में वामपंथी उग्रवाद का संपूर्ण खाल्टा हो रहा है। वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर का हुआ विकास। मोदी सरकार ने सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकारों को साथ लेकर चलते हुए लोगों का विश्वास जीता है। वर्ष 2004-14 के मुकाबले 2014-23 के दशक में वामपंथी उग्रवाद-संबंधित हिंसा में 52 प्रतिशत और मृतकों की संख्या में 69 प्रतिशत की कमी आई। वामपंथी उग्रवाद के कारण सुरक्षाबलों की मृत्यु 1750 से घटकर 485 (72 प्रतिशत की कमी) नागरिकों की मृत्यु 4285 से 1383 (68 प्रतिशत की कमी) आई है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने के लिए एक आक्रामक रणनीति अपनाई है। प्लेटफॉर्म पर पोस्ट्स की श्रृंखला में अमित शाह ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद पर मोदी सरकार के कड़े प्रहार



राज्य सरकारों को साथ लेकर चलते हुए लोगों का विश्वास जीता
स्वास्थ्य, शिक्षा व इन्फ्रास्ट्रक्चर का हुआ विकास

के परिणामस्वरूप आज ये समस्या खत्म होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से मोदी सरकार ने यहां के गरीबों के दिलों को जीता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी की विजयी नीतियों के कारण आज वामपंथी उग्रवाद अपना आधार खो चुका है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने वामपंथी

उग्रवाद संबंधित हिंसा में आई कमी

गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2004-14 के मुकाबले 2014-23 के दशक में वामपंथी उग्रवाद-संबंधित हिंसा में 52 प्रतिशत और मृतकों की संख्या 6035 से 69 प्रतिशत कम होकर 1868 हो गई है। इसी प्रकार वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 14,862 से कम होकर 7,128 रह गई हैं। वामपंथी उग्रवाद के कारण सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 2004-14 में 1750 से 72 प्रतिशत घटकर 2014-23 के दौरान 485 हो गई है और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 68 प्रतिशत घटकर 2014-23 के दौरान 485 हो गई है। इसके साथ-साथ हिंसा रिपोर्ट करने वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 2010 में 96 थी, जो 2022 में 53 प्रतिशत घटकर 45 रह गई। इसके साथ-साथ हिंसा रिपोर्ट करने वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 2010 में 465 से घटकर 2022 में 176 रह गई।

उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा के प्रति होलिस्टिक अप्रोच अपनाते हुए वामपंथी उग्रवाद पर करारा प्रहार किया है।

सलमान खुर्शीद लड़ सकते हैं निर्दलीय चुनाव

फर्रुखाबाद, 23 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा सीट के लिए सपा-कांग्रेस गठबंधन में फर्रुखाबाद सीट सपा के खाते में आई है और समाजवादी पार्टी इस सीट पर अपना उम्मीदवार का ऐलान कर चुकी है। लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन फाइनल हो गया है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद के बागी सुर दिखे हैं। माना जा रहा है कि सलमान खुर्शीद यूपी की फर्रुखाबाद सीट पर निर्दलीय मैदान में आ सकते हैं। वहीं सलमान खुर्शीद ने एक्स पर पोस्ट लिखकर इस सीट को लेकर हाईकमान पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। दिलचस्प बात यह है कि सलमान खुर्शीद कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति के सदस्य हैं लेकिन उन्हें उनकी फर्रुखाबाद सीट ही नहीं मिल पाई। सपा-कांग्रेस गठबंधन में फर्रुखाबाद सीट सपा के खाते में आई है और समाजवादी पार्टी इस सीट पर अपना उम्मीदवार का ऐलान कर चुकी है। वहीं कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-फर्रुखाबाद से मेरे रिश्तों के कितने इतिहास का सामना करना पड़ेगा। सवाल मेरा नहीं पर हमारे सब के मुस्तकबिल का है, आने वाली नस्लों का है। किस्मत के फिसलों के सामने कभी झुका नहीं, टूट सकता हूँ, झुकूंगा नहीं। तुम साथ देने का वादा करो, मैं नगम सुनाता रहूँ। बता दें कि लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटों पर वह सपा उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करेगी।

पाइप लाइन डालने को खोद दीं नगर की सड़कें, दुर्घटनाओं में हुई बढ़ोतरी

अनिल शर्मा

मवाना, 23 फरवरी (देशबन्धु)। जल निगम ने पेयजल के लिए पाइप लाइन बिछाने के लिए मवाना नगर की अधिकांश सड़कों को खोदकर डाल दिया, जहां पाइपलाइन बिछे कई माह हो गये, वहां भी सड़क उधड़ी पड़ी है। अब ये सड़कें व गलियां दुर्घटना का कारण बन रही हैं। नगर की ज्यादातर सड़कें खुदी होने से राहगीरों व व्यापारियों को दिक्कतों का दर्द झेलना पड़ रहा है। अमृत 2.0 (अटल मिशन फॉर रिजुवेंशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) योजना के तहत मवाना नगर क्षेत्र के हर घर को पानी के कनेक्शन देने की तैयारियां हैं। इस योजना के तहत मवाना नगर को पांच जोन में बांटा गया है। पहले जोन में डिकौली कालोनी के प्राइमरी स्कूल में दो हजार किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक व ट्यूबवेल, जोन दो में मवाना नगर में डिकौली गेट के पास नगर पालिका की भूमि पर ओवरहेड टैंक व ट्यूबवेल, जोन तीन में नगर पालिका आवास परिसर में बनी पुराने ओवरहेड टैंक की मरम्मत व अन्य कार्य होने हैं। गाजियाबाद जल निगम के अफसरों के अनुसार इसी योजना में पांचों ओवरहेड टैंकों को भरपूर मात्रा में पानी की उपलब्धता कराने को 15 नए नलकूप बनाने की योजना है। नगर में 138 किमी नई पाइप लाइन बिछेगी, जिसमें से



16 हजार नये कनेक्शन जारी किए जाएंगे।

नागरिकों को लगातार हो रही परेशानी

मवाना नगर में छह माह से जल निगम की ओर से पानी की पाइप लाइन डालने की प्रक्रिया चल रही है। मुख्य सड़कों व गलियों को खोदकर पाइप लाइन डाली जा रही है। इसके बाद सड़क को जलनिगम की ओर से वेसे ही छोड़ दिया जा रहा है। इससे राहगीरों को मुसीबत बनी हुई है। आए दिन ई-रिक्शा इन सड़कों पर पलट जाते हैं। मोहल्ला अशोक विहार निवासी तीर्थराम व पुष्पेन्द्र रस्तोगी ने बताया कि जल निगम के उकेदार खुदाई कर छोड़ रहे हैं। गलियों में दिन भर धूल फांकनी पड़ रही है। इतना ही नहीं, धूल बंद मकान में अंदर तक आ जाती है। दिन भर सफाई में लगे रहते हैं। सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य ने चेयरमैन को बताया कि सड़कें खुद जाने पर पानी की उपलब्धता कराने पर भर जाता है, जिस कारण स्कूली बालक गंदे पानी में गिर जाते हैं।

सार संक्षेप

पेपर देकर लौट रहे छात्र की मौत

मेरठ। दौराला ब्लॉक के बड़कीली नेकपुर गांव निवासी रोहन 12वीं का छात्र था। इस समय रोहन पुत्र कुन्नु के यूपी बोर्ड के पेपर चल रहे थे। रोहन आरके इंटर कॉलेज बड़कीली का छात्र था। शुक्रवार को रोहन नागरिक शास्त्र का पेपर देकर स्पेलेंडर बाइक से लौट रहा था। उसका सेंटर सरधना के सेंट बार्जेस इंटर कॉलेज में पड़ा था। रोहन दोपहर 1 बजे पेपर खून्ने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। तभी अटरेनर की ओर से आते हुए नगला गांव थाना सरधना के सामने उसका एक्सीडेंट हो गया। पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

इच्छुक व्यक्ति सात दिवस के अंदर उपलब्ध कराए आवेदन पत्र

मेरठ। कर्नल प्रशासनिक अधिकारी शरद पाठक ने बताया कि कृषक इंटर कॉलेज मवाना के निकट पीआई मेसर्सआवास हेतु एक भवन की आवश्यकता है, जिसमें शौचालय एवं स्नानघर सहित 3500-3600 वर्ग फुट का कवर्ड एरिया हो। इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन पत्र, भवन का नक्शा, किराये का विवरण विज्ञापन प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर कमांडिंग ऑफिसर, 73 यूपी बटालियन एनडीसी कृषक इंटर कॉलेज परिसर मवाना मेरठ कार्यालय में उपलब्ध करा सकते हैं।

अंधेरे में पेपर देते मिले छात्र

फर्रुखाबाद। यूपी बोर्ड की जनपद में 79 केंद्रों पर हाई स्कूल व इंटर की परीक्षा आयोजित हुई जिसमें कमालगंज में अख्यवस्था मिली। केंद्र पर अंधेरे में बच्चे परीक्षा देते मिले। इसके साथ ही केंद्र व्यवस्थापक की डिप्यूटी जिस विद्यालय में लगी थी उसी विद्यालय में उनके बच्चे भी परीक्षा देते मिले। जिस पर केंद्र व्यवस्थापक को हटया गया। जनपद में प्रथम दिन हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 26493 छात्रों को बैठना था जिसमें से 1817 परीक्षा देते नही पहुंचे। कुल 24,616 छात्रों में परीक्षा दी। वहीं इंटर में कुल 21403 छात्रों को बैठना था जिसमें से कुल 942 ने परीक्षा से किनारा कर लिया जिसमें कुल 20,461 छात्र ही बैठे।

हाईस्कूल पेपर देने गयी दो छात्रायें लापता

फर्रुखाबाद। हाईस्कूल का पेपर देने गयीं दो छात्रायें वापस घर नही पहुंची 7 काफी खोजबीन के बाद जब उनका पता नही चला तो परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की। शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी 14 वर्षीय छात्रा हाईस्कूल का पेपर देने शहर के ही एक विद्यालय में सुबह लगभग 6:30 बजे गई थी। उसके साथ उसके ही रिश्तेदारी की छात्रा भी गयी थी। पेपर समाप्त होने के बाद जब दोनों वापस नही आयीं तो परिजनों ने उनकी खोज शुरू की। उसकी सहेलियां और परिचितों से पता किया लेकिन उनका सुराग नही लगा जिसके बाद परिजनों ने शहर कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

सूचना

मेरा नाम प्रियंका रानी है और मुझे पिंकी के नाम से भी जाना जाता है। प्रियंका रानी और पिंकी दोनों मेरे ही नाम हैं।

-प्रियंका रानी उर्फ पिंकी पुत्री श्री कृष्णपाल सिंह मूलनिवासी ग्राम जांजोर जिला मेरठ हाल निवासी ग्राम डूंगरावली जिला मेरठ।

मवाना मिल ने नौ फरवरी तक का गन्ना मूल्य चुकाया

सम्बंधित किसानों के बैंक खातों में गेजा धन

मवाना, 23 फरवरी (देशबन्धु)। मवाना चीनी मिल ने पेराई सत्र 2023-2024 का एक फरवरी 24 से नौ फरवरी 2024 तक 32.97 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान किसानों के बैंक खातों में कर दिया है। मवाना चीनी मिल ने चालू पेराई सत्र 2023-24 में 9 फरवरी 2024 तक खरीदे गए गन्ने का 400.96 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान कर दिया है। यह जानकारी चीनी मिल के वरिष्ठ महाप्रबन्धक (गन्ना एवं प्रशासन) प्रमोद बालिदान ने बताया कि नौ फरवरी 24 तक का 32.97 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान समस्त गन्ना समितियों को भेज दिया गया है। मवाना चीनी मिल 22 फरवरी तक 123.82 लाख कुन्तल गन्ने की खरीद कर चुकी है। मवाना चीनी मिल प्रदेश के गन्ना आयुक्त द्वारा आवंटित सभी क्रय केंद्रों पर खरीद का कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने सभी किसान भाईयों से साफ, ताजा, जड़ पत्ती अगोला, डूंडा एवं हरा जूना रहित गन्ना ही चीनी मिल को आपूर्ति करने की अपील की है। साथ ही गन्ने की अच्छी पैड़ी लेने के लिये किसानों से आग्रह किया है कि वह इस समय पौधे गन्ने की कटाई कर सकते हैं।

रजपुरा ब्लॉक में रोजगार मेले का हुआ आयोजन



मेरठ, 23 फरवरी (देशबन्धु)। उग्र कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के अन्तर्गत आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साकेत, मेरठ विकास खण्ड- रजपुरा, मेरठ में विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेले में 29 निजी क्षेत्र की कम्पनियों ने प्रतिभाग किया गया। इन कम्पनियों ने सेल्स एग्जीक्यूटिव, जीओ पॉइन्ट मैनेजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फिटर, हेल्थ सेक्टर, इंश्यूरेंसऑफिसर, सेक्टर, मशीन ऑपरेटर, डाटा ईंट्री ऑपरेटर, ट्रेनी ऑपरेटर आदि सेक्टर के लिए रिक्तियां अधिसूचित की थीं। कम्पनियों द्वारा

न्यूनतम 9000 रुपए और अधिकतम 20000 रुपए मासिक वेतन ऑफर किया गया। रोजगार मेले में 347 अभ्यर्थियों में, जो कि कौशल विकास मिशन, डीडीयू-जीकेवाई के प्रशिक्षित अभ्यर्थियों तथा अन्य ग्रामीण अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार में प्रतिभाग किया गया, जिसके सापेक्ष 169 अभ्यर्थियों को कम्पनियों द्वारा मौके पर ही चयन किया गया। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में संजय सैनी, पार्षद, सीपी अग्रवाल नोडल प्रधानाचार्य, उपासना उप प्रधानाचार्या राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साकेत मेरठ द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं का उसाहवर्धन करते हुए भाविक्य के लिए शुभकामनाएं दी तथा चयनित 169 अभ्यर्थियों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

लोगों तक अपनी बात पहुंचाता है कलाकार : रवि कर्णवाल

मेरठ, 23 फरवरी (देशबन्धु)। एक्टिंग और एक्टर में अंतर होता है एक कलाकार अपनी एक्टिंग के माध्यम से कला का प्रदर्शन करता है अपने शरीर के माध्यम से लोगों तक अपनी बात पहुंचाता है। इसको हम आंगिक कला कहते हैं जबकि बोली के माध्यम से अपने विचारों को दूसरों तक पहुंचाने का काम करते हैं इसको हम वाचिक कला भी कहते हैं। यह बात तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में चल रही सात दिवसीय कार्यशाला दूसरे दिन फिल्मी कलाकार रवि कर्णवाल ने कही। फिल्म मेकिंग कार्यशाला के दूसरे दिन फिल्मी कलाकार रवि कर्णवाल ने बताया कि किसी भी फिल्म में डायलॉग बोलना ही एक कला है हम किस प्रकार से डायलॉग बोल रहे हैं हमारी आवाज कैसी है एक एक्टर के लिए बहुत आवश्यक है। फिल्म निदेशक सुभम



प्रशांत कुमार ने कहा कि नाट्य शास्त्र में चार कलाओं के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि एक कलाकार के लिए अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए एकाग्रता बहुत जरूरी है। यदि हम एकाग्रता के साथ अपने डायलॉग नहीं बोलेंगे तो हम से गलती हो सकती है किसी भी फिल्म में किसी भी कलाकार को अपने पात्र का अभिनय करने के लिए उसमें अपने को उतारना पड़ता है तब जाकर एक बेहतर फिल्म बनती है।

शर्मा ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार से हम अपनी आवाज को कर सकते हैं कोई भी जानवर किस प्रकार से चलता है किस प्रकार से उसकी बाँड़ी लेंवेंज होती है यह भी सिखाया। छात्रों को कुछ थिएटर गेम्स भी कराए गए। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर

प्रशांत कुमार ने कहा कि नाट्य शास्त्र में चार कलाओं के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि एक कलाकार के लिए अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए एकाग्रता बहुत जरूरी है। यदि हम एकाग्रता के साथ अपने डायलॉग नहीं बोलेंगे तो हम से गलती हो सकती है किसी भी फिल्म में किसी भी कलाकार को अपने पात्र का अभिनय करने के लिए उसमें अपने को उतारना पड़ता है तब जाकर एक बेहतर फिल्म बनती है।

प्राचीन धार्मिक स्थल की दीवार तोड़ने पर मवाना में तनाव

मवाना नगर में तनाव जैसी कोई स्थिति नहीं है, सभी सामान्य है। दोनों पक्षों को समझा दिया गया है। एक पक्ष की तहरीर मिल गई है। उस पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सुभाष सिंह, थाना प्रहारी मवाना

मवाना, 23 फरवरी (देशबन्धु)। नगर के मोहल्ला मुनालाल में महाभारत कालीन प्राचीन धार्मिक स्थल की दीवार विशेष समुदाय द्वारा तोड़े जाने को लेकर दूसरे समुदाय के लोगों में आक्रोश पैदा हो गया। सूचना मिलते ही आनन-फानन में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गये। मौके पर तनाव के हालात बन गये। पुलिस ने कई थाणों की पुलिस बुला ली। इस मामले को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। एसडीएम अखिलेश यादव व सीओ सोरभ सिंह ने दोनों पक्षों के बीच में बचाव किया और समझाकर मामला शांत कराया। पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक व भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कौशिक मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने तोड़ी गई दीवार को मरम्मत



कराने के आदेश दिये और मौके पर पुलिस तैनात कर दी। थाना प्रहारी सुभाष सिंह दोनों पक्षों को थाने ले गए। मवाना के मोहल्ला मुनालाल में प्राचीन धार्मिक स्थल है। उसके परिसर में पीछे की ओर खाली जमीन पड़ी हुई है। परिसर की पीछे के हिस्से में विशेष समुदाय के लोगों के मकान आदि हैं। मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के अनेक लोग विनय दुबलिया, हरिओम शर्मा, निपुण चौहान, सचिन कौशिक, सोनू दुबलिया, रजनीश रायल, अंकुश, अशोक गुरु, कुलदीप खटीक, राहुल रस्तोगी, गौरव

गुज्जर, सतीश भारद्वाज, पीयूष वर्मा, शुभम रस्तोगी, अर्पू, शिवम गुज्जर ने आरोप लगाया कि धार्मिक स्थल की 18

इंच की दीवार पर कब्जा कर लिया गया और बाजार से मंदिर जाने वाली पुरानी गली बंद कर दी गई। अब पुरानी लाखोरी ईंटों से बनी दीवार को तोड़ दिया गया। अवैध तरीके से कब्जा कर सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया गया। इस पर वहां मौजूद लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। प्रशासन ने मौके की नजाकत देखते हुए लोगों को आश्वस्त किया कि टूटी दीवार की मरम्मत करा दी

प्रभुम विग्रहो का प्रतिष्ठा महोत्सव आज से



लक्ष्मी कांत वाजपेयी, राज्य मंत्री उग्र डॉ. सोमेन्द्र तोमेन्द्र, विधान परिषद सदस्य धर्मेन्द्र भारद्वाज, कमल दत्त शर्मा परिषद के संरक्षक कृष्ण कुमार शर्मा किरानी, पण्डित सुनील भराला, मेरठ के प्रथम नागरिक महापौर हरिकांत अहलूवालिया तथा शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सरधना (मेरठ)

पत्रांक-	2110/लेखा-टैण्डर नोटिस/ 2023-24	दिनांक :-	23-02-2024				
ई- प्रयोक्वोरमेंट निविदा सूचना							
महामहिम श्री राज्यपाल उ०प्र० की ओर से खण्ड विकास अधिकारी सरधना (मेरठ) के द्वारा शासकीयविभाग उ०प्र० में ए०बी० सी० एवं डी० श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुसार पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। कार्य से सम्बन्धित विवरणनिम्न प्रकार हैं। निविदा प्रपत्र के साथ फर्म/ठेकेदार का वैध पंजीयन प्रमाण पत्र, श्रम कार्यालय का पंजीयन प्रमाण पत्र, पैन नम्बर, जीएसटी नम्बर, शपथ पत्र कोरा चौक तथा हैसियत संलग्न करना अनिवार्य है। निविदायें उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे सम्बन्धित ठेकेदारों के सम्मुख (यदि उपस्थित हयु) खोली जायेंगी। निविदा की अन्य शर्तें साथ दी जायेंगी। सशर्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। कोई भी निविदा बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। समस्त इच्छुक निविदादाता निम्न वर्णित स्थल व कार्यों का निविदा डालने से पूर्व भलीभांति परीक्षण/निरीक्षण कर लें। निविदित कार्य/धन० कम या अधिक हो सकती है। इस निविदा को एन०आई०सी० की पोर्टल पर भी आन लाईन देखा/भरा जा सकता है।							
क्र० सं०	निधि का नाम	मद	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख रु० में	धरोहर राशि 2प्रतिशत	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	क्रिटिकल गैप्स	अन्त्येष्टी स्थल	विकास खण्ड सरधना ग्राम पंचायत अटरेना में अन्त्येष्टी स्थल का निर्माण कार्य	2436000	49000	2000	3 माह

- वैबसाईट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि - 28-2-2024
- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्त करने के लिए अन्तिम तिथि- 4-3-2024 अपराह्न 2 बजे तक
- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 4-3-2024 अपराह्न 3 बजे तक
- निविदा आमन्त्रणकर्ताओं को आईटीबी के क्लाज-9के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं से को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए कृपया वैबसाईट http://etender-up-nic-in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

खण्ड विकास अधिकारी सरधना (मेरठ)



मेरे पिता रवि खेमु ने श्याम बेनेगल के साथ काम किया था : कुणाल खेमु

मुंबई। 'गो गोवा गॉन', 'डोल', 'जख्म', 'लूटकेस' और अन्य फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता कुणाल खेमु ने बताया कि उनके पिता रवि खेमु ने राष्ट्रीय राजधानी में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में अभिनय सीखा था। एक्टर ने बताया कि 1990 में कश्मीरी पंडितों के पलायन के दौरान उनके परिवार ने कश्मीर छोड़ दिया था। उनके पिता का परिवार जम्मू चला गया और मां की तरफ के परिवार वाले दिल्ली चले गए। एक्टर ने राज शाहानी को अपने पॉडकास्ट में बताया कि हम पलायन के दौरान वहां से चले गए थे। मेरे माता-पिता और मेरे अन्य परिवार वालों को इसका सामना करना पड़ा। मेरे पिता नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा गए, यह जानने के लिए कि क्या वह मुंबई जा सकता है।

नियमित योग अभ्यास करेगा पाचन शक्ति को मजबूत

■ अलका सिंह, योग विशेषज्ञ

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। हेल्दी शरीर के लिए भोजन का हेल्दी पाचन जरूरी है। आपके खाने की आदतें और गतिविधियां पाचन प्रक्रिया को सीधे प्रभावित करती हैं। आपका पेट ठीक रहेगा तो उसका असर आपको फिटनेस और ग्लो पर भी नजर आएगा। आप अपनी जीवन शैली या खाने की आदतों में बदलाव करके अपने पाचन तंत्र को हेल्दी और मजबूत रख सकते हैं। पाचन सुधारने और आपकी आंत को मजबूत बनाने के लिए यहां कुछ योग आसन हैं। कई लोग सवाल भी करते हैं कि पाचन तंत्र को कैसे मजबूत करें? या पाचन को हेल्दी रखने के नैचुरल तरीके क्या हैं? ऐसे में योग गुरु अलका सिंह यहां कुछ लाभकारी योग आसनों के बारे में बता रही हैं जिनको करके आपके पाचन को हमेशा हेल्दी रखा जा सकता है। हेल्दी पाचन और पेट को दुरुस्त करने लिए रोज करें ये योगासन।

त्रिकोणासन : त्रिकोणासन या त्रिकोण मुद्रा पाचन में सुधार करती है, भूख को उत्तेजित करती है और कब्ज से राहत दिलाती है। यह आपके गुर्दे और पेट के अन्य अंगों के लिए भी फायदेमंद है।

बालासन : बालासन या चाइल्ड पोज को मुद्रा तनाव को छोड़ देती है और आपके दिमाग को शांत करती है। योग मुद्रा आपके जांघों, कूल्हों और लसीका प्रणाली के लिए भी फायदेमंद है। यह आपके पाचन को बेहतर करने में भी काफी लाभकारी हो सकती है। बलासन आपके पाचन को मजबूत बना सकता है।

पवनमुक्तासन : पवनमुक्तासन वाली मुद्रा गैस और पेट की बीमारियों को दूर करती है। यह आपके पाचन में सुधार करेगा और आपके पेट से गैस को बाहर निकाल सकता है। यह आपके पेट की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में मददगार



माना जाता।

पसचिमोत्तानासन : पसचिमोत्तानासन या आगे की ओर झुकना आसन गैस और कब्ज से राहत देने में मदद करता है। यह पेट की चर्बी को भी कम करता है और धीरे-धीरे अंगों की मालिश करता है।

वज्रासन : यह सबसे आसान आसनों में से एक है और इसके फायदे अनेक हैं यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है, साथ ही फिगर को मेंटेन रखने में भी मददगार साबित होता है। वज्रासन करने से जठराग्नि बढ़ती है। जठराग्नि को आप उस ऊर्जा के रूप में समझ सकते हैं। यह भोजन पचाने और हमारे शरीर को शक्ति देने का काम करती है।

वक्रासन : इससे शरीर को डिटॉक्स करने में

सहायता मिलती है। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और कब्ज या शरीर में भारीपन की दिक्कत नहीं होती है। वक्रासन के अभ्यास से शरीर की थकान दूर होती है।

धनुरासन : यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। धनुरासन योग पूरी तरह से पीठ को मोड़ने वाला योग है। इसकी वजह से शरीर की सभी मांसपेशियों में खिंचाव बनता है, यानी वो स्ट्रेच होती हैं। यही वजह है कि धनुरासन रीढ़ के साथ-साथ पेट की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है।

कपालभाति : यह असल में प्राणायाम का हिस्सा है। कपालभाति प्राणायाम रोज करने से गैस, कब्ज और अपच की समस्याएं दूर होती हैं। साथ ही ये श्वसनतंत्र को भी मजबूत करता है। कपालभाति करने से पेट की सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

कपालभाति करने का तरीका

पचासन को मुद्रा में बैठ जाएं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। हाथों को घुटनों पर रख लें, अब आंखों को मूंद कर अपनी श्वास अंदर लें। अब नासिका द्वारा ही एक हल्के झटके से श्वास बाहर निकालें। पुनः श्वास अंदर लेकर झटके से बाहर निकालें। यह कपालभाति क्रिया है। इसमें आवृत्तियों चक्रों की संख्या बढ़ाएं और दोहराएं। शरीर को सारी तंदुरुस्ती आपके पाचन तंत्र पर निर्भर करती है। पाचन तंत्र को मदद से भोजन, विटामिन्स और मिनेरल्स में बदलकर, आपके शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और मांसपेशियां ठीक रहती हैं। अंततः निष्कर्ष यह निकलता है कि पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में योग आपकी बहुत मदद कर सकता है।



जेपी दत्ता, विधु विनोद चोपड़ा प्रतिष्ठित राज कपूर पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। 'बॉर्डर', 'एलओसी कारगिल' और 'रिफ्यूजी' जैसी फिल्मों बनाने वाले विनोद चोपड़ा को उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'महाराष्ट्र भूषण राज कपूर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा को उनके योगदान के लिए महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक प्रभाग द्वारा महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार में प्रतिष्ठित राज कपूर विशेष योगदान पुरस्कार मिला।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दत्ता का स्वागत किया। यह सम्मान उन्हें मुंबई में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिया गया। बॉर्डर के निर्देशक ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह राज्य, यह शहर मेरा घर है और आपके घर द्वारा सम्मानित किए जाने से बड़ा कुछ नहीं है। आरके फिल्म स्टूडियो से अपना करियर शुरू करने वाले एक लड़के के लिए राज कपूर के नाम पर पुरस्कार दिया जाना एक ऐसी अनुभूति है, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उन्हें सम्मानित करने

के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस पुरस्कार और मेरे काम की मान्यता के लिए



मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री फडणवीस और संस्कृति मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

दत्ता ने 1985 की एक्शन फिल्म 'गुलामी' से फिल्मों में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने 'यतीम', 'बंटवारा' और 'बॉर्डर' जैसी एक्शन फिल्मों का निर्देशन किया, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बर्फबारी के बाद बदरीनाथ का हुआ खूबसूरत नजारा



चमोली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। बर्फबारी के बाद बदरीनाथ धाम सफेद चादर ओढ़ ली है। साथ ही बदरीनाथ के आसपास की पहाड़ियां बर्फ से

लकड़क हो गई हैं। जिससे बदरीनाथ धाम का नजारा काफी खूबसूरत बन गया है। चमोली जिले में लगातार मौसम

करवट बदल रहा है। जिससे ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। बदरीनाथ धाम में इस सीजन की सबसे अधिक बर्फबारी हुई है। धाम में

4 से 5 फीट तक बर्फ जम चुकी है। वहीं निचले इलाकों में ठंड बढ़ने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चमोली के नीती घाटी, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, नंदा घुंघुटी, औली, रूपकुंड, बेदनी कुंड सहित ऊंचाई वाले क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं।

जोशीमठ औली सड़क पर लगातार बर्फबारी होने से आवाजाही मुश्किल हो रही है। बर्फबारी के बीच बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग हनुमान चट्टी से बदरीनाथ धाम तक बाधित हो गया है। मौसम साफ होने के बाद बर्फ हटाने का काम भी शुरू कर दिया जाएगा। बारिश और बर्फबारी से व्यवसायियों के चेहरे खिले हैं। वहीं बारिश होने से कार्तकारों को फसल अच्छी होने की उम्मीद है।

इंडियन आइडल 14 में उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म 'रंगीला' के बारे में बताए कुछ अंजाने किस्से

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इस शनिवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का बहुचर्चित गायन रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल 14', सदाबहार अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर का स्वागत करेगा, जिसमें प्रतियोगी इस विशेष एपिसोड में 'टॉप 6' में अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। सेमीफाइनल 'उर्मिला के साथ' में प्रतियोगी फिल्म जगत में उर्मिला को श्रद्धांजलि देते हुए शानदार एक्ट्स प्रस्तुत करेंगे, जो उर्मिला को पुरानी यादों की रस करने और दिलचस्प और मजेदार किस्से साझा करने के लिए मजबूर करेंगे,



जिससे यह एपिसोड देखने लायक बन जाएगा। इस मौके पर प्रतियोगी सुभादीप दास चौधरी और अनन्या पाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोनों ने मंच पर अपनी जोरदार प्रतियां का प्रदर्शन किया। प्रतिष्ठित फिल्म 'रंगीला' में सुभादीप की प्रस्तुति 'हाय रामा' और अनन्या की 'तन्हा तन्हा' और 'रंगीला रे' की मनमोहक प्रस्तुति ने उर्मिला को आश्चर्यचकित कर दिया। सभी जजों ने सुभादीप और अनन्या के असाधारण प्रदर्शन के लिए तारीफ की और उनका उल्लेखनीय प्रतिभा और कड़ी मेहनत को सराहा।

अपने प्रदर्शन के बाद पुरानी यादों में खोई हुई, उर्मिला हिट गीत 'हाय रामा' के बारे में कुछ अनजाने किस्से बताते हुए कहेंगी, यह एक बहुत ही मुश्किल गाना है, और यह मेरे दिल में एक खास जगह रखता है। मुझे यह दिलचस्प लागा है कि ए. आर. रहमान, जो स्वयं उस्ताद हैं, ने एक सहज धुन को रचना में शामिल कर लिया, जिसे हरिहरन सर एक बार सुनने के बाद ही रिहर्सल कर रहे थे। यह संगीतकारों, गायकों, रचनाकारों और एक्टरों के सहयोगात्मक प्रयासों का प्रमाण है जो इस तरह के जादू को जीवन में लाते हैं। रंगीला की कहानी मेरे साथ गहराई से जुड़ी है, क्योंकि यह एक साधारण लड़की की फिल्म के माध्यम से प्रसिद्धि पाने की यात्रा को दर्शाती है, बिल्कुल मेरी अपनी यात्रा की तरह।

चिकित्सा के क्षेत्र में हो रही हर तरक्की का लाभ मिल रहा मरीजों को : डॉ विवेका कुमार



नई दिल्ली 23 फरवरी (एजेंसियां)। जागरूकता के अभाव में हार्ट रोग के मामलों तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर समय रहते हार्ट रोग का इलाज हो जाये तो हार्ट रोग जैसी गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। ये जानकारी भारतीय चिकित्सक संघ (एफिकोन) के 79 वें वार्षिक सम्मेलन में मैक्स अस्पताल कैथ लैब डायरेक्टर व वरिष्ठ हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेका कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में हो रही हर तरक्की का लाभ मरीजों को मिल रहा है। डॉ विवेका कुमार ने बताया कि ट्रान्सेथैटर एओटिक वाल्व इम्प्लांटेशन हार्ट वाल्व के किये सबसे सफल इलाज है। उन्होंने कहा कि तांबी तकनीक से हजारों हार्ट रोगियों को समय-समय पर हार्ट की जांच करवानी चाहिए। सीने में दर्द के साथ वाये हाथ मे दर्द को नजरअंदाज न करें। डॉ विवेका ने हार्ट रोग से जुड़ी तमाम जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि ट्रान्सेथैटर एओटिक वाल्व इम्प्लांटेशन हार्ट रोग के इलाज के लिए सबसे सफलतापूर्वक चलाये जाने उपचारों में से एक है। जो एक ग्रोहन में एक छोटे से चीरे से स्थानीय एनेस्थेसिया के तहत नियमित रूप से किया जाता है। जो एक सफलता पूर्वक इलाज है। उन्होंने कहा कि तांबी तकनीक से हार्ट रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है। डॉ. विवेका ने कहा कि नियमित रूप से योग करना चाहिए। मोटापा, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

लकड़क हो गई हैं। जिससे बदरीनाथ धाम का नजारा काफी खूबसूरत बन गया है। चमोली जिले में लगातार मौसम

करवट बदल रहा है। जिससे ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। बदरीनाथ धाम में इस सीजन की सबसे अधिक बर्फबारी हुई है। धाम में

युवाओं को पसंद आई 'आर्टिकल 370', बोले, 'सभी को देखनी चाहिए यह फिल्म'

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर के सभी सिनेमाघरों में शुरूवार को 'आर्टिकल 370' रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। इसे आदित्य जम्वाल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर हैं। यामी की अलावा इसमें प्रियामणि, अरुण गोविल, किरण कार्माकर और राज अर्जुन को अहम किरदारों में देखा जा सकता है। ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही फिल्म चर्चा में बनी हुई थी। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इसका जिक्र किया था। इस फिल्म का फस्ट डे फस्ट शो देखने के लिए दर्शक बड़ी संख्या में पहुंचे। फिल्म देखने वालों की इस पर अलग-अलग प्रतिक्रिया रही। फिल्म को लेकर लोगों में खाली क्रेज दिखाई दे रहा है। दिल्ली के सिनेमाघरों में लोग फिल्म



देखने पहुंचे। कर्नाट पैलेस के रिवोलो सिनेमा में युवाओं में फिल्म को लेकर काफी क्रेज दिखाई दिया। फिल्म में यामी गौतम की एक्टिंग शानदार है। अरुण गोविल इसमें पीएम मोदी की भूमिका में हैं। किरण कार्माकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। निर्देशक आदित्य सुहास जंघाले की फिल्म में घाटी में होने वाली हिंसा और अशांति को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी में कई चीजें दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। फिल्म में सही से अपील करते हिस्से में शांति को बाधा डालने वाले चरमपंथियों और अलगवादाचारियों को

दिखाया गया है। फिल्म देखने आए लोगों ने कहा कि उन्हें इस फिल्म के जरिए धारा 370 के बारे में अच्छी जानकारी मिली। फिल्म को काफी सराहना मिल रही है। ऐसे में कई फैसले इसे 10 में से 10 तो कई 10 में से 8 नंबर देते नजर आए। फिल्म देखने आई एक युवा लड़की ने कहा कि फिल्म जबरदस्त है, यामी गौतम के साथ फिल्म के अन्य किरदारों ने अच्छा काम किया है। इसमें दिखाए गए तथ्यों को लेकर उन्होंने इसे 10 में से 10 नंबर दिए। एक अन्य ने कहा कि धारा 370 के बारे में इसमें बेहतर तरीके से दिखाया गया है। सरकार ने धारा 370 खत्म करने के लिए किन-किन परिस्थितियों का सामना किया, इसमें यह सब कुछ दिखाया गया है। एक युवा लड़की ने सभी से अपील करते हुए कहा कि सभी को यह फिल्म देखनी चाहिए।

पुण्यतिथि के अवसर पर

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड में मधुबाला को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद किया जाता जिन्होंने अपनी दिलकश अदाओं और दमदार अभिनय से लगभग चार दशक तक सिने प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। मधुबाला मूल नाम मुमताज बेगम देहलवी का जन्म दिल्ली में 14 फरवरी 1933 को हुआ था। उनके पिता अताउल्लाह खान में रिश्ता चलाया करते थे। तभी उनकी मुलाकात एक नज्मी (भविष्यवाता) कश्मीर वाले बाबा से हुई जिन्होंने भविष्यवाणी की कि मधुबाला बड़ी होकर बहुत शोहरत पाएंगी। इस भविष्यवाणी को अताउल्लाह खान ने गंभीरता से लिया और वह मधुबाला को लेकर मुंबई आ गए। वर्ष 1942 में मधुबाला को बतौर बाल कलाकार 'बेबी मुमताज' के नाम से फिल्म बसंत में काम करने का मौका मिला। बेबी मुमताज के सौंदर्य से अभिनेत्री देविका रानी काफी मुग्ध हुईं और उन्होंने उनका नाम 'मधुबाला' रख दिया। उन्होंने मधुबाला से बॉम्बे टाकीज की फिल्म 'ज्वाभ भाटा' में दिलीप कुमार के साथ काम करने की पेशकश भी कर दी। लेकिन मधुबाला उस फिल्म में किसी कारणवश काम नहीं कर सकीं। 'ज्वाभ भाटा' हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है। इसी फिल्म से अभिनेता दिलीप कुमार ने अपने सिने करियर की शुरुआत की थी। मधुबाला को फिल्म अभिनेत्री के रूप में पहचान निर्माता निर्देशक केदार शर्मा की वर्ष 1947 में प्रदर्शित फिल्म 'नीलकमल' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनेता थे 'राजकपूर'। नील कमल बतौर अभिनेता राजकपूर की पहली फिल्म थी। भले ही फिल्म नीलकमल सफल नहीं हुई लेकिन इससे मधुबाला ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरुआत कर दी। वर्ष 1949 तक मधुबाला की कई फिल्में प्रदर्शित हुईं लेकिन इनसे उन्हें कुछ खास फायदा नहीं हुआ। वर्ष 1949 में बांबे टाकीज के बैनर तले बनी निर्माता अशोक कुमार की फिल्म 'महल' मधुबाला के सिने करियर में महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। रहस्य और रोमांच से भरपूर यह फिल्म सुपरहिट रही और इसी के साथ बॉलीवुड में हॉरर और सस्पेंस फिल्मों के निर्माण का सिलसिला चल पड़ा। फिल्म की जबरदस्त कामयाबी ने नायिका मधुबाला के साथ ही निर्देशक कमल अमरोही और गायिका लता मंगेशकर को भी फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया। वर्ष 1950 से 1957 तक का वक्त मधुबाला के सिने करियर के लिए बुरा साबित हुआ। इस दौरान उनकी कई फिल्में असफल रही। लेकिन वर्ष 1958 में फागुन, हावडा



ब्रिज, कालापानी तथा चलती का नाम गाड़ी जैसी फिल्मों को सफलता के बाद मधुबाला एक बार फिर से शोहरत की बुलंदियों तक जा पहुंचीं। फिल्म हावडाब्रिज में मधुबाला ने क्लब डॉसर् का सटीक भूमिका अदा करके दर्शकों का मन मोह लिया। इसके साथ ही वर्ष 1958 में ही प्रदर्शित फिल्म चलती का नाम गाड़ी में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को हंसाते-हंसाते लोटपोट कर दिया। मधुबाला के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेता दिलीप कुमार के साथ काफी पसंद की गई। फिल्म 'तरना' के निर्माण के दौरान मधुबाला दिलीप कुमार से मोहब्बत करने लगीं। मधुबाला अपनी नफासत औरनजाकत को कायम रखने के लिए घर में उबले पानी के सिवाए कुछ नहीं पीती थी। उन्हें जैसमेलर के रेगिस्तान में कुएं और पोखरे का गंदा पानी तक पीना पड़ा। मधुबाला के शरीर पर असली लोहे की जंजीर भी लदी गई लेकिन उन्होंने 'उफ' तक नहीं की और फिल्म की शूटिंग जारी रखी। मधुबाला का मानना था कि 'अनाकली' के किरदार को निभाने का मौका बार बार नहीं मिलता। वर्ष 1960 में जब मुगले आजम प्रदर्शित हुईं तो फिल्म में मधुबाला के अभिनय से दर्शक मुग्ध हो गए।

मधुबाला के पिता ने किशोर कुमार को सूचित किया कि मधुबाला इलाज के लिए लंदन जा रही है और वहां से लौटने के बाद ही उनसे शादी कर पाएंगी। लेकिन मधुबाला को अहसास हुआ कि शायद लंदन में ऑपरेशन होने के बाद वह जिंदा नहीं रह पाये और यह बात उन्होंने किशोर कुमार को बताया। इसके बाद मधुबाला की इच्छा पूरा करने के लिए किशोर कुमार ने मधुबाला से शादी कर ली। शादी के बाद मधुबाला की तबीयत और ज्यादा खराब रहने लगीं। हालांकि इस बीच उनकी पासपोर्ट, झुमक, बॉय फ्रेंड, हाफ टिकट और शराबी जैसी कुछ फिल्में प्रदर्शित हुईं। अपनी दिलकश अदाओं से दर्शकों के दिल में खस पहचान बनाने वाली मधुबाला 23 फरवरी 1969 को इस दुनिया को अलविदा कह गईं।

दिमागी बुखार की दस्तक, स्वास्थ्य महकमा सतर्क

भोपाल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश (दिमागी बुखार) की दस्तक ने स्वास्थ्य महकमे को सतर्क कर दिया है। इसका फैलाव रोकने के लिए जहां जन जागरूकता लाने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं टीकाकरण अभियान भी शुरू किया जा रहा है।



राज्य की राजधानी भोपाल में 27 और इंदौर में दो के अलावा सागर और नर्मदापुरम में भी दिमागी बुखार के मामले सामने आए हैं। इसे रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अभियान शुरू कर दिया है। 27 फरवरी से इन चारों जिलों में टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। इस बुखार से बचने के लिए जरूरी

है कि लोग साफ-सफाई पर ध्यान दें और अपने तक मच्छरों को आने से रोकें। दिमागी बुखार का बचाव सिर्फ टीकाकरण है। यही कारण है कि एक साल से लेकर 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों को टीका लगाने का अभियान शुरू हो रहा है। राज्य के जिन चार

■ बुखार से बचने के लिए जरूरी है कि लोग साफ-सफाई पर ध्यान दें
■ मच्छरों को आने से रोकें
■ दिमागी बुखार का बचाव सिर्फ टीकाकरण

जिलों में यह अभियान चलाया जाने वाला है, उनमें 15 वर्ष की आयु तक के बच्चों की संख्या पर गौर करें तो भोपाल में 9.50 लाख से ज्यादा, इंदौर में लगभग 13.50 लाख, सागर में लगभग 9.50 लाख और नर्मदा पुरम में लगभग 5 लाख बच्चे हैं, यह कुल आबादी का 33 फीसदी है।

कश्मीरी भाषा का संरक्षण सुनिश्चित करना अपरिहार्य

श्रीनगर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय उपमहाद्वीप को सबसे पुरानी भाषाओं में से कश्मीरी भाषा के मौजूदा वैश्वीकरण के दौर में विलुप्त होने की आशंका के बीच भाषा विशेषज्ञों को इसके बचे रहने की उम्मीद है। कश्मीर यूनिवर्सिटी (केयू) में कश्मीरी भाषा विभाग प्रमुख महफूज जौन ने कहा कि दुनिया की कई छोटी भाषाओं को रहने कश्मीरी भाषा भी नवीनतम और सबसे कठिन समस्याओं का सामना कर रही है और इसके समाधान के लिए तुरंत प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए। प्रो जौन ने कहा कि हम कश्मीरी भाषा और साहित्य के प्रचार और संरक्षण में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। इस भाषा के कारण लाला डेड, हब्बा खलतु, महजूर, रहमान राही आदि जैसे विश्व प्रसिद्ध कवि से हम परिचित हो पाये हैं। इसके अलावा कश्मीरी भाषा का अपना अद्भुत साहित्य है। उन्होंने कहा कि वह केयू में शिक्षण और सीखने के लिए एक प्रभावी माहौल बनाने के साथ ही साहित्य में अनुसंधान के लिए पर्याप्त सामग्री प्रदान कर रही हैं और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन दे रही हैं।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
बजाज फिन सर्व	1.43 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.13 प्रतिशत
टाइटन	1.08 प्रतिशत
विप्रो	0.90 प्रतिशत
रिलायंस	0.78 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
एचसीएल टेक	1.25 प्रतिशत
मारुति	1.17 प्रतिशत
एशियन पेंट	1.12 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	0.90 प्रतिशत
एस्वीआई	0.86 प्रतिशत

मुद्रा विनिमय		
मुद्रा	दर	दिवस
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज	
देशी गेहूँ एफपी	2400-2800
गेहूँ खा	2750-3550
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज	
बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काजूली चना	3500-4000

शुगर	
वीपी एस	3590-3690
वीपी एफ	4150-4250
मित डिलीवरी	3470-3570
गुड	4600-4700

दाल-दलहन	
चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

अर्थ जगत

यूरोप की कार्बन कर योजना पर डब्यूटीओ में आपत्ति उठायेगा भारत : गोयल

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने कहा है कि भारत यूरोपीय संघ के बाजारों में स्टील, एल्यूमिनियम और उर्वरक जैसे अपेक्षा कृत अधिक कार्बन उत्सर्जन उत्पादों के आयात के नियम सख्त करने के प्रस्ताव पर विश्व व्यापार संगठन में अपनी आपत्तियां उठायेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां एक परिचर्चा में यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) मुद्दे पर कहा कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के टैक्स लगाने से चिंतित है और इस मुद्दे को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत उठाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय रूप से समाधान करने का भी प्रयास होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल राजनयिक एवं पर्यावरण विभागों पर उच्चस्तरीय चर्चाओं के लिए राजधानी में आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक रायसीना

भारत यूरोपीय संघ के टैक्स लगाने से चिंतित है और इस मुद्दे को विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत उठाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय रूप से समाधान करने का भी प्रयास होगा। भारत व्यापार समझौते की बातचीत में सावधानीपूर्वक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है तथा जल्दबाजी में कोई निर्णय करने से बचता है।

उल्लेखनीय है कि डब्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक अबूधाबी में 26-29 फरवरी तक होने जा रही। श्री गोयल इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और मजबूत बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को महत्वपूर्ण निकाय है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत इस संगठन में आवश्यक सुधारों के साथ इसे मजबूत बनाने के लिए अपना ठोस मजबूत समर्थन व्यक्त करता है। श्री गोयल ने कहा कि



उल्लेखनीय है कि डब्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक अबूधाबी में 26-29 फरवरी तक होने जा रही। श्री गोयल इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और मजबूत बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को महत्वपूर्ण निकाय है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत इस संगठन में आवश्यक सुधारों के साथ इसे मजबूत बनाने के लिए अपना ठोस मजबूत समर्थन व्यक्त करता है। श्री गोयल ने कहा कि

पेट्रोल और डीजल की कीमतें धावा

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।



एलस्टॉम ने दिल्ली में चौथे चरण के लिए मेट्रो रेल निर्माण शुरू किया

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। रेल एवं मेट्रो के क्षेत्र में काम करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी एलस्टॉम ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के चौथे चरण के लिए विश्व स्तरीय मेट्रोपॉलिस ट्रेनसेट का उत्पादन शुरू कर दिया है।

कंपनी आज यहां बताया कि नवंबर 2022 में दिए गए इस ऑर्डर के तहत 52 ट्रेन सेट की आपूर्ति करनी है, जिनमें से हर एक में छह कारें होंगी। यह परियोजना डीएमआरसी की तीन अलग-अलग लाइनों को भी पूरा करने के लिए बनायी गयी है। जिसमें दो मौजूदा लाइन नंबर 7 और लाइन नंबर 8 को बढ़ाना है, और नई गोल्ड लाइन नंबर 10 से एयरोसिटी को तुलगाकाबाद से जोड़ना है। इस प्रकार से दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क में कुल 64.67 किलोमीटर और जुड़ेगा। उत्पादन का शुभारंभ दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और एलस्टॉम के बीच हुआ है। इस मीके के लिए एलस्टॉम के कॉर्पोरेट कम्प्यूटिंग के प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, डॉ विकास कुमार और एलस्टॉम इंडिया के प्रबंध निदेशक ओलिवियर लोइसन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क के निरंतर विकास और विस्तार हो रहा है। एलस्टॉम के मेट्रोपॉलिस मेट्रोस का ट्रैकिंग इंजन बहुत अच्छा है। हमारा उद्देश्य यात्रियों को बेहतर से बेहतर सुविधा एवं सुखद अहसास देना



है। इस परियोजना की कुल लागत 312 मिलियन यूरो है, जिसमें 15 वर्ष के लिए नई लाइन के 13 ट्रेनसेट का रखरखाव भी शामिल है। लाइन नंबर 8 को बढ़ाने से मैजेंटा लाइन जनकपुरी पश्चिम से आर के आश्रम तक बढ़ जाएगी। और लाइन नंबर 7 को बढ़ाने से मौजपुर और मुकुंदपुर के बीच पिक लाइन जुड़ जायेगी। इसी के साथ डीएमआरसी कनेक्टिविटी में और भी सुधार होगा। एलस्टॉम को दिल्ली एमआरटीएम चरण-4 मुकुंदपुर - मौजपुर (लाइन नंबर 7 विस्तार), और एयरोसिटी - तुलगाकाबाद कॉरिडोर (लाइन नंबर 10) के लिए ट्रेन कंट्रोल और सिग्नलिंग के लिए भी अनुबंध दिया गया है। ये लाइनें एलस्टॉम के स्केलेबल कम्प्यूटिंग बेड ट्रेन कंट्रोल सॉल्यूशंस (सीबीटीसी) की सुविधा से लैस होंगी, जो इसके ऑटोमैटिक ट्रेन सुपरविजन (एटीएस) सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगी।

विकसित भारत के लिए विनिर्माण को जीडीपी के 25 प्रतिशत पर ले जाना होगा : शाह

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन फिक्को के अध्यक्ष एवं महिंद्रा ग्रुप के समूह सीईओ एवं प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने आज कहा कि वर्ष 2047 में 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था का एक विकसित भारत बनाने के सपने को पूरा करने के लिए विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 प्रतिशत होना चाहिए।

श्री शाह ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क द्वारा आयोजित आइडियास ऑफ इंडिया समिट 3.0 के शुभारंभ के मौके पर अपने संबोधन में कहा विकसित भारत के लिए हमें अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए और विनिर्माण को 16 गुणा तथा निर्यात को 11 गुणा बढ़ाने की जरूरत होगी। उन्होंने राष्ट्रीय विकास और आर्थिक समृद्धि को तेजी से बढ़ाने के लिए उद्योगों और उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुये कहा कि अगले 7 वर्षों में, भारतीय जीडीपी वैश्विक जीडीपी में पूरे यूरोपीय संघ के बराबर योगदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय आम बजट में राजनीतिक के स्थान पर आर्थिक प्राथमिकता को चुना गया है, वित्तीय अनुशासन को अपनाया गया है और पूंजी निवेश को बढ़ाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फोति को नियंत्रित करने के लिए बेहतर काम किया है।

उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा रहा है ताकि भारत में विनिर्माण प्रतिस्पर्धी बन सके। इसको वास्तविकता में बदलने के लिए हर एक व्यक्ति को एक भूमिका निभानी होगी।

तीसरी तिमाही में भारत की जीडीपी 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सरकारी स्वामित्व वाले बंधक ऋणदाता बैंक ऑफ इंडिया (बीओबी) ने शुक्रवार को औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में धीमी वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 प्रतिशत होने की भविष्यवाणी की है। अर्थशास्त्री जाह्नवी प्रभाकर ने एक रिपोर्ट में कहा, वित्तीय वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के लिए कृषि और उद्योग क्षेत्र में धीमी वृद्धि के कारण दूसरी तिमाही में हुई 7.6 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत की धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है। सेवा क्षेत्र में वृद्धि की उम्मीद है। प्रभाकर को अनुसार, तीसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि हालांकि दूसरी तिमाही की तुलना में थोड़ी धीमी है, यह सभी क्षेत्रों में असमान है और उनमें से कुछ ने दूसरी की तुलना में बेहतर वृद्धि दर्ज की है। पूरे साल के लिए अनुमान 6.8 प्रतिशत है। प्रभाकर ने कहा



कि वित्त वर्ष 2025 के लिए विकास दर 6.75-6.8 प्रतिशत के समान स्तर पर रहेगी। आईएमएफ के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के लिए 6.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। अक्टूबर 23 में अपने पिछले पूर्वानुमान से अनुमान को 40 बीपीएस तक उन्नत किया गया है। वित्त वर्ष 24 और 25 के लिए, घरेलू मांग में लचीलेपन के दम पर अर्थव्यवस्था में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। प्रभाकर ने कहा, दूसरी और, विश्व बैंक को उम्मीद है कि मजबूत घरेलू मांग,

मजबूत निजी क्षेत्र की ऋण वृद्धि के साथ-साथ बढ़ते बुनियादी ढांचे के खर्च के कारण वित्त वर्ष 2024 में अर्थव्यवस्था 6.3 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करेगी। इन पूर्वानुमानों के विपरीत, एमएसओ के अग्रिम अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था 7.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024 में देश की विकास दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। प्रभाकर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 के लिए, भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता के कारण नकारात्मक जोखिम उभरने के साथ यह 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हाल ही में क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने कहा कि भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 7.6 फीसदी थी।

फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बाँबकार्ड के ऑफर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बाँबकार्ड लिमिटेड ने फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट जैसे भारत के प्रमुख ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध उत्पादों में विशेष ऑफरों की घोषणा की है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि आज से 27 फरवरी, 2024 तक, बाँबकार्ड धारकों को अनूटे रिवाँइस और झूट का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। यहां मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। बाँबकार्ड की इन ऑफरों से बचत और बेहतर मूल्य का वादा मिलता है।

उसने कहा कि अब ज्यादा खर्च किए बिना अपने सपनों के गैजेट्स खरीद सकते हैं। 2000 रुपये तक की बचत करने के लिए फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बाँबकार्ड का उपयोग किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि फ्लिपकार्ट पर प्रति कार्ड 2000 रुपये तक की 10 प्रतिशत की तात्कालिक छूट के की पेशकश की गयी है जो ई.एम.आई



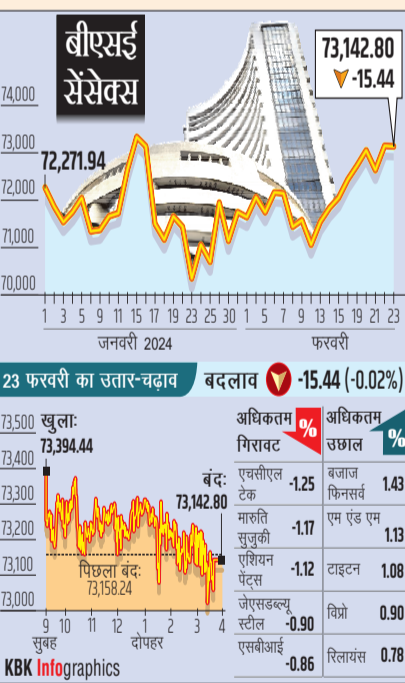
पर उपलब्ध है। इसके लिए न्यूनतम 10,000 रुपये के ऑर्डर देने की जरूरत होगी जो मोबाइल फोन, उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्निचर की श्रेणियों पर लागू है। इसी तरह से जियोमार्ट पर 29,990 रुपये से अधिक की खरीदारी पर 1000 रुपये की अतिरिक्त छूट के साथ 9 महीनों से अधिक ई.एम.आई की अवधि के लिए ऑफर है। जियोमार्ट पर बाँबकार्ड उपयोग करके मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदने पर प्रति कार्ड 2000 तक की छूट पूर्ण भुगतान और ई.एम.आई दोनों पर उपलब्ध है।

शेयर बाजार फिसला

मुंबई 23 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एचसीएल टेक, मारुति, एसबीआई, टाटा स्टील और आईसीआईआई बैंक समेत सत्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार फिसल गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 15.44 अंक उतरकर 73,142.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 4.75 अंक फिसलकर 22,212.70 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों की विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.25 प्रतिशत चढ़कर 39,934.21 अंक और स्मॉलकैप 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,033.47 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3936 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1793 में गिरावट जबकि 2045 में तेजी रही वहीं 98 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 30 कंपनियों लाल जबकि 20 हरे निशान पर बंद हुई। बीएसई के नी समूहों में बिकवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.05, ऊर्जा 0.36, एफएमसीजी 0.08, आईटी 0.15, यूटिलिटीज 0.02, बैंकिंग 0.29, धातु 0.33, तेल एवं गैस 0.81 और टेक समूह के शेयर 0.24 प्रतिशत गिर गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस



दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.24, जापान का निक्केई 2.19 और चीन का शंघाई कॉपोजिट 0.55 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.04 और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.10 प्रतिशत

- सेंसेक्स 15.44 अंक उतरकर 73,142.80 अंक पर हुआ बंदी
- निफ्टी 4.75 अंक फिसलकर 22,212.70 अंक पर हुआ बंद
- मिडकैप 0.25 प्रतिशत चढ़कर 39,934.21 अंक और स्मॉलकैप 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,033.47 अंक पर हुआ बंद

की गिरावट रही। इस दौरान बीएसई की गिरावट में रही कंपनियों में एचसीएल टेक 1.25, मारुति 1.17, एशियन पेंट 1.12, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.90, एस्वीआई 0.86, टीसीएस 0.84, भारतीय एयरटेल 0.75, एक्सिस बैंक 0.70, आईटीसी 0.65, एनटीपीसी 0.54, इंडसइंड बैंक 0.51, टेक महिंद्रा 0.41, टाटा स्टील 0.24, आईसीआईआई बैंक 0.23, इंफोकस 0.19, पावरग्रिड 0.12 और कोटक बैंक 0.10 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, बजाज फिन सर्व 1.43, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.13, टाइटन 1.08, विप्रो 0.90, रिलायंस 0.78, एलटी 0.77, नेस्ले इंडिया 0.71, टाटा मोटर्स 0.54, हिंदुस्तान युनिलीवर 0.27 और एचडीएफसी बैंक ने 0.08 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

खाद्य तेलों में टिकाव, अरहर दाल सस्ती

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक ज़िंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि अरहर दाल सस्ती हो गई वहीं जिनों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 15 रिगिट फिसलकर 3967 रिगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.05 सेंट की तेजी के साथ 44.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाईंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में अरहर दाल में 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर शेष में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और ये पिछले स्तर पर पड़े रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूँ और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

तमन सफारी बाली और वरुणा बाली ने भारतीय पर्यटकों के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में बाली की प्राकृतिक सुंदरता और वन्य जीवन के आकर्षण से भारतीय पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए, तमन सफारी बाली और वरुणा बाली एक मजेदार और अविस्मरणीय रोमांच बनाने के लिए हाथ मिलाया है।

यह साझेदारी उन भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए है जो वाइल्डलाइफ को लक्ष्मी एकोमोडेशन के साथ एक्सप्लोर करना चाहते हैं। बाली के लुभावने लैंडस्केप में स्थित, तमन सफारी एक यूनिक वाइल्ड लाइफ एक्सपीरियंस प्रदान करता है, जो मेहमानों को एक अनोखे तरीके से प्रकृति से जुड़ने का मौका देता है। बड़े जिराफों, शेरो और विदेशी जानवरों को बेहद नजदीक से देखने से लेकर विभिन्न विदेशी प्रजातियों के जानवरों के साथ रोमांचकारी सफारी तक, तमन सफारी बाली नेचर लवर्स और फैमिली के लिए

एक शानदार एडवेंचर का वादा करता है। तमन सफारी इंडोनेशिया के मोंडिया, डिजिटल एंड इवेंट उपाध्यक्ष अ लो व जे 'डर जुल्करनेन ने आज यहां जारी बयान में कहा, हम केवल वाइल्ड लाइफ का एक्सपीरियंस नहीं बल्कि डिस्कवरी की यात्रा की पेशकश कर रहे हैं। तमन सफारी इंडोनेशिया और रूप के हिस्से के रूप में तमन सफारी बाली और वरुणा बाली के साथ, भारतीय पर्यटक एक एडवेंचर से भरी यात्रा की उम्मीद कर सकते हैं जो उन्हें बाली की समृद्ध बायोडायवर्सिटी से जोड़ता है और आश्चर्य भरे शानदार लम्हें प्रदान करता है। हम बाली की प्राकृतिक सुंदरता के बीच एक शानदार स्टे भी प्रदान करते हैं। हमारी टीम यह



सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय मेहमान हमारे साथ रहने के दौरान आराम और आनंद का अनुभव करें। इस साझेदारी के तहत तमन सफारी बाली भारतीय पर्यटकों के लिए पर्यटकों के विशेष रूप से क्यूरेटेड एक्सपीरियंस प्रदान करेगी, जिसमें गाइडेड सफारी, इंटरैक्टिव एग्जिबिट इकाउंटर और कल्चरल प्रोग्राम शामिल हैं जो इंडोनेशिया की समृद्ध बायोडायवर्सिटी को दर्शाते हैं।

वरुणा बाली ने एक विशिष्ट और शानदार स्थान पर इंडोनेशिया के पहले अंडरवाटर थियेट्रिकल शो की शुरुआत करके बड़े पैमाने पर लांछन प्रस्तुत करके यात्रा में सुंदरता का एक आयाम जोड़ा है। अपने सॉफ्ट लॉन्च के

उत्साह और सफलता के बाद, वरुणा सफारी बाली अब तमन सफारी बाली के साथ मिलकर स्टोरी टेलिंग, एडुकेटिव परफॉर्मंस और शानदार भोजन के अपने यूनिक कॉम्बिनेशन के साथ दर्शकों को लुभावने के लिए तैयार है। वरुणा बाली भारतीय पर्यटकों को विशेष पैकेज की पेशकश करेगा, जिसमें शानदार शो और क्षेत्र के समृद्ध स्वादों को प्रदर्शित करने वाले लचीले व्यंजन शामिल होंगे। भारतीय पर्यटकों को यूनिक प्रीफॉरेंस को मजबूत हुए, तमन सफारी बाली और वरुणा बाली ने ऐसे पैकेज तैयार किए हैं जो उनके स्वाद की चाहत को पूरा करते हैं। इन पैकेजों में गाइडेड वाइल्ड लाइफ सफारी, जानवरों को बहुत नजदीक से देखने के अवसर, कल्चर एक्सपीरियंस और वरुणा बाली में एक एक्सक्लूसिव शो शामिल है, जो एक व्यापक और अविस्मरणीय एडवेंचर सुनिश्चित करता है।

सार संक्षेप

एनटीपीसी की पहली सौर परियोजना का वाणिज्यिक संचालन शुरू

नई दिल्ली। राजस्थान के छतरगढ़ में एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी-आरईएल) की पहली सौर परियोजना ने 70 मेगावाट क्षमता का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है। छतरगढ़ सौर परियोजना की निर्धारित पूर्ण क्षमता 150 मेगावाट है और मार्च 2024 तक चालू होने की उम्मीद है। यह क्षमता एरएसईसीआई-किस्त इच्छ के तहत हासिल की गई थी और इस परियोजना का लाभार्थी राजस्थान राज्य है। यह परियोजना प्रतिवर्ष 37 करोड़ यूनिट ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो 60,000 घरों के लिए पर्याप्त है। साथ ही हर साल 3 लाख टन सीओ₂ उत्सर्जन की बचत और 1,000 एमएमटीपीए पानी का संरक्षण भी करती है। यह एक वर्ष में 5,000 से अधिक घरों के लिए पर्याप्त है। इस समय एनटीपीसी-आरईएल की 17 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी कुल क्षमता 6,000 मेगावाट के अधिक है। एनटीपीसी समूह की कुल नवीकरणीय ऊर्जा परिचालन क्षमता 3,448 मेगावाट है।

ऑर्किड फार्मा को अमेरिका में अपनी नई दवा बेचने के लिए यूएसएफडीए की मंजूरी मिली

चेन्नई। वर्ल्डक इटीपेटेड फार्मा कंपनी ऑर्किड फार्मा लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह अगली कुछ तिमाहियों में अमेरिका में अपनी एनमेटाजोबैक्टम दवा लॉन्च करेगी। कंपनी को अपने आविष्कार एनमेटाजोबैक्टम बीटा लैक्टोमैजिन इन्हेबिटर के लिए संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी के शेयर गुठुराचर है। 1,50,95 रुपये पर बंद होने के बाद शुक्रवार को बीएसई पर 1,217.20 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के अनुसार, यूएसएफडीए की मंजूरी संयुक्त राज्य अमेरिका में एनमेटाजोबैक्टम की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त करती है, जो दुनिया का सबसे बड़ा दवा बाजार है।

एयरटेल डिजिटल टीवी द्वारा सीएमईपीएल के साथ भारत के पहले एनीमे मनोरंजन चैनल-एनीमे बूथ का शुभारंभ

नई दिल्ली। भारत में संचार क्षेत्र की प्रमुख समाधान प्रदाता भारतीय एयरटेल (एयरटेल), एनीमे बूथ जो कल्चर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (सीएमईपीएल) की एक रैडिक्ल सेवा है, को भारतीय दर्शकों के लिए हिंदी में उपलब्धता की शुरुआत के साथ भारत में एनीमे दर्शन में क्रांति लाने के लिए तैयार है। निर्बाध एनीमे सामग्री देखने के लिए डिज़ाइन किया गया एनीमे बूथ उत्साही एनीमे प्रशंसकों की मांग को पूरा करने के लिए एक भाव विभोर करने वाला और विज्ञापन-मुक्त अनुभव प्रदान करेगा। यह सेवा एयरटेल की एयरटेल डिजिटल टीवी और एयरटेल एक्सस्ट्रीम टीवी सहित डीटीएच सेवाओं के माध्यम से मात्र 1.8 रुपये प्रतिदिन के सब्सक्रिप्शन शुल्क पर प्राप्य होगी और एक ऐसा किफायती और सुलभ मंच प्रदान करेगी जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता बिना किसी उकावट के अपनी पसंदीदा एनीमे सिरीज का आनंद उठा सकेंगे।

खेल जगात

डब्ल्यूपीएल महिला फिफ्ट के नया दौर : जय शाह

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। आईपीएल की तर्ज पर बीसीसीआई ने लंबे इंतजार के बाद पिछले साल महिलाओं के लिए टी20 लीग की शुरुआत की थी। एक सफल सीजन के बाद अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का दूसरा सीजन शुक्रवार को शुरू हो रहा है। पहला मैच बंगलुरु में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। इस मौके पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, 'बहुत खुश हूँ क्योंकि हम महिला प्रीमियर लीग सीजन 2 की शुरुआत के साथ एक नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। हमारा दृष्टिकोण सबसे बड़ी महिला क्रिकेट लीग स्थापित करना था और मैं उन सभी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने में योगदान दिया है। टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में 25-दिवसीय गाथा में 22 मैचों में पांच टीमों में भिड़ेंगी।'



जो रूट के शतक और फॉक्स के साथ शतकीय भागीदारी से इंग्लैंड संभला

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 23 फरवरी (देशबन्धु)। अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के मौजूदा सीरीज के पहले और भारत के खिलाफ दसवें टेस्ट शतक और विकेटकीपर बेन फॉक्स (47 रन, 126 गेंद, एक छक्का, चार चौके) के साथ छठे विकेट की 113 रन की भागीदारी की बदौलत लंच तक पांच विकेट मात्र 112 रन पर गंवाने के बावजूद इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रांची में शुक्रवार को शुरू चौथे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बढ़िया वापसी करते हुए अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 302 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। तब जो रूट शुरू से ही दे दनादन की बेजबाल शैली की बजाय परंपरागत टेस्ट क्रिकेट के अंदाज में खेले हुए 226 गेंद खेल नौ चौकों की मदद से 106 और ऑली रॉबिंसन 60 गेंद खेल कर एक छक्के और चार चौकों की मदद से 31 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों अब तक आठवें विकेट के लिए 57 रन जोड़ चुके हैं।

भारत के लिए मौजूदा सीरीज में अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले चौथे खिलाड़ी 27 बरस तेज गेंदबाज आकाशदीप के लंच से पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के तीन विकेट चटका कर लंच तक उसकी आधी टीम को सस्ते में पैवेलियन भेजने में अहम भूमिका निभाई। चायकाल के बाद मोहम्मद सिराज ने पहले बेन फॉक्स को मिड विकेट पर जडेजा के हाथों कैच करा उनकी और रूट को खतरनाक होती भागीदारी को तोड़ने के बाद टॉम हार्टले (13) को रिवर्स स्विंग का बेहतरीन नमूना पेश कर बोल्लड कर भारत को राहत दिलाई। ऑली रॉबिंसन (5) अपनी पारी के रूप में ही जडेजा की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया हालांकि गेंद सीधे स्टंप पर जाकर लगती दिखाई दे रही थी लेकिन भारत को तब बेवजह अपने तक तीनों रिव्यू गंवाने महंगे पड़े। आकाशदीप ने चायकाल के बाद दूसरे स्पेल

■ पदार्पण टेस्ट आकाशदीप ने 3 विकेट ले छोड़ी छाप, सिराज को मिले दो विकेट
■ भारत को बेवजह तीनों रिव्यू गंवाना पड़ा महंगा

के लिए वापसी करते हुए रूट के पैड पर गेंदबाजी की और इसका उन्होंने पूरा फायदा उठा तीन चौके जड़ अपना शतक आसानी से पूरा किया। जो रूट और बेन फॉक्स ने इंग्लैंड की पहली पारी चायकाल के बाद पांच विकेट पर 198 रन से आगे शुरू की। परंपरागत अंदाज में चायकाल से पहले परंपरागत में अंदाज में बल्लेबाजी कर मौजूदा टेस्ट सीरीज का पहला अर्धशतक पूरा करने वाले जो रूट चायकाल के बाद भी अपने अंदाज में ही खेले लेकिन दूसरे छोर से बेन फॉक्स ने गियर बदल कर ऑफ स्पिनर पारी के 68 वें ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के 18 वें ओवर की पहली गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से उड़ा और अगली तीन गेंदों में दो चौके जड़ने से 16 जोड़ 123 गेंद पर 47 रन पर पहुंच गए। अगले ओवर में भारत के कप्तान ने गेंद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को थमाई और उनकी रिवर्स स्विंग हो भीतर आती गेंद को ड्राइव करने की कोशिश में बेन फॉक्स (47) के रवींद्र जडेजा को कैच जमाने से उनकी और रूट की छठे विकेट को बड़ी गेंद और इंग्लैंड ने छठा विकेट 225 पर खो दिया। मोहम्मद सिराज ने अपने 11 वें और पारी के 76 वें ओवर की तीसरी गेंद से स्विंग होती गेंद पर टॉम हार्टले (13 रन) को बोल्लड कर इंग्लैंड का स्कोर सात विकेट पर 246 कर दिया। सिराज का तब का स्पेल था 5-2-9-2। जो रूट ने पारी के 84 वें आकाशदीप के 15 वें ओवर की आखिरी गेंद को फ्लिक कर चौका जड़ 2019 गेंद खेल नौ चौकों की मदद से मौजूदा सीरीज का अपना पहला और भारत के खिलाफ कुल दसवां टेस्ट शतक पूरा किया।



लंच तक लंच तक पहली पारी में 24.1 पांच विकेट मात्र 112 रन पर गंवाने के बाद अनुभवी जो रूट के मौजूदा टेस्ट सीरीज के पहले अर्धशतक और विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फॉक्स के साथ उनकी छठे विकेट की रन 86 रन की असमाप्त भागीदारी की बदौलत इंग्लैंड ने चायकाल तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 198 रन बना पारी संभाल ली थी। मौजूदा टेस्ट सीरीज का यह पहला सत्र था जब इंग्लैंड ने कोई विकेट नहीं खोया। कुलद्वय यादव को लंच के करीब एक घंटे बाद पारी के 42 वें ओवर में जब गेंदबाजी मोर्चे पर लगाया गया तब इंग्लैंड का स्कोर पांच विकेट 150 रन था। रूट ने लंच के करीब सवा घंटा बाद पारी के 49 वें और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नौवें ओवर की पांचवीं गेंद पर एक रन लेकर

मौजूदा टेस्ट सीरीज का पहला अर्धशतक 107 गेंद खेल कर चार चौकों की मदद से पूरा किया। अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले आकाशदीप के पहले डेढ़ घंटे में चटकाए तीन विकेट की बदौलत भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम के लंच तक पहली पारी में 24.1 पांच विकेट मात्र 112 रन पर निकाल कर चौथे टेस्ट पर अपनी पकड़ बनाई आकाशदीप ने लंच से पहले पांचवें ओवर में सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और ऑली पांप (0) को आउट कर दो विकेट चटकाए और इससे अगले ओवर में अपनी टीम की बेजबाल शैली में खेलने वाले सलामी बल्लेबाज जाक क्राली (42 रन, 42 गेंद, एक छक्का, छह चौके) का बोल्लड कर पारी का अपना विकेट चटका कर इंग्लैंड की हालत खस्ता कर दी। ऑफ

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने क्राली की तरह बेजबाल शैली में बल्लेबाजी करने वाले जॉनी बैरिस्टो (38 रन, 35 गेंद, एक छक्का, चार चौके) को और लंच से ठीक पहले बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (3 रन, 6 गेंद) को एलबीडब्ल्यू आउट इंग्लैंड की हालत खस्ता कर दी। भारत के लिए अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले नवोदित तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपने पांचवें और पारी के दसवें ओवर में सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (11 रन, 21 गेंद, एक चौका) को अपनी ऑफ स्टंप पर गिर कर जरा बाहर निकलती दूसरी गेंद को खेलने को मजबूर कर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करा अपना पहला टेस्ट विकेट लेकर भारत को पहली कामयाबी दिलाई। इंग्लैंड ने

पहला विकेट 47 रन पर खोया। ऑली पांप उनकी क्रीज के कोने से फेंकी भीतर आती चौथी गेंद को ड्राइव करने के लिए क्रीज से निकले और गेंद उनके पैड पर लगी अंपायर ने इस पर आउट नहीं दिया लेकिन इस पर भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट घोषित और इंग्लैंड ने दूसरा विकेट भी 47 रन पर खो दिया। आकाशदीप ने अपने अगले और छठे ओवर की अंतिम गेंद पर तेजी से भीतर आती गेंद पर सलामी बल्लेबाज जैक क्राली को अंततः बोल्लड कर अपना तीसरा विकेट लेकर इंग्लैंड का स्कोर पहला घंटा खत्म होने से पहले तीन विकेट पर 57 कर दिया। क्राली ने मोहम्मद सिराज के चौथे ओवर में एक छक्के और लगातार तीन चौकों की सहित 19 रन बनाए। आकाशदीप ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर जाक क्राली को बोल्लड कर दिया था लेकिन बदकिस्मती से अंपायर ने इसे नो-बॉल घोषित कर दिया और तब वह अपना टेस्ट करियर का पहला विकेट लेने से महरूम रह गए थे। आकाशदीप अपने टेस्ट करियर का रांची में आगाज करते हुए पहला घंटा ताउम्र याद रखेंगे क्योंकि इसमें उनका गेंदबाजी विश्लेषण रहा 7-1-24-3। जॉनी बैरिस्टो (38 रन, 35 गेंद, एक छक्का, चार चौके) ने ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की गेंद को स्वीप करने से चूके और गेंद उनके पैड पर पड़ी अंपायर के नाटआउट देने पर भारत ने डीआरएस लिया तीसरे अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट घोषित किया। बैरिस्टो ने आउट होने से ठीक पहले जो रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 52 रन जोड़े। बैरिस्टो का विकेट चटकाने के साथ रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में विकेटों का शतक पूरा कर लिया। बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा ने बेन स्टोक्स को एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इंग्लैंड की आधी टीम 112 रन पर पैवेलियन लौट गई थी।

ब्लाइंड फ्रेंडशिप क्रिकेट सीरीज में भारत ने पाकिस्तान को 46 रन से हराया

दुबई (यूएई), 23 फरवरी (एजेंसियां)। सुनील रमेश की 61 गेंदों में खेले गए 87 रनों की पारी की बदौलत संयुक्त टीम प्रयास से भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने यहां चल रहे नैत्रहीन मैत्री क्रिकेट सीरीज के दूसरे टी20 में शुक्रवार को पाकिस्तान को 46 रनों से हरा दिया। अजय कुमार रेड्डी (42) की शानदार पारी के बाद भारत ने 20 ओवर में 224/3 का स्कोर बनाया और मैन इन ब्लू ने पाकिस्तान को 178/6 पर रोककर मैच जीत लिया। दूसरे टी20 में प्रसिद्ध के साथ ही भारत ने अब फ्रेंडशिप क्रिकेट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है।



भारत की शुरुआत अच्छी रही और सुनील रमेश और डी. वेंकटेश्वर राव ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। वेंकटेश्वर राव (41 गेंदों में 56) 13वें ओवर में आउट हो

गए लेकिन सुनील रमेश और अजय कुमार रेड्डी ने फिर से साझेदारी करके टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। आखिरी ओवर में भारत ने 15 रन बनाए और टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 224/3 का स्कोर बनाया। पाकिस्तान ने अतिरिक्त के तीन पर 39 रन दिये। 225 रनों का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने तीसरे ओवर में ही शुरुआती विकेट खो दिया। टीम ने

ब्लाइंड फ्रेंडशिप क्रिकेट सीरीज में भारत ने पाकिस्तान को 46 रन से हराया

दुबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कालीफायर अना कलिस्काया ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 2-6, 6-4, 6-2 से हराया और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक के साथ आश्चर्यजनक रूप से दुबई टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में, नंबर 40 कलिस्काया फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक से भिड़ेंगी। शनिवार के फाइनल में विजेता का सामना नंबर 22 सोराना क्रिस्टिया या नंबर 26 जैस्मीन पाओलिनि से होगा।



गॉफ ने 46 मिनट के शुरुआती सेट में तीन बार कलिस्काया की सर्विस तोड़नी और मैच पर अच्छी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। सात दिनों में अपने छठे मैच में खेलते हुए, कलिस्काया ने अपनी ऊपरी पीठ का इलाज कराने के लिए 5-2 पर मेडिकल टाइमआउट

लिया और सेट ब्रेक के दौरान अतिरिक्त उपचार प्राप्त किया। जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो गॉफ सेट के अपने पहले दो सर्विस गेम में सर्विस बरकरार रखने में विफल रही, जिससे कलिस्काया को 2-1 की बढ़त मिल गई। कलिस्काया ने बढ़त को 5-2 तक बढ़ाया, इससे पहले कि अमेरिकी ने स्कोरिंग अंतर को 5-4 तक सीमित कर दिया। सेट को पूरा करने के एक और मौके के साथ,

वेस्टइंडीज के पास वर्ल्ड कप जीतने की क्षमता : ब्रावो



नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। खतरनाक ऑनरारिंडर्सों से सजी हुई वेस्टइंडीज टीम का टी20 क्रिकेट में दबदबा रहा है, लेकिन बीते दो टी20 वर्ल्ड कप इस टीम के लिए बेहद खराब रहे। हालांकि, पूर्व क्रिकेटर ब्रावो का मानना है कि पिछले दो टी20 विश्व कप में संघर्ष के बावजूद मौजूदा वेस्टइंडीज टीम जून में आगामी मेगा इवेंट में तीसरा स्थान जीतने की क्षमता रखती है। वेस्टइंडीज ओमान और यूएई में 2021 टी20 विश्व कप में सिर्फ एक जीत

हासिल कर सका और फिर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा। लेकिन ब्रावो वेस्टइंडीज के हालिया फॉर्म से खुश हैं। उन्होंने पिछले 12 महीनों के दौरान टी20 श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड को हराया है। इसलिए ब्रावो को लगता है कि कैरेबियाई टीम इस साल के आयोजन की यूएसए के साथ सह-मेजबानी में तहलका मचा सकती है। ब्रावो ने गुरुवार को न्यूयॉर्क में 2024 टी20 विश्व कप के शुरू होने के 100 दिन पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में कहा, मुझे लगता है कि वेस्टइंडीज टीम के पास आईसीसी ट्रांफ़ी जीतने का बहुत अच्छा मौका है। खिलाड़ियों का यह मौजूदा समूह लंबे समय से एक साथ रखे गए बेहतर टीमों में से एक है और मेरा मानना है कि वो इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। कैरेबियाई लोग निश्चित रूप से बड़ी संख्या में बाहर जाएंगे और उनका समर्थन करेंगे और ट्रांफ़ी जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

रणजी ट्रॉफी में अनुपस्थिति के कारण इशान, श्रेयस के केंद्रीय अनुबंध गंवाने की संभावना : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रिपोर्टों के अनुसार भारत के बल्लेबाजों इशान किशन और श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थित रहने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा जा सकता है। अय्यर के पास ग्रेड बी बीसीसीआई अनुबंध है जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध है। इससे पहले, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्र-अनुबंधित और भारत 'ए' क्रिकेटर्स को घरेलू क्रिकेट में भाग न लेने पर चेतावनी दी थी, जिसमें कहा गया था कि घरेलू क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने के उनके कदम के गंभीर प्रभाव होंगे।



टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, अजीत आगरकर के नेतृत्व में चयनकर्ताओं ने 2023-24 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची पूरी कर ली है, जिसका बीसीसीआई जल्द ही अनावरण करेगा। घरेलू क्रिकेट में भागीदारी

की कमी के कारण किशन और अय्यर को इस सूची से बाहर किए जाने की उम्मीद है। किशन ने आखिरी बार भारत के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला था, इसके बाद वह निजी कारणों से साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे से हट गए थे। इस बीच, उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का फैसला किया है और कथित तौर पर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ बड़ौदा में प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए हैं। श्रेयस अय्यर, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, पीठ दर्द का हवाला देते हुए शुक्रवार को बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के आगामी रणजी ट्रॉफी फाइनल से बाहर हो गए थे। हालांकि, रिपोर्टों के अनुसार बंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में खेल विज्ञान और चिकित्सा विभाग के प्रमुख ने चयनकर्ताओं को एक ईमेल में पुष्टि की, कि अय्यर को कोई ताजा चोट नहीं है और वह फिट हैं।

पहले चरण में कीपिंग नहीं करेंगे ऋषभ पंत : पार्थ जिंदल

नई दिल्ली, 23 फरवरी (आईएनएस) ऋषभ पंत आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तानी करेंगे लेकिन वह टूर्नामेंट के पहले चरण में विकेटकीपिंग करते नजर नहीं आएंगे। यह जानकारी खुद दिल्ली की फ्रैंचाइजी के सह मालिक पार्थ जिंदल ने क्रिकेट्सो के साथ साझा की है। पार्थ जिंदल ने यह भी बताया है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज अनरिखू नॉर्थिंगे दिल्ली के पहले मैच तक फिट हो जाएंगे। दिल्ली को अपना पहला मैच 23 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला है। जिंदल ने कहा कि टीम के डायरेक्टर सोरव गांगुली और कोच रिकी पॉटिंग का थिंक टैंक पंत की वापसी को लेकर आश्वस्त है। हालांकि अभी बीसीसीआई से अनुमति मिलना बाकी है। जिंदल ने कहा, ऋषभ बल्लेबाजी कर रहे हैं, उन्होंने न दौड़ना भी शुरू कर दिया है। वह आईपीएल के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैं पंत के खेलने की उम्मीद कर रहा हूँ और वह पहले मैच से टीम का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने विकेटकीपिंग

■ ऋषभ पंत आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तानी करेंगे
■ चोट के चलते कटीब एक साल से क्रिकेट के मैदान से दूर रहे ऋषभ पंत
■ पंत की वापसी को लेकर अब दिल्ली कैपिटल्स पूरी तरह आश्वस्त



करना भी शुरू किया है, लेकिन पहले सात मैचों में वह सिर्फ बल्लेबाजी करेंगे। हमें देखना होगा कि उनका बांडी मैच के बाद कैसे रिमांड कर रहा है। पंत ने

इसी सप्ताह एनसीए और बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में अलूर में अभ्यास मैच खेला था। मंगलवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक

वीडियो भी डाला था, जिसमें वह विकेटकीपिंग के साथ-साथ रन लेने की भी प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे थे। बुधवार को उन्होंने अभ्यास मैच में 20 ओवर तक बल्लेबाजी और फील्डिंग की थी। दिल्ली के कैंप को ज्वाइन करने से पहले पंत कुछ और ऐसे अभ्यास मुकामले खेलेंगे। बीसीसीआई की मंजूरी मिलने के बाद ही वह विशाखापट्टनम में दिल्ली के अभ्यास कैंप से जुड़ेंगे, जो कि पहले दो मैचों के लिए दिल्ली का होमग्राउंड है।

नॉर्थिंगे फिट लेकिन रिचर्डसन नहीं

जिंदल ने बताया कि तेज गेंदबाज नॉर्थिंगे अभी 80 प्रतिशत तक फिट हैं, लेकिन उनके टूर्नामेंट की शुरुआत तक पूरी तरह से फिट होने की संभावना है। नॉर्थिंगे के विशाखापट्टनम में दिल्ली के अभ्यास कैंप से भी जुड़ने की संभावना है। नॉर्थिंगे जांच पर लगी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के लिए पिछले साल 14 में से 10 मैच खेले थे। 2023 के दौरान वह

इस चोट से लगातार परेशान रहे और उन्हें विश्व कप एएसए 20 से भी बाहर होना पड़ा था। हालांकि अब वह वापसी के लिए तैयार हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज झ्याए रिचर्डसन दिल्ली के पहले कुछ मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्हें बीबीएल के दौरान साइड स्ट्रेन हो गया था। रिचर्डसन को दिल्ली ने इसी साल 5 करोड़ रुपये में खरीदा था।

हैरी ब्रूक नंबर 6 पर

जिंदल ने बताया कि इंग्लिश बल्लेबाज ब्रूक उनके लिए नंबर छह पर खेलेंगे। उनको विश्वास है कि इस बार उनकी टीम प्ले ऑफ में पहुंचेगी क्योंकि पंत की वापसी हो रही है और टीम में ट्रिस्टन स्टुक्स और ब्रूक जैसे भी विकल्प होंगे। टीम में डेविड वॉनर और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श भी हैं, जबकि इस साल उन्होंने कुमार कुशाण, सुमित कुमार और रिकी भुई जैसे घरेलू बल्लेबाजों को भी टीम में रखा है।

सार संक्षेप

सीएएस ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्यता निलंबन के खिलाफ रूस की अपील खारिज की

नई दिल्ली। खेल पंचायत (सीएएस) ने शुक्रवार को रूसी ओलंपिक समिति की सदस्यता निलंबित करने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दी। आईओसी ने ओलंपिक चार्टर के उद्घेर्षन के लिए पिछले साल अक्टूबर में रूसी ओलंपिक समिति को निलंबित कर दिया था। निलंबन का मतलब है कि आरओसी अब राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के रूप में काम करने की हकदार नहीं है, जैसा कि ओलंपिक चार्टर में बताया गया है और ओलंपिक आंदोलन से कोई धन प्राप्त नहीं कर सकता है। सीएएस अपने बयान में कहा, इस मामले के प्रभारी सीएएस पेनल ने अपील को खारिज कर दिया और बुजोतीपूर्ण निर्णय की पुष्टि की। यह पाते हुए कि आईओसी ईबी ने वैधता, समानता, पूर्वाभुमान या अनुपतिकता के सिद्धांतों का उद्घेर्षन नहीं किया है। सीएएस पेनल का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। सीमित आधार पर 30 दिनों के भीतर स्विट्स फेडरल ट्रिब्यूनल में अपील दायर करने के पार्टियों के अधिकार को छोड़कर।

गुवाहाटी में ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट में रिकॉर्ड भागीदारी पर है वीएफआई की नजर

नई दिल्ली। पिछले तीन टैलेंट हंट प्रोग्राम की सफलता के बाद वॉकिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (वीएफआई) आरईसी लिमिटेड के सहयोग से मार्च में होने वाले ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट के साथ अगला अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट देश के विभिन्न क्षेत्रों में वीएफआई द्वारा आयोजित चार ओपन प्रारंभिक टूर्नामेंटों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये टूर्नामेंट पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों के लिए युवा, जूनियर और सब-जूनियर श्रेणियों को पूरा करते हैं। वॉकिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (वीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, असम और पूर्वोत्तर ने असंख्य मुक्केबाजी प्रतिभाओं की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मुझे उम्मीद है कि गुवाहाटी में यह ईस्टर्न ओपन टैलेंट हंट इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक असाधारण अवसर देगा और साथ ही उन्हें लोगों की नजरों में आने का सीधा मौका भी मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि खेल और मुक्केबाजी प्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेंगे और हम इस क्षेत्र से ओर अधिक नई प्रतिभाओं को सामने लाने में सक्षम होंगे। इस टूर्नामेंट में कोई भाग ले सकता है और अपना कोशल दिखाने के लिए अपना नामांकन करा सकता है।